राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
प्रो. पी. सैनी I.A.S.
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक 180

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची
भाग–14
(भरतपुर - संग्रह)

सम्पादक
डॉ० रामकिशन जाटव
डॉ० देवकुमार
डॉ० विनोदकुमार

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1995

प्रथमावृत्ति 500] [मूल्य रु० 57.00

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
ओ. पी. सैनी I.A.S.
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक 180

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची
भाग–14
(भरतपुर - संग्रह)

सम्पादक
डॉ० रामकिशन जाटव
डॉ० देवकुमार
डॉ० विनोदकुमार

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1995

प्रथमावृत्ति 500]

[मूल्य रु० 57.00

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
ओ. पी. सैनी I.A.S.
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक 180

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची

भाग–14

(भरतपुर - संग्रह)

सम्पादक

डॉ० रामकिशन जाटव
डॉ० देवकुमार
डॉ० विनोदकुमार

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1995

[मूल्य रु० 57.00

प्रथमावृत्ति 500]

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान-राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी-राजस्थानी आदि भाषा-निबद्ध
विविध वाङ्मय-प्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली

प्रधान-सम्पादक
ओ. पी. सैनी I.A.S.

ग्रन्थांक 180

सम्पादक
डॉ० रामकिशन जाटव
डॉ० देवकुमार
डॉ० विनोदकुमार

प्रकाशक
राजस्थान-राज्य-संस्थापित
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

मुद्रक
पंकज प्रिण्टर्स, जोधपुर

1995

अनुक्रम

प्रधान-सम्पादकीय

"राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला" के अन्तर्गत प्रकाशित हिन्दी राजस्थानी सूचीपत्रों के क्रम में भरतपुर शाखा का प्रस्तुत सूचीपत्र विद्वज्जनों के सम्मुख प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें ग्रन्थांक 1 से 4828 तक के हिन्दी राजस्थानी ग्रन्थों का समावेश है। राजकीय पुस्तकालय भरतपुर से स्थानान्तरित ग्रन्थों के अतिरिक्त इसमें श्री गंगादासजी महन्त, श्री मनमोहनजी, श्री सनातनधर्म सभा भरतपुर, श्री रामजीलालजी वेदपाठी, डा. धर्मेश्वर शास्त्री आदि विभिन्न दान-दाताओं द्वारा प्रदत्त ग्रन्थ भी सम्मिलित हैं। लिपिकाल की दृष्टि से प्राचीन ग्रन्थों में सूरदास के पद, अरान्दा, सद्गुरुपूजन, रसिकप्रिया एव कलिचरित्र आदि हैं जिनका कालक्रम वि. सं. 1700 से 1723 के मध्य है।

कतिपय महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों में हृदयराम कृत धर्मसमाधि 5/104, त्रिधावेदान्त निर्णय 4/585(2), देवीदासकृत प्रेमरत्नाकर 103/89, बल्देव खण्डेलवालकृत विचित्ररामायण 160/572, बलिदत्तकृत राज-नीति काव्य 653/267, रामप्रसादकृत गंगाभक्तितरंगिणी 671/342, बनारसीकृत परमज्योति 821/519, ऋषिकेशकृत ऋतुराजमंजरी 944/376, शोभानाथकृत नवलरसचन्द्रोदय 1151/18, सूरतरायकृत सरसरस 1203/3 आदि महत्त्वपूर्ण रचनायें हैं। इसके अतिरिक्त निर्वाणदास, दयालदास, खानदास, अमरदास, जमनादास, परसादास, सुजानदास, प्राणदास आदि विविध संतों की वाणियों का भी महत्त्वपूर्ण संग्रह है।

सूचीपत्र के अन्त में लघु रचनाओं का विवरण परिशिष्ट सं. 1 में तथा कुछ विशिष्ट ग्रन्थों के आद्यन्त परिशिष्ट सं. 2 में देकर इसे

विद्वज्जनों एवं शोधार्थियों के लिये समान रूप से उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। इसके अतिरिक्त परि. सं. 3 में रचनाकार एवं टीकाकारों के नाम भी अकारादि क्रम से दिये गये हैं। इतस्ततः दृष्टिगोचर होने वाली सामान्य मुद्रण त्रुटियों को सुधी पाठक शुद्ध कर लेंगे—ऐसा मेरा विश्वास है।

मकरसंक्रांति वि. सं. 2051
पौष शुक्ला, त्रयोदशी

ओ. पी. सैनी
I.A.S.
निदेशक

विषय-तालिका

संकेत – तालिका

ऋ०	=	ऋषि
गो०	=	गोस्वामी
पं०	=	पंडित
भा०	=	भाषा
म०	=	महत्त्वपूर्ण; महाराजा
मु०	=	मुनि
मू०	=	मूल
र० स्था०	=	रचना स्थान
लि० क०	=	लिपि कर्त्ता
लि० स्था०	=	लिपि स्थान
वा०	=	वाचक
वि० स०	=	विक्रम संवत्
श०	=	शताब्दी

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची

भाग १४

(भरतपुर-संग्रह)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राज.)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1. दर्शन			
1	553 (1)	जोग वसिष्ठ भाषा (दोहा बंध)	
2	585 (2)	त्रिधा वेदान्त निर्णय	चिदात्माराम
3	4744	मोक्षमार्ग	
4	553 (3)	वज्रसूची अष्ट विकल्प भाषा	संतराम
5	4081	स्फुट वर्णन	
6	37	हस्तामलक वेदान्त भाषा	अखैराम
2. धर्मशास्त्र			
7	4213	मूलशांति सामग्री	
8	4429	विवाह कर्मादि	
9	2264	व्रतोत्सव निर्णय सटीक	निर्भय
10	4428	संध्योपासन विधि	
11	481	होमविधि (द्वादशमास होमविधि)	
3. पुराण			
12	1181	अनंतकथा भाषा	लक्ष्मीनारायण
13	387	अश्वमेध पर्व भाषा	रसानन्द

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 14 17; 20	45–63	पूर्ण	1821	जीर्ण; लि.क. लालदास
20 × 11 10; 26	24–48	,,	1742	जीर्ण; लि.क. गोकुलदास निरंजनी
20 × 15 12; 28	3	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र के दूसरी ओर संस्कृत में कर्मविपाक भी है।
17 × 14 17; 19	76-90	पूर्ण	1821	
17 × 13 15; 21	3	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
27 × 16 17; 13	4	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
55 × 18 34; 22	1	,,	20वीं	
21 × 14 9; 19	32	अपूर्ण		जीर्ण; आद्यन्त अपूर्ण;
32.5 × 15 24; 16	25	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. व्यास हरजीवन, स.पा. भावनगर पत्र सं. 7-9 अप्राप्त।
22 × 17 9; 21	6	,,	20वीं	जीर्ण
25 × 15 21; 17	13–14	,,	1902	यह होमविधि गणेश व्रत की है।
25.7 × 15 7; 24	12	,,	20वीं	जीर्ण
27 × 17 17; 16	472	,,	1903	र.का. सं. 1899 लि.क. जीवाराम।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम			कर्त्ता एवं टीकाकार
14	403	अश्वमेध पर्व भाषा			टहकनदास पुत्र रंगीलादास चोपड़ा
15	4075	आदि पुरुष सृष्टि			
16	166 (1)	ऊषा अनिरुद्ध कथा			
17	1230	ऊषा-चरित्र			
18	2826	एकादशी माहात्म्य भाषा			द्विजराज
19	558	एकादशी माहात्म्य सटीक			
20	600	कर्ण पर्व भाषा (पद्य)			गोवर्धन
21	811	कातिक माहात्म्य भाषा			लाला गोपालसिंह
22	4160 (4)	कृष्ण-अर्जुन प्रकरण			
23	4083	कृष्ण विषयक प्रकरण (गद्य)			
24	4160 (2)	गणेश जन्म			
25	480	गणेशजी की कथा			

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
30 × 20 16 ; 32	372 + 2	पूर्ण	1898	जीर्ण; र.का सं. 1726 स्था. जलालपुर लि.क. मिश्र बलदेव; स्था बेसवाँ (भरतपुर)
20 × 10 13 ; 32	47	अपूर्ण	19वीं	अंत अप्राप्त ।
19 × 15 11 ; 20	36–38	,,	,,	,,
15 × 11 9 ; 19)	5-61	,,	,,	जीर्ण; पत्र सं. आदि 8,9,21,24, 28,35,36,41.43,47-50, 54 व अंत अप्राप्त ।
20.5 × 16 15 ; 13	72	,,	20वीं	जीर्ण; पद्म पुराण से, 7वां पत्र अप्राप्त ।
16 × 14 16 ; 19	36	,,	1795	जीर्ण; लि.क. जीवाराम पुत्र जोशी सुखराम; ब्रह्माण्ड-पुराण व भागवत पुराण से।
23 × 17 26 ; 24	95	,,	1905	लि.क. हरीराम
27 × 17 12 ; 19	7–172	,,	19वीं	लि.क. मिश्र बलदेव; पद्म पुराण से।
15 × 12 11 ; 16	47–50	पूर्ण	,,	जीर्ण।
28 × 10 11 ; 32	22	,,	,,	जीर्ण।
15 × 12 12 ; 15	25–27	अपूर्ण	,,	जीर्ण।
25 × 15 21 ; 17	1–13	पूर्ण	1902	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
26	260	गीता भाषा (प्रथम अध्याय	
27	548	गीता भाषा	हरिवल्लभ
28	552	,,	,,
29	569	,,	,,
30	4592	,,	
31	2770	,,	
32	573	,, (प्रथम दो अध्याय)	देवीदास
33	4419	गीता भाषा	
34	601	द्रोणपर्व भाषा (संग्राम सार)	कुलपति मिश्र पुत्र परसराम माथुर
35	614	,,	,,
36	619	,,	,,
37	104	धर्म समाधि (कर्मविपाक)	हृदयराम

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
21 × 14 12; 22	4	अपूर्ण	19वीं	अंत अपूर्ण
11 × 1) 7; 11	162	पूर्ण	,,	र.का. सं. 1771
17 × 14 20; 17	45	,,	1821	,, जीर्ण; लि.क. लालदास
17 × 14 7; 19	123	,,	1909	र.का. सं. 1771 लि.क. जीवाराम
14 × 16 12; 12	2–178	अपूर्ण	1821	जीर्ण; पत्र 1,6,8,10-14,49-72, 89-112, 154-156 अप्राप्त । लि.क, निधिराम वैष्णव स्था. वृन्दावन
16 × 11 6; 22	50–116	,,	1872	जीर्ण; पत्र सं. 1-49 तक अप्राप्त लि.क. गंगाधर ।
26 × 17 15; 12	12	,,	19वीं	जीर्ण ।
27 × 10 17; 15	108	पूर्ण	1923	जीर्ण ।
24 × 16 16; 14	227	,,	19वीं	र.का. सं. 1733 कवि आगरावासी, आमेर नरेश रामसिंह की आज्ञा से निर्मित । लि.क. सेवाराम मिश्र
35 × 20 17; 14	198	,,	1995	लि.क. सेवाराम मिश्र
23 × 14 8; 26	231	,,	(गु.)1857	
17 × 12 11; 18	11	,,	(गु.)1805	जीर्ण ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
38	414	धर्म समाधि (कर्मविपाक)	गुनधर्म
39	428	धर्म-संवाद (गद्य)	परसराम
40	564	धर्म-संवाद भाषा	कृष्णकवि
41	557	नासिकेत पुराण भाषा	नन्ददास
42	246	भागवत अवतरिणिका भाषा	गणेश
43	577	भागवत पुराण भाषा (1-12 स्कन्ध)	
44	2810	भागवत पुराण भाषा (पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध)	भीष्मकवि
45	4167	"	"
46	1177	भागवत पुराण भाषा (प्रथम स्कन्ध)	भीष्मकवि
47	1175	" (पंचम स्कन्ध)	मोहनकवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
19 × 14 11; 17	12–19	पूर्ण	1913	लि.क. हरनारायण स्था. ककडानगर
13 × 13 9; 13	6	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त।
21 × 9 8; 28	36	पूर्ण	1917	र.का. सं. 1775 लि.क. बलराम मिश्र स्था. ओरछा
16 × 14 16; 24	47	,,	1795	जीर्ण; लि.क. जीवाराम पुत्र जोशीराम, स्था. अजबगढ़
15 × 10 5; 15	69	,,	19वीं	
19 × 15 12; 18	76-98	,,	1883	जीर्ण; र.का. सं 1748 लि.क. तुलाराम; अन्तिम पत्र में सूरदास के 3 पद भी हैं।
32 × 17 13; 12	33–95, 1-76	अपूर्ण	1884	जीर्ण; लि.क. पहौपाराम मिश्र स्था. पिपरौण इसमें दो मापों के पत्र हैं। पत्र सं. 1-32 व 38 अप्राप्त।
33 × 47 11; 30	39	,,	19वीं	जीर्ण; अंत व मध्य में खण्डित।
32 × 16 12; 38	34	पूर्ण	1891	जीर्ण; लि.क. मिश्र दीपराम स्था. ब्रह्मबाद
21 × 13.5 18; 16	7–112	अपूर्ण	1791	जीर्ण; पत्र सं. 1-6,45,66,71, 94-96 अप्राप्त। पत्र स. 66,71, 94-96 अलिखित। र.का. सं. 1660 स्था. मथुरा, लि.क. केशोदास

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
48	4183	भागवत पुराण भाषा (2-6 स्कन्ध)	
49	261	,, (1-3 व 9वां स्कन्ध)	भीष्मकवि
50	1236	भागवत पुराण भाषा (नवम् स्कन्ध)	,,
51	34	,, (दशम् स्कन्ध उ. ब्रजेन्द्र विनोद)	सोमनाथ माथुर
52	65	,, (दशम् स्कन्ध)	भूपति कवि
53	1176	,,	भीष्म कवि
54	1178	,, (आनन्द लहरी)	
55	2819	,,	भीष्म कवि
56	1235	,,	नन्ददास
57	4168	,, (10 व 12 स्कन्ध)	
58	4160 (3)	भोगलपुराण	
59	800	यक्ष युधिष्ठिर संवाद (वनपर्व) गद्यानुवाद सहित)	
60	588	राम परसराम संवाद	काशीराम कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
38 × 22 12; 42	18	अपूर्ण	19वीं	
30 × 19 29; 17	33-107 व 1-68	,,	1894	पत्र सं. 1132, 41-48 अप्राप्त ।
28.5 × 15 11; 32	28	,,	20वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त ।
18 × 14 11; 22	366	,,	1837	जीर्ण, र का. भरतपुर नरेश सूरजमल के समय । लि.क. पं. भास्कर कश्मीरी, स्था. भरतपुर ।
27 × 17 22; 18	297	पूर्ण	1891	र.का. सं. 1744 स्था. दक्षिणदेश ।
30 × 15 11; 36	136-227	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 154,180,214-24 अप्राप्त ।
33.5 × 14.5 11; 35	5-202	,,	,,	पत्र सं 1-4 व अंत अप्राप्त ।
28 × 17 14; 40	227-32	,,	,,	जीर्ण
28.5 × 17.5 11; 29	1-38	,,	20वीं	पत्र सं. 2 व अंत अपूर्ण ।
33 × 47 11; 34	17	,,	1918	
15 × 12 11; 20	27-47	,,	18वीं	जीर्ण
20 × 16 22; 22	8	,,	20वीं	जीर्ण
19 × 14 17; 16	2-4	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1 व अंत अप्राप्त ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
61	20	रास पंचाध्यायी भाषा	वंशी अली
62	32	,,	नन्ददास
63	1182	,,	,,
64	83	विजय मुक्तावली सौप्तिक पर्व महाभारत भाषा	छत्रसिंह कायस्थ
65	598	,,	छत्रसिंह कायस्थ
66	599	,,	,,
67	4313	,,	,,
68	551	विज्ञानगीता	केशवदास मिश्र
69	224	विदुरप्रजागर भाषा (महाभारत का उद्योग पर्व)	कृष्णकवि
70	277	,,	,,
71	574	,,	,,
72	575	,,	,,
73	576	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16 × 13 11; 16	24	पूर्ण	19वीं	
24 × 11 8; 19	27	अपूर्ण	1845	जीर्ण; पत्र सं. 2;25,26 अप्राप्त।
22.5 × 14.5 9; 22	22	पूर्ण	1872	लि.क. नत्थूराम।
27 × 17 25 17	109	,,	18वीं	र.का. सं. 1757 स्था. बधावर ग्राम (मथुरा)।
24 × 16 21; 21	86	अपूर्ण	1886	जीर्ण; अंत अपूर्ण; र.का. सं. 1757, पत्र क्रमानुसार नहीं है।
25 × 17 18; 15	169	पूर्ण	1868	स्था. भदावर गांव बटेश्वर (मथुरा)।
25 × 17 23 22	125	,,	1885	जीर्ण; लि.क. हीरामन
21 × 14 17; 15	107	,,	1902	जीर्ण; ओरछा नरेश वीरसिंह के राज्य में रचित। कर्त्ता केशवदास नाम भी मिलता है।
26 × 18 17; 14	64	,,	1922	र.का. सं. 1792; राजा-आयामल्ल की आज्ञा से रचित।
28 × 17 18; 18	2–59	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; र.का. 1792 प्रथम पत्र अप्राप्त।
21 × 13 12; 12	132	पूर्ण	19वीं	
18 × 14 12; 12	113	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण
19 × 15 12, 18	5–75	,,	1883	पत्र सं. 1-4 तक नष्ट प्रायः।

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
74	602	विदुर प्रजागर भाषा (महाभारत का उद्योग पर्व)	कृष्णाकवि
75	4071	,,	,,
76	801	विदुर-मैत्रेय संवाद (सानुवाद)	
77	4753	विरुदावली (विश्वामित्र-दशरथ संवाद)	जैकृष्ण
78	526	सतयुग की कथा	
79	338	सत्यभामा-नारद संवाद	विठ्ठलदास
80	482	सूर्य पुराण भाषा	तुलसीदास
81	559	,,	
4. इतिहास 82	35	ताजपोशी (महाराजा जसवन्तसिंह से किसनसिंह तक की)	रामवल्लभ (वल्लभ)
83	2594	वंशावली (कवियों का वंश परिचय)	
84	2624	वंशावली (कवि गणेश दो पुत्र-सालिगराम व लक्ष्मीनारायण की)	लक्ष्मीनारायण, सालिगराम
85	2563	सूची (लिपिकार जीवाराम के साथी अन्य दरबारियों की)	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26 × 16 15; 10	14	अपूर्ण	20वीं	र.का. 1792 राजा आयामल्ल की आज्ञा से; अंत अप्राप्त।
26 × 16 19; 14	65	पूर्ण	1904	जीर्ण; ,,
25 × 16 21; 19	12	,,	1897	जीर्ण; इसमें संस्कृत भाषा भी है।
19 × 15 10; 21	7	,,	19वीं	पत्र के एक ओर "कर्म विपाक" भी लिखा है।
15 × 7 6; 20	111–126	अपूर्ण	1795	
18 × 14 5, 11	11	पूर्ण	1884	लि.का. गुटकानुसार।
25 × 15 21; 17	15–25	,,	1902	
14 × 12 9; 16	17	,,	1891	लि.क प्राणसुख, स्था बाबरी (भरतपुर)
27 × 17 10; 28	8	,,	20वीं	भरतपुर नरेश किसनसिंह के समय, लि.क. नवलकिशोर विद्यार्थी, भरतपुर। कर्त्ता कहीं-"बल्लभ" भी है।
28.5 × 17.5 20; 18	2	अपूर्ण	,,	कीटभक्षित।
18 × 14 7, 16	2	पूर्ण	,,	जीर्ण; भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय।
66 × 8.5 49; 8	1	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5.ऐति.काव्य 86	259	कवित्त बत्तीसा (असदखां की जंग आदि के)	सूदन माथुर
87	288	दीर्घ नगर वर्णन	सोमनाथ
88	88	पृथ्वीराज रासो (पद्मावती व महोबे का समय)	चन्द कवि
89	227	,, (आल्ह खण्ड)	,,
90	609	,, (कनवज खण्ड)	,,
91	610	,, (सलख सभा तक)	,,
92	618	,, (पद्मावती व महोबा खण्ड)	,,
93	435	विवाह विनोद	गणेश कवि
94	235	,,	,,
95	66	सुजान चरित्र (गद्य-पद्य)	सूदन माथुर
96	612	,,	,,
97	613	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 14 12; 22	33–39	पूर्ण	19वीं	
24 × 15 19; 18	132–37	,,	,,	
17 × 16 18; 18	67	अपूर्ण	1886	जीर्ण; अन्त अप्राप्त।
22 × 19 23; 24	47	पूर्ण	19वीं	
26 × 16 17; 18	14[illegible]	,,	1887	र.का. सं. 1151 लि. स्था. भरतपुर। महाराजा बलवन्तसिंह कालीन।
25 × 16 25; 15	7[illegible]	अपूर्ण	19वीं	इस प्रति में कुछ खण्ड ही है।
26 × 17 24; 19	50	पूर्ण	1875	लि.क. मिश्र केसरीराम,
20 × 16 8; 16	77	,,	19वीं	र.का. सं. 1889
18 × 14 7; 15	62	,,	,,	,,
28 × 17 16; 14	252	अपूर्ण	,,	र.का. सं. 1802 से 1810 तक। स्था. डीग, पत्र सं. 62 व 113वां कोने पर कटे हैं। अन्त के दो पत्र जीर्ण हैं।
29 × 17 25; 24	40	,,	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त।
20 × 15 15; 17	14	,,	,,	आद्यन्त अप्राप्त।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
98	615	सुजान चरित्र	सूदन माथुर
काव्य 5-ii 99	12	कलिजुगरासो	गुविन्दलाल
100	398	कलि चरित्र	बांन कवि
101	122	कवित्त रत्नाकर	सेनापति
102	304	,,	,,
103	341	,,	,,
104	368	,,	,,
105	250	कवित्त रामायण (उत्तर-काण्ड)	तुलसीदास
106	1345	नाम-तरंग	सेनापति
107	89	प्रेम-रत्नाकर	देवीदास
108	112	फूलमंजरी	मतिराम

माप से. मी ; पंक्ति प्रति प. ; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
28 × 26 14; 18	182	पूर्ण	1880	महाराजा सुजानसिंह (सूरजमल) के लिए रचित । लि.क. धनीराम
26 × 16 20; 13	43–46	पूर्ण	19वीं	
22 × 16 13; 23	6	,,	1723	र.का. सं. 1674 खानखाना के हुक्म से ।
23 × 15 19; 20	1-42	अपूर्ण	1832	लि.क. मिश्र ठाकुरदास
31 × 16 27; 20	1–29	,,	20वीं	
22 × 16 17; 16	76	पूर्ण	1800	जीर्ण; लि.क. प्राणजीवन तिवारी, लि. स्था. भरतपुर; पत्र सं. 43 दो बार
16 × 13 10; 17	76	,,	19वीं	पत्र सं. 54 दो बार
21 × 14 10; 23	69	,,	19वीं	
17.5 × 14.5 8; 17	31	पूर्ण	20वीं	जीर्ण पत्र सं 23 अप्राप्त ग्रन्त में लि.क. ने कवि रत्नाकर कृत "नाम-तरंग" लिखा है, जबकि सेनापति के कवित्त हैं।
17 × 16 14; 19	2-21	अपूर्ण	1866	जीर्ण; र.का. सं 1742 स्था. करौली. लि.क. मदारीराम, राजा रतनपाल कवि का आश्रयदाता है।
17 × 12 11; 18	19-26	पूर्ण	1850	जीर्ण; रचना बादशाह जहांगीर के शासन में आगरा में की।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
109	789	बरवै रामायण	तुलसीदास
110	1227	,,	,,
111	355	बिहारी सतसई	बिहारीदास
112	374	,,	,,
113	409	,,	,,
114	429 (1)	,,	,,
115	1224	,,	,,
116	1249	,,	,,
117	369	,, सटीक (प्रथम भाग)	,, टी. कृष्णकवि
118	370	,, ,, (दूसरा भाग)	,, ,,
119	371	,, , (तीसरा भाग)	,, ,,
120	410	,, (कवित्त रस सार सहित)	,, ,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 16 18; 17	11–22	अपूर्ण	1896	जीर्ण
28 × 17.5 17; 17	10	,,	20वीं	पत्र सं. 1-10 अप्राप्त
20 × 17 10; 14	104	पूर्ण	19वीं	र.का. सं. 1719; 'ग्रह शशि जलधि क्षिति' मिर्जा राजा जयसिंह, जयपुर के समय। लि.क. बलिरामदास, लि. स्था. भरतपुर। महाराजा बलवन्तसिंह के पठनार्थ।
25 × 13 13; 35	47	पूर्ण	19वीं	
23 × 15 19; 15	39	पूर्ण	19वीं	लि.क. गंगाराम लि. स्था. वैर (भरतपुर)
13 × 13 12; 22	1–65	,,	1819	जीर्ण; लि.क मेघराज मिश्र
16.7 × 13 10; 18	1–78	पूर्ण	1878	जीर्ण, पत्र सं. 3-6, 9-11, 20-21, 30 अप्राप्त
26.5 × 12 6; 26	68	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
20 × 16 11; 10	200	पूर्ण	20वीं	टीका र.का. 1782 राजा आयामल्ल के लिए।
20 × 16 11; 10	201–392	अपूर्ण	20वीं	
20 × 16 11; 0	393–540	,,	20वीं	,,
25 × 18 37; 36	50	पूर्ण	1893	,,; टीका क. मथुरावासी माथुर विप्र।

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
121	4390	बिहारी सतसई सटीक	बिहारीदास, (टी. कृष्णकवि)
122	4452	,, (कवित्त बद्ध)	,, ,,
123	380	,, (टीका अमरचन्द्रिका	,, टी. सूरति मिश्र
124	446	,, (टीका-लाल-चन्द्रिका)	,, टी. लालकवि (लल्लूलाल)
125	302 (1)	राधामंगल	गो. रामनारायण
126	456	रामचरितमानस	गो. तुलसीदास
127	4158	,,	,,
128	452	,, (बालकाण्ड)	,,
129	1228	,, (,,)	,,
130	4724	,, (,,)	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि-संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 13 18; 12	97–144	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण पत्र सं 1-96, 103-120 व अन्त अप्राप्त।
29 × 16 21; 14	8	,,	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
20 × 15 18, 16	2–70	,,	19वीं	टीका र का स 1799 स्था. आगरा; प्रथम पत्र अप्राप्त।
26 × 18 18; 22	191	,,	19वीं	जीर्ण टीका र.का. सं. 1875 पत्र सं. 186 पर कवि परिचय भी है। टीकाकार गुजराती ब्राह्मण है।
28 × 20 18; 17	73	,,	1933	र.का सं. 1933 स्था. भरतपुर. कवि राधाकुण्ड-वासी है। लि.क. नन्दकिशोर, लि.स्था. भरतपुर
32 × 20 21; 15	301	,,	1887	पत्र सं. 284-85, पत्र संख्या 291 के बाद में है। लि क. चौबे जीवाराम, लि. स्था. तालवन
25 × 15 11; 31	8 80	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-7 तक अप्राप्त लि.क. काशीराम ब्राह्मण
29 × 14 9, 37	6 157	,,	1889	जीर्ण लि.क शम्भू, लि. स्था. बाछरैन पत्र सं. 1-5, 8 अप्राप्त
32 × 18.8 7, 22	15	,,	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
28 × 16 10; 34	34-4	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-33 व अन्त अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
131	453	रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड)	गो. तुलसीदास
132	454	,, (अरण्य, किष्किन्धा, सुन्दरकाण्ड)	,,
133	423	,, (किष्किन्धा काण्ड)	,,
134	2761	,, ,,	,,
135	4400	,, ,,	,,
136	68	,, (सुन्दरकाण्ड)	,,
137	282	,, ,,	,,
138	4076	,, ,,	,,
139	69	,, (लंकाकाण्ड)	,,
140	455	,, (लंका व उत्तरकाण्ड)	,,
141	283	,, (उत्तरकाण्ड)	,,
142	1191	रामचरित रत्नाकर (अयोध्या काण्ड)	सोमनाथ माथुर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29 × 14 9; 36	115	पूर्ण	1890	जीर्ण
29 × 14 9; 36	73	पूर्ण	,,	,,
19 × 17 11; 17	67–97	,,	1913	लि.क. मिश्र हरनारायण लि. स्था. ककडानगर
22 × 14 9, 29	12	अपूर्ण	19वीं	कुछ पत्र छोटी माप के हैं।
28 × 14.5 11; 38	2–17	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र स. 10-11, 13-14 व अन्त अप्राप्त
27 × 15 19, 17	28	पूर्ण	1871	लि.क. मोतीराम, लि.स्था. भरतपुर
21 × 9 8; 29	2–42	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं 1,26 अप्राप्त
33 × 14 11; 37	19	पूर्ण	1915	जीर्ण; लि.क. रतिराम ब्राह्मण
27 × 15 19; 18	91	,,	1871	लि.क. मोतीराम लि.स्था भरतपुर
29 × 14 9; 36	127	,,	1890	कीट भक्षित; कहीं-कहीं पत्र उल्टे सिले हुए हैं।
23 × 11 9, 30	72	,,	1876	जीर्ण, लि क. बक्षीराम, लि. स्था. बल्लभगढ़
41 × 17 11; 40	1–270	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 242 व अन्त अप्राप्त। तथा पत्राङ्क 92,134, 139,263 दो-दो बार लगे हुए हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
143	1410	रामचरित रत्नाकर (अयोध्या काण्ड)	सोमनाथ माथुर
144	1192	,, (अरण्य काण्ड)	,,
145	1411	,, (,,)	,,
146	1193	,, (किष्किन्धा काण्ड)	,,
147	1237	,, (,,)	,,
148	1412	,, (,,)	,,
149	1194	,, (सुन्दर काण्ड)	,,
150	1413	,, (,,)	,,
151	1195	,, (युद्ध काण्ड)	,,
152	1238	,, (,,)	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
35 × 17.5 10; 33	1-354	अपूर्ण	1874	जीर्ण; र.का. सं. 1799 कुंवर प्रतापसिंह के लिए निर्मित, पत्र सं. 140, 215-220, 340 अप्राप्त। पत्र सं. 42 व 264 दो बार लिखी हुई है।
41 × 17 11; 38	2-142	अपूर्ण	1839	र.का. सं. 1799 कुंवर प्रतापसिंह के लिए निर्मित, पत्र सं. 1,64,92,132 अप्राप्त। पत्र सं. 58 दो बार।
35.5 × 17.5 10; 33	161	पूर्ण	1874	जीर्ण; र का. सं. 1799 कुंवर प्रतापसिंह के लिए निर्मित, पत्र सं. 16,102 अप्राप्त। पत्र सं. 25,30 दो बार।
41 × 17 11; 42	1-138	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
28 × 17.5 13; 28	181	पूर्ण	1839	जीर्ण; लि क. काश्मीर पण्डित, पत्र सं 29 दो बार।
35 × 17 11; 31	150	,,	1874	जीर्ण; पत्र सं 116 दो बार।
41 × 17 11; 42	2-247	अपूर्ण	19वीं	पत्र सं. 1,217 अप्राप्त पत्र स. 230 दो बार।
34.5 × 17 10; 33	315	पूर्ण	1874	जीर्ण; पत्र सं. 66 दो बार।
41.5 × 17 11; 40	2-382	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं 178,342 अप्राप्त
28.5 × 17.5 14; 26	494	पूर्ण	1832	जीर्ण; लि.क मनोहरदास, लि. स्था. वैर

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
153	1196	रामचरित रत्नाकर „ (उत्तर काण्ड)	सोमनाथ माथुर
154	1229	रामचरित (उत्तर काण्ड)	कवि कलानिधि
155	275	रामचन्द्रिका	केशवदास
156	361	„	„
157	1215	„ (प्रथम प्रकाश)	„
158	1190	रामचन्द्रोदय (बाल काण्ड) (बाल्मीकी रामायण भाषा)	कृष्णकवि
159	1409	„ „	„
160	305	रामायण	सेनापति
161	1414	रामायण (युद्ध काण्ड)	कृष्ण भट्टकलानिधि
162	1415	„ (उत्तर काण्ड)	„
163	4593	„ („)	„
164	46	रामायण सूचनिका (पद्य)	कृष्णराम
165	87	रुक्मिणी मंगल	बलिदन्त शिष्य हरिप्रसादास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
35 × 17 11; 37	2–224	अपूर्ण	19वीं	र.का. सं. 1799; कुंवर प्रतापसिंह के लिए निर्मित। आद्यन्त अपूर्ण।
25 × 16.5 13; 17	26	,,	20वीं	बैर के राजा प्रतापसिंह के लिए निर्मित।
30 × 20 19, 15	216	पूर्ण	1894	र का. सं. 1658
26 × 16 17; 31	159	,,	1900	लि क. परमानन्द मिश्र, पत्र स. 154 दो बार है।
31 × 21 12; 26	5	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
41 × 17 11; 40	1 118	,,	1839	जीर्ण; पत्र सं 58 अप्राप्त
35 × 17.5 10; 37	130	पूर्ण	19वीं	आद्यन्त पत्र जीर्ण है।
31 × 16 27; 20	29-48	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; र का सं 1706,
35 × 17 11; 37	489	पूर्ण	1866	जीर्ण; पत्र सं 166 फटा हुआ व पत्र 366 दो बार है
32 × 16 11; 36	1 248	,,	1828	अति जीर्ण; रचना कुंवर प्रतापसिंह के लिए की।
15 × 12 13; 20	10–86	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-9, 13, 14, 35-36, 64-67 व अन्त अप्राप्त।
14 × 11 10 12	4	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
17 × 16 17, 19	1–20	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; र का सं. 1708 पत्र सं 6 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
166	572	विचित्र रामायण	बलदेव कवि (खण्डेलवाल वैश्य)
167	503	सुधा सागर (रामचरित्र भाषा)	देवीराम पुत्र शांति सेनवंशी
168	2681	सुजानविलास	
169	295	अमृत ध्वनि छंद व छप्पय	पद्माकर
170	4712 (3)	अरिल्ल पच्चीसी	नागरीदास
171	2287	करुणा-पच्चीसी	नवलकिशोर
172	38	कवित्त-संग्रह	वैजनाथ
173	46	"	ठाकुर
174	52	"	वंशीधर
175	126	"	दत्त कवि
176	129	"	देव
177	178	कवित्त (एक)	
178	244	कवित्त-संग्रह	बिहारीदास आदि
179	257	"	रसराशि, ऊधोलाल, पद्माकर, पुखी

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 19 14; 19	216	पूर्ण	20वीं	र.का सं 1903; लि.क. पं. गिरधर, लि. स्था. भरतपुर
30 × 20.5 15; 14	1–15	,,	19वीं	भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के लिए रचित
20 × 16 14; 16	1–3	अपूर्ण	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त ।
27 × 17 20, 20	5वां	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
17 × 14 12; 13	3–8	,,	19वीं	,,
48 × 13 34; 16	4	,,	,,	अति जीर्ण
27 × 16 17; 13	4–5	,,	,,	
27 × 16 17; 13	8 9	,,	,,	
27 × 16 17; 13	22–24	,,	,,	
19 × 15 11; 23	2	,,	,,	
19 × 15 11; 23	32–34	,,	,,	
16 × 11 8; 14	19–20	,,	,,	जीर्ण
24 × 16 21; 13	6	अपूर्ण	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
21 × 14 11; 22	2	पूर्ण	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
180	788	कवित्त-संग्रह	सेनापति, लाल, मोतीराम, देव
181	1221	,,	प्रताप
182	1225	,,	सेनापति
183	2282	,,	चतुरसखि, चतुरछैल
184	2289	,, (होरी)	हरिदेव
185	2292	,,	लालकवि
186	2298	,,	
187	2299	,,	
188	2308	,,	
189	2356	,, (फाग)	
190	2357	,,	नवलकिशोर
191	2365	,,	रूपराम
192	2366	,,	
193	2367	,,	पं. गोपीनाथ

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
213 × 18 112; 14	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
27 × 17 20; 16	48–51	अपूर्ण	1905	,,
27 × 12 6; 25	65–96	,,	20वीं	आद्यन्त अप्राप्त ।
57 × 17.5 32; 11	1	,,	19वीं	जीर्ण
46 × 15 48; 21	1	,,	,,	,,
28.5 × 11.5 26; 12	1	,,	,,	
40 × 17.5 29; 16	1	,,	,,	जीर्ण; र,का सं. 1892; भरत-पुर नरेश बलवन्तसिंह के समय ।
30 × 27 27; 45	1	,,	,,	जीर्ण
21.5 × 18 10; 17	1	पूर्ण	,,	,,
19.5 × 17.5 11; 23	1	अपूर्ण	,,	,,
27.5 × 21.5 18; 24	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; लि.क. स्वयं कवि ।
17 × 14 13; 15	1	,,	19वीं	जीर्ण
18 × 17 10; 22	1	,,	,,	,,
23 × 19 20; 26	1	,,	,,	अति जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
194	2369	कवित्त-संग्रह	
195	2371	,,	
196	2378	,,	
197	2379	,,	
198	2380	,,	
199	2385	,,	तुलसीदास आदि
200	2386	,,	
201	2387	,,	
202	2388	,,	
203	2389	,,	
204	2397	,,	
205	2398	,,	
206	2400	,,	
207	2403	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
41 × 14 25; 19	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
20 × 15 13; 19	1	,,	,,	,,
21 × 14 18; 20	1	अपूर्ण	,,	,,
14 × 13 10; 13	1	पूर्ण	,,	,,
18 × 18 10; 24	1	,,	,,	,,
21 × 14 14; 13	8	अपूर्ण	,,	,,
20 × 14 11; 23	1	पूर्ण	,,	,,
14 × 11 7; 13	1	,,	,,	,,
28 × 18 13; 20	1	,,	,,	,,
17 × 14 12; 9	2	,,	,,	,,
57 × 17 18; 21	1	अपूर्ण	,,	,,
54 × 17 30; 14	1	पूर्ण	,,	,,
20 × 15 11; 18	1	,,	,,	,,
26 × 16 21; 19	1	,,	1889	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
208	2404	कवित्त-संग्रह	
209	2405	,,	
210	2408	,, (पावस के)	
211	2409	कवित्त-संग्रह	
212	2414	,,	
213	2415	,,	
214	2416	,,	
215	2417	,,	
216	2418	,,	लक्षी, मनराम, नारायण
217	2425	,,	
218	2439	,,	
219	2440	,,	
220	2441	,, (एक)	कृष्णदास
221	2442	कवित्त संग्रह	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
35 × 14 60; 19	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
72 × 17 41; 14	1	,,	,,	,,
19 × 14 16; 16	1	अपूर्ण	,,	,,
20 × 13 15; 18	2	,,	,,	,, दोनों पत्र जुड़े हुए हैं।
32 × 14 15; 12	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
14 × 11 8; 16	1	,,	,,	,,
14 × 11 8; 16	1	,,	1903	,, लि.क. सालिगराम
38 × 15 20; 12	1	अपूर्ण	1907	कीट भक्षित
10 × 18 7; 17	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
18 × 11 11; 12	1	,,	20वीं	
14.5 × 13 8; 17	1	,,	19वीं	
22.5 × 8.5 13; 8	1	,,	20वीं	,,
18.5 × 15.5 8; 20	1	,,	,,	,,
17.5 × 15 7; 27	1	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
222	2443	कवित्त-संग्रह	
223	2444	,,	जुगल
224	2445	,, (एक)	पुषी (पुखी)
225	2446	,, ,,	जुगलकिशोर
226	2447	,,	
227	2448	,, (बधाई-जन्मोत्सव)	जुलकिशोर
228	2449	,,	
229	2450	,,	
230	2458	,, (भोलानाथ कवि की प्रशंसा में)	
231	2456	,,	
332	2461	,,	लालामल्ल
233	2462	,,	चतुर्भुज
234	2463	,,	
235	2475	,,	लालकवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 6.5 35; 12	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
15.5 × 11.5 9; 16	1	अपूर्ण	,,	
21 × 12 11; 12	1	पूर्ण	,,	,,
16 × 8.5 12; 10	1	,,	19वीं	
20 × 14 13; 14	1	अपूर्ण	20वीं	भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय
18 × 14 10; 12	1	,,	,,	
21 × 15 9; 14	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
24 × 11 20; 13	1	,,	19वीं	,,
24 × 16 8; 32	1	अपूर्ण	,,	कीट भक्षित; भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय।
22 × 12.5 16; 20	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
18 × 17.5 11; 17	1	,,	19वीं	जीर्ण; इसमें महाभारत के पर्वों को बांचने का प्रसंग है।
22.5 × 15.5 11; 14	1	,,	20वीं	जीर्ण
19 × 16 11; 18	1	अपूर्ण	19वीं	अति जीर्ण
59 × 10 75; 11	1	,,	,,	अति जीर्ण, भरतपुर नरेश रणधीरसिंह के समय।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
236	2480	कवित्त-संग्रह	ग्वाल
237	2489	,,	सेनापति
238	2490	,,	पद्माकर
239	2493	,,	शिवनाथ
240	2494	,,	देवीया
241	2498	,,	
242	2504	,,	
243	2511	,,	
244	2513	,, (जन्मोत्सव के)	धाऊ ग्यासीराम
245	2515	,,	जुगलकिशोर
246	2516	,,	रामलाल
247	2530	,,	मथुरानाथ भट्ट
248	2544	,,	लक्ष्मीनारायण
249	2545	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
31 × 18 12; 49	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
28.5 × 17.5 15; 19	1	,,	19वीं	जीर्ण लि. स्था. भरतपुर
46.5 × 18 26; 16	1	,,	,,	जीर्ण
24 × 18 28; 34	2	,,	,,	,,
22.5 × 18 16; 19	1	पूर्ण	,,	,,
19.5 × 14 7; 21	1	अपूर्ण	,,	,,
17 × 14 8; 6	1	पूर्ण	20वीं	,,
24 × 15 5 15; 1 8	1	,,	,,	,,
20 × 18 9; 15	1	,,	,,	,,
26.5 × 16.5 22; 19	1	,,	,,	,,
24.5 × 16 5 14; 21	1	,,	,,	,,
27.5 × 17.5 18; 22	1	,,	,,	जीर्ण; अन्त में गंगाजी के भोग की सामग्री की सूची है।
25.5 × 14 17; 12	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. स्वयं कवि।
58 × 14.5 36; 15	1	पूर्ण	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
250	2551	कवित्त-संग्रह	
251	2552	,,	देव
252	2557	,,	
253	2558	,,	
254	2560	,,	नवलकिशोर
255	2561	,,	काशीराम
256	2562	,,	नवलकिशोर
257	2574	,,	
258	2575	,,	
259	2576	,,	रामकवि
260	2580	,,	
261	2581	,,	
262	2583	,, (पुत्र-जन्मोत्सव)	
263	2584	कवित्त-संग्रह	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 12 14; 7	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
25.5 × 16.5 16; 24	1	,,	20वीं	,,
15.5 × 12 10; 10	1	,,	,,	,,
17.5 × 13.5 8; 19	1	,,	,,	,,
13 × 6.5 14; 11	1	,,	,,	,,
14 × 14 9; 16	1	,,	20वीं	,,
17 × 10 9; 19	1	,,	,,	,,
35 × 13 25; 14	1	,,	,,	,,
20.5 × 13.5 9; 25	1	,,	,,	,,
27.5 × 13.5 19; 12	1	,,	,,	जीर्ण; लि.क. स्वयं कवि।
27.5 × 12 18; 16	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण
27 × 16.5 14; 16	1	,,	,,	कीटभक्षित।
21.5 × 21 6; 20	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; माजी साहिबा के लिए।
22 × 13.5 11; 16	1	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
264	2586	कवित्त-संग्रह (पुत्र जन्मोत्सव)	जुगलकिशोर
265	258[illegible]	,,	भोलानाथ दीवान
266	2592	,,	
267	2593	,,	जुगलकिशोर
268	2595	,,	रामलाल ब्राह्मण
269	2596	,,	
270	2603	,,	कृष्णलाल
271	2616	,,	
272	2622	,,	
273	2623	,,	
274	2628	,,	
275	2641	,,	सालिगराम, लक्ष्मीनारायण पुत्र गणेश
276	264[illegible]	,, (प्रिय वियोग के)	
277	2644	,,	रमेश

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 13 13; 20	1	अपूर्ण	20वीं	कीटभक्षित।
27.5 × 17.5 22; 20	1	,,	,,	जीर्ण; महाराजा जवाहरसिंह के पुत्र की प्रशंसा में।
17.5 × 14.5 9; 14	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
25 × 16 18; 29	1	अपूर्ण	,,	,,
27 × 18 15; 15	1	पूर्ण	,,	,,
18 × 12.5 12; 11	1	अपूर्ण	,,	,,
23.5 × 11.5 9; 41	1	,,	,,	,,
26 × 13.5 13; 15	1	पूर्ण	19वीं	
12.5 × 12.5 10; 14	1	,,	20वीं	जीर्ण
17 × 7.5 11; 9	1	,,	,,	,,
17.5 × 17.5 7; 23	1	,,	,,	,,
28.5 × 17 17; 19	1	,,	19वीं	,,
17 × 14 10; 23	1	,,	20वीं	,,
16.5 × 14.5 6; 22	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
278	2646	कवित्त-संग्रह	
279	2649	,,	
280	2650	,,	
281	2651	,,	
282	2653	,,	सूदन आदि
283	2654	,,	
284	2655	,,	दीवान भोलानाथ, लक्ष्मीनारायण
285	2656	,,	
286	2657	,,	
287	2663	,,	जुगल
288	2664	,,	
289	2667	,,	
290	2671	,, (शृंगार के)	रमेश कवि
291	2676	,,	जुगल कवि

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
37 × 16 20; 13	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
21 × 14 14; 16	1	,,	19वीं	,,
27.5 × 11.5 20; 14	1	,,	20वीं	,,
28.5 × 16.5 24; 21	1	अपूर्ण	,,	,,
27.5 × 17 15; 17	1	पूर्ण	19वीं	,,
20.5 × 16.5 9; 16	1	,,	20वीं	,,
27.5 × 13 22; 15	1	,,	,,	,,
27 × 17.5 17; 14	1	अपूर्ण	,,	,,
27 × 12.5 11; 12	1	पूर्ण	,,	,,
26.5 × 16 25; 21	1	अपूर्ण	,,	,,
27 × 8 22; 12	1	,,	,,	,,
18.5 × 15 8; 24	1	पूर्ण	,,	,,
19.5 × 17.5 13 18	1	अपूर्ण	19वीं	,,
23 × 13 10, 11	1	,,	20वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
292	2683	कवित्त-संग्रह	जुगल कवि
293	2690	,,	माथुर, जीवनदास, ज्ञानदास, जीवाराम चौबे
294	2691	,,	दीवान मुन्नालाल
295	2694	,,	
296	2695	,,	
297	2707	,,	जुगल
298	2709	,,	
299	2710	,,	जुगल
300	2711	,,	घनानन्द
301	2712	,,	नवल कवि
302	2713	,,	
303	2716	,,	
304	2718	,,	
305	2721	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
36.5 × 16 37; 15	1	अपूर्ण	20वीं	अति जीर्ण; र. स्था. भरतपुर।
18 × 18 9, 17	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. जीवाराम चौबे, गो. बालगोविन्द ।
18 × 13.5 11; 16	1	,,	,,	जीर्ण
17 × 13.5 9, 16	1	,,	20वीं	जीर्ण; पत्र के पीछे संस्कृत में एक छन्द भी है।
17.5 × 15.5 6; 24	1	,,	19वीं	जीर्ण;
28 × 9 20, 9	1	,,	1933	जीर्ण; र का. सं. 1933
23 × 4.5 22; 5	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
16 × 9 10; 13	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र बीच में से फटा हुआ है।
17.5 × 14 6; 16	1	,,	19वीं	जीर्ण;
45 × 12.5 29; 17	1	,,	1950	जीर्ण; र.का. सं, 1950
15 × 13.5 10; 20	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
29 × 13.5 21; 12	1	,,	,,	,,
28 × 16 17; 23	1	,,	19वीं	कीटभक्षित
21 × 13.5 17; 26	1	,,	20वीं	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
306	4443	कवित्त-संग्रह	
307	4447	,,	बुधराव
308	4448	,,	रमेश कवि
309	4450	,,	
310	4456	,,	जुगल
311	4458	,,	,,
312	4465	,,	घनानन्द
313	4466	,,	सोमनाथ
314	4467	,,	जुगलकिशोर
315	4478	,,	
316	4479	,,	ब्रजेश कवि
317	4482	,,	
318	4486	,,	
319	4488	,,	सोमनाथ, जुगलकिशोर

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23 × 26 12; 20	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. रामगोपाल
29 × 16 21; 23	1	,,	,,	जीर्ण
51 × 13 19; 28	1	,,	20वीं	,,
30 × 17 20; 21	1	,,	,,	,,
35 × 13 21; 12	1	,,	,,	,,
20 × 14 15; 16	1	,,	,,	,,
17 × 12 6; 19	1	,,	,,	,,
35 × 14 22; 14	1	,,	19वीं	जीर्ण;
17 × 18 7; 20	1	,,	,,	जीर्ण
18 × 13 13; 14	1	,,	20वीं	,,
27 × 17 23; 20	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण; आदि की एक पंक्ति अप्राप्त ।
17 × 13 11; 17	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
17 × 12 9; 16	1	,,	,,	,,
45 × 14 26; 18	1	अपूर्ण	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
320	4489	कवित्त-संग्रह	
321	4495	,,	ग्वाल कवि
322	4494	,,	
323	4498	,,	हरिदास, कल्यानराय
324	4499	,,	जुगलकिशोर
325	4501	,,	
326	4506	,,	
327	4508	,,	
328	4509	,,	जुगल
329	4510	,,	
330	4511	,,	
331	4512	,, तथा स्फुट प्रसंग (गद्य में)	
332	4525	कवित्त-संग्रह	
333	4526	,,	लक्ष्मीनारायण

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 18 12; 21	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; पत्र नीचे से कटा हुआ है।
48 × 17 39 19	1	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; आदि अप्राप्त
33 × 14 21, 13	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1896
36 × 14 26; 14	1	,,	,,	जीर्ण
30 × 19 12; 22	1	,,	,,	जीर्ण; र.का सं. 1929 भरतपुर नरेश जसवन्तसिंह के समय में।
16 × 17 8; 15	1	,,	,,	जीर्ण
18 × 14 9; 13	1	,,	,,	,,
35 × 14 32; 31	1	अपूर्ण	19वीं	,,
25 × 15 16; 18	1	,,	20वीं	,,
28 × 20 12; 27	1	पूर्ण	,,	,,
26 × 15 14; 17	1	,,	,,	,,
15 × .0 12; 11	8	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त।
23 × 15 11; 12	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण।
31 × 8 21; 17	1	अपूर्ण	19वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
334	4527	कवित्त-संग्रह	कृष्ण कवि
335	4530	,,	
336	4531	,,	
337	4536	,,	नारायण
038	4541	,,	
339	4545	,,	
340	4550	,,	
341	4555	,,	चतुर्भुज
342	4559	,,	
343	4560	,,	
344	4567	,,	घनानन्द
345	4570	,,	
346	4571	,,	
347	4572	,,	बिहारी

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 17 19; 18	1	पूर्ण	19वीं	अति जीर्ण; भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय।
56 × 17 37; 14	1	,,	20वीं	,,
27 × 17 16; 22	1	अपूर्ण	19वीं	
28 × 17 21; 18	1	,,	20वीं	जीर्ण महारानी अमृतकौर के बारे में।
23 × 16 15; 24	1	पूर्ण	19वीं	अति जीर्ण; पत्र के पीछे घनानन्द का कवित्त है।
32 × 9 24; 11	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
16 × 18 12; 14	1	पूर्ण	,,	
22 × 17 11; 20	1	,,	,,	
29 × 9 18; 14	1	अपूर्ण	,,	
17 × 16 13; 23	1	पूर्ण	,,	
27 × 13 28; 18	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र फटा हुआ, कीटभक्षित
45 × 14 8; 16	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय।
18 × 9 12; 11	1	,,	,,	जीर्ण
20 × 14 10; 32	1	,,	,,	

क्रम क एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
348	4590	कवित्त-संग्रह	
349	568	कवित्त संग्रह आदि	कृष्णराम, सूरदास
350	1218 (2)	,,	लाल, रूपराम
351	2392	,,	
352	2393	,,	
353	2394	,,	
354	2395	,,	
355	2512	,,	चम्पालाल
356	5	कवित्त संग्रह आदि	ब्रजेश, गिरधर
357	215	,,	श्रीपति, ब्रह्म, आलम, शेख-शिरोमनि, देव, रसखान, चिन्तामनि, मतिराम, भूषण, रामकृष्ण, कालिदास, ईश्वर, धुरन्धर, मीर, जमुला आदि
358	216	,,	वृन्द, हरिकेश, उदयनाथ, बेनीप्रवीन, रसानन्द, ठाकुर, देव, पद्माकर, सोमनाथ, सेनापति, गंग आदि।

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
68 × 14 50; 14	1	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
16 × 14 11; 20	6	,,	,,	
27.5 × 17.5 22; 15	36–55	,,	20वीं	जीर्ण; प्रारम्भ के पत्र व 41-43 अप्राप्त।
53 × 5 33; 7	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
26 × 14 15; 12	1	,,	,,	
21 × 12 15; 18	1	,,	,,	
41 × 15 18; 16	1	,,	1882	
43 × 16.5 23; 17	1	,,	20वीं	
26 × 16 18; 13	7	,,	19वीं	लि.क. जीवाराम लि. स्था. भरतपुर
25 × 15 17; 18	136	,,	,,	जीर्ण
25 × 16 17; 17	186	,,	,,	कुछ छन्द राजा रणधीरसिंह के समय दीर्घपुर में। पृथ्वीराज की जन्मकुण्डली भी है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
359	252	कवितादि संग्रह	सेनापति, सीताराम, घनानन्द, पुषी, सोमनाथ देव, भूषन, तुलसी, आलम, वीर, कान्ह
360	444	,,	पद्माकर, सेनापति, पृथ्वीराज, मलूकदास, सूदन देव, सूर, गिरधर, अमृतकौर, घनानन्द
361	1359	,,	सुजान, तोषनिधि, पद्माकर, ठाकुर, ऊधौराम, देव, आलम कविन्द, सोमनाथ, रसानन्द, घनानन्द
362	2282	,,	
363	2820	,,	सूरति, सोमनाथ
364	2703	कवित्त एवं छप्पय	मतिराम, श्रीपति, सुजान कवि
365	2455	कवित्त-दोहा	
366	2559	,,	चम्पालाल, बहादुरसिंह
367	2689	,,	
368	4484	,,	जुगलकिशोर
369	4517	,,	जुगल कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र ; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण / अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 14 11;25	24	पूर्ण	19वीं	लि.क. वीर जलाल ।
28 × 18 23;15	64-84	,,	,,	
30 × 14 16;9	3-23	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; पत्र 1-2 अप्राप्त । अन्तिम पत्र आधा ही है ।
13.5 × 12.5 10;16	37-48	,,	19वीं	
28 × 17 16;16	4	,,	20वीं	जीर्ण; बीच में कटे हुए पत्र हैं ।
36.5 × 11.5 27;14	1	,,	,,	जीर्ण
20 × 15.5 11;19	1	पूर्ण	19वीं	,,
31.5 × 17 11;10	1	अपूर्ण	20वीं	,,
17.5 × 13.5 11;13	1	पूर्ण	,,	,,
29 × 17 16;18	1	,,	,,	जीर्ण; भरतपुर नरेश जसवन्तसिंह के समय ।
23 × 13 12;15	1	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता व टीकाकार
370	4521	कवित्त-दोहा	
371	581	,,	सोमनाथ, देवीदास
372	2579	कवित्त-दोहा आदि	नवल कवि
373	2587	,,	जुगल कवि
374	2550	कवित्त एवं श्लोक	
375	63	कवित्त-शृंगार	
376	1346	,,	सेनापति
377	48	कवित-सवैया	लाल, तोषनिधि, पद्माकर
378	2481	,,	केशवदास, गंग, ग्वाल, वेनी
379	2491	,,	
380	2497	,,	
381	2553	,,	
382	2629	,,	
383	2643	,,	भवानीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26 × 17 11; 9	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
19 × 15 18; 22	3	अपूर्ण	1883	,,
33 × 14.5 25; 25	1	पूर्ण	20वीं	,,
22.5 × 14 11, 16	1	,,	,,	जीर्ण; र.का सं. 1958
11 × 13.5 20; 15	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण; इसमें संस्कृत भाषा भी है।
27 × 16 17; 13	1 (120वां)	पूर्ण	19वीं	
17.5 × 14.5 8; 17	32–34	अपूर्ण	20वीं	
27 × 16 17; 13	10–11	पूर्ण	19वीं	
31.5 × 19.5 17; 55	2	अपूर्ण	,,	
22 × 14.5 16; 36	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
35 × 14 22; 15	1	अपूर्ण	,,	कीट भक्षित
19 × 13.5 14; 15	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
21 × 14 17 23	1	,,	19वीं	,,
31.5 × 13.5 23; 17	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
384	1661	कवित्त-सवैया	जुगल कवि
385	2677	,,	रसखान
386	2645	,,	जुगल कवि
387	4481	,,	
388	4503	,,	पद्माकर
389	1217	कवित्त-सवैया आदि	मोतीराम शिवनाथ, पजनेस, कालीदास, मंडन
390	2549	,,	राम कवि
391	4534	,,	सेनापति
392	2815	कवित्त-सवैया दोहे	सूरदास, पद्माकर, ग्वाल, श्रीपति, दत्त, देव
393	513	कवित्त-सवैया-संग्रह	गंग, ब्रह्म, श्रीपति, धनेस, भीमसेन, प्रह्लाद, कृष्णभूधर, दयादेव, रघुनाथ, निहाल, पद्माकर, गुमान, कालीदास
394	60	कवित्त-सार-संग्रह	दयानिधि
395	53	कवित्त-संग्रह	रसखान, लाल, सूरत, रसिकलाल
396	56	,,	सूर, उदयनाथ, बटुनाथ

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29.5 × 13.5 17; 17	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; भरतपुर नरेश जसवन्तसिंह के समय।
25.5 × 16.5 15; 17	1	,,	,,	जीर्ण
25 × 17 10; 16	2	,,	,,	जीर्ण; महारानी बख्तावरी की सावनी तीज का वर्णन है।
21 × 17 13; 19	1	,,	,,	जीर्ण
25 × 17 16; 19	1	अपूर्ण	,,	,,
27 × 17.5 17; 14	25–32	,,	,,	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
32.5 × 16 23; 19	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. स्वयं कवि।
17 × 14 20; 24	3	,,	,,	जीर्ण; दो मापों के पत्र हैं।
61.5 × 18 51 × 15 24; 23	10	अपूर्ण	,,	जीर्ण
26 × 16 18; 14	24	,,	19वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त
27 × 16 17; 13	49–92	पूर्ण	,,	
27 × 16 17; 13	24 28	,,	,,	
27 × 16 17; 13	36–38	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
397	231	कवित्त-संग्रह	ठाकुर, घनानन्द, श्रीपति, नारायण, आलम, सोमनाथ, तोष, देव, शम्भू, भगौतीदास, सेनापति, रूप, केशव, पद्माकर, रसानन्द
398	255 (3)	,,	सूरत, देवीदास, सोमनाथ, कालिदास, सूदन, सेनापति, आनन्दघन
399	258	,,	नागरीदास, घनानन्द, चतुर्भुज, बिहारी, रमेश, निहाल, केशव, केहरि, मतिराम, हरिवंश
400	298	,,	बलिभद्र, आलम, पद्माकर, बुधराम केशव, देव, ग्वाल, बिहारी
401	313	,,	उदयनाथ, कालिदास, जगदीश, मतिराम, शिरोमणि
402	560	,,	देवीदास, प्रताप, घनानन्द, सुन्दरलाल, कालिदास, बुद्धाराम, तुलसी
403	2429	काव्य	नवलकिशोर
404	2430	,,	
405	67	कुण्डलियाँ	गिरधर
406	350	,,	,,

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र सख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 13 7; 12	148	अपूर्ण	19वीं	आदि अप्राप्त
24 × 14 10; 25	57–64	पूर्ण	,,	
21 × 14 12; 22	3-32	,,	,,	आदि व 9-10 पत्र अप्राप्त, कुछ छन्द नायिका भेद के भी हैं।
27 × 17 22; 20	9–20	,,	20वीं	जीर्ण;
24 × 15 14; 13	8–9	,,	19वीं	,,
14 × 12 9; 14	17–36	,,	1891	लि.क. मिश्र प्राणसुख, लि.स्था. बाबरी। पत्र सं. 37 पर मायाराम कृत एक कवित्त है।
25.5 × 13 13; 14	1	,,	19वीं	जीर्ण
31 × 16 18; 16	1	,,	,,	,,
27 × 15 15; 14	2	,,	,,	
22 × 15 20; 22	19–23	,,	1835	जीर्ण; लि.का. गुटके के आधार पर है।

क्रमाक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
407	49	कृष्ण जन्मोत्सव के कवित्त	आलम
408	2590	गजल-संग्रह	
409	7	गुविन्द कवित्त आदि	गुविन्द शिष्य गोवर्धन-देवस्वामी
410	196	चरनाई की पाती	
411	2582	छप्पय	जुगलकिशोर
412	2548	छप्पय आदि	
413	134	छप्पय व कवित्त	रतन, आनन्दघन
414	301	छप्पय, कुण्डलियां, कवित्त, मंत्र, पहेलिका आदि	गिरधर, केशवदास, कालीदास, पद्माकर, राम
415	2613	छप्पय-सवैया	मैडूलाल
416	55	छप्पय-संग्रह	पद्माकर, सोमनाथ आदि
417	54	छवि वर्णन	ब्रह्म, सुजान, देव, रसरासि, पद्माकर
418	42	जमुना-महिमा	रघुनाथ
419	2648	जन्मोत्सव-बधाई	दीवान मुन्नीलाल
420	4610	दोहा	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27 × 16 17; 13	11–13	पूर्ण	19वीं	
57 × 17.5 29; 17	4	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
26 × 16 17; 17	9	पूर्ण	19वीं	लि.क. जीवाराम स्था. भरतपुर
16 × 13 11; 20	10	,,	,,	जीर्ण
71.5 × 14.5 64 15	1	,,	20वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1900
14 × 8.5 7; 20	1	,,	,,	जीर्ण
19 × 15 11; 22	1	,	,,	
27 × 17 22; 20	96–103	,,	20वीं	जीर्ण
27 × 11 8; 15	1	अपूर्ण	,,	,,
27 × 16 17; 13	32–36	पूर्ण	19वीं	
27 × 16 17; 13	28–32	,,	,,	
27 × 16 17; 13	6–7	,,	,,	
21.5 × 15.5 14; 18	1	,,	20वीं	जीर्ण
32 × 19 16; 23	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
421	4669	दोहा	
422	2662	दोहा ग्रादि	जुगल कवि
423	2627	दोहा-कवित्त	
424	2457	दोहा-कवित्त ग्रादि	कृष्ण कवि
425	2632	दोहा व कुण्डलि ·ाँ	तुलसी, गिरधर
426	44	नेत्र-वर्णन (फुटकर छन्द)	श्रीपति, तोषनिधि
427	2451	पत्र व कवित्त	
428	8	पद दामोदरजी का	दामोदर
429	2225	पनरेंतीथिन को विनती	
430	1357	पद एवं कवित्त	लालनाथ, कविन्द उदैनाथ, ऊधौराम, जगदीश, कालिदास, दूलह, देव, रुस्तम, सुन्दर
431	4483	,,	नवलकिशोर
432	4575 (2)	पातर बांधना	कविदास
433	130	प्रेम-पच्चीसा	सोमनाथ

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 14 12; 11	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
23.5 × 14 16; 20	1	,,	,,	,,
17 × 13 12, 13	1	,,	,,	,,
28 × 17.5 18 18	1	अपूर्ण	19वीं	,,
17.5 × 16.5 9; 17	1	पूर्ण	20वीं	,,
27 × 16 17; 13	7–8	,,	19वीं	राजा सूरजमल के समय के छन्द हैं।
35 × 14.5 40; 11	1	,,	1877	जीर्ण
26 × 16 22; 24	1	,,	19वीं	लि.क. जीवाराम लि. स्था. भरतपुर
14.5 × 10 9; 17	2–5	अपूर्ण	,,	र.का. सं. 1832 स्था. बावरा गांव । पत्र सं. 1 व अंत अप्राप्त ।
32 × 19 15; 15	1–25 33–39	,,	20वीं	जीर्ण; पत्र सं. 26-32 व अंत अप्राप्त ।
37 × 14 26; 18	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; माजी गिरिराजकौर के लिए निर्मित ।
15 × 10 11; 21	34–36	,,	19वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1700
19 × 15 13; 23	3	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
434	296	फुटकर कवित्त सवैया	गुविन्द, पद्माकर, ठाकुर, अमरेश
435	44	फुटकर छन्द	पद्माकर
436	195	,,	
437	236 (1)	,,	ब्रजेश, आदि
438	400	फुटकर संग्रह-कवित्त	परसराम, गंग, परीछत, बालचन्द्र, आलम, ब्रह्म
439	617	फुटकर कवित्त-संग्रह	श्रीपति, भूदर, देवीदास, सूदन
440	179	बनिक-विलास	
441	27	बसन्त कवित्त	सेनापति
442	4532 (2)	बारसा रीति के कवित्त	कालिदास, सोमनाथ
443	124	बारहमासा (विरह वर्णन)	
444	1218 (1)	,,	खैराशाह
445	82	बारामासी बेनिमाधौ की	सूरदास
446	148	बारामासी सवैया	उदय कवि
447	50	बांसुरी के कवित्त	सहजराम, रघुनाथ, नरोत्तम, रसखांन

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27 × 17 22; 18	6-9	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
27 × 16 17; 13	1	,,	19वीं	
19 × 11 11; 24	54 83	,,	,,	
24 × 17 17; 17	1-19	,,	,,	
18 × 16 13; 23	83-93	,,	गु. 1733	
28 × 26 14; 18	189-192	,,	188	जीर्ण लि.क. धन राम
16 × 11 10; 14	20-24	,,	19वीं	जीर्ण
17 × 14 10; 14	17-18	,,	•	
23 × 17 16; 19	4	,,	,,	,,
19 × 15 11; 19	6	अपूर्ण	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
27.5 × 17.5 16; 12	17-24	,,	20वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त।
17 × 13 19; 22	90-92	पूर्ण	गु. 1918	
19 × 15 10; 20	10-13	,,	19वीं	र. स्था. भरतपुर
27 × 16 17; 13	13-16	,,		

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
448	51	बांसुरी के कवित्त एवं नन्दलाल जू के ध्यान	संतदास, प्रेमदास, रसनायक
449	45	भक्त-पच्छ-सवैया	
450	39	रणजीतसिंह महीप आतंक	पद्माकर
451	47	„ (तथा घोड़ों का वर्णन)	„
452	86	रस-कवित्त	जुलकरन
453	57	राजा बलवन्तसिंह की प्रसंशा	रामलाल
454	80	वियोग-बेलि	आनन्दघन
455	26	वीर-कवित्त	रणजीतसिंह, मदन, भागमल, जसराम, पुर्खी
456	4441	व्रजेन्द्र जू की वर्ष गांठ के छन्द	
457	43	सवैया	रसखान
458	2660	„	
459	4485	„	रोशनलाल
460	4493	„	घनानन्द
461	2665	सवैया-कवित्त	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27 × 16 17; 13	17–22	पूर्ण	19वीं	
27 × 16 17; 13	8–9	,,	,,	
27 × 16 17; 13	5वां	,,	,,	
27 × 16 17; 13	9–10	,,	,,	लि.स्था. भरतपुर
17 × 16 15; 17	4	,,	,,	जीर्ण
27 × 16 17; 13	1	,,	,,	
21 × 16 11; 12	8	,,	1915	,,
17 × 14 11; 12	7–17	,,	19वीं	
23 × 15 13; 16	1	,,	20वीं	,,
27 × 16 17; 13	1	,,	19वीं	,,
15 × 12 7; 14	1	,,	20वीं	,,
17 × 22 7; 16	1	अपूर्ण	,,	,,
47 × 16 31; 16	1	पूर्ण	,,	,,
31.5 × 12 32; 17	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
462	2578	सवैया-दोहा आदि	
463	2363	स्फुट-कवित्तादि	पृथ्वीधर मिश्र वैद्य
464	2364	,,	
465	2396	,,	
466	2488	,,	ठाकुर, कविन्द, ब्रह्म, आलम, ग्वाल आदि
467	28	,,	रसखान, चन्द्र, घनानन्द, सेनापति, बालकृष्ण, ऊधौराम
468	2424	,,	
469	2431	,,	
470	2438	,,	
471	2543	,,	
472	11	,,	केशोदास, तोषनिधि
473	1219 (5)	,,	गंग, जुगल, सोमनाथ, पद्माकर आदि
474	2717	,,	
475	1219 (1)	स्फुट-कवित्त-सवैयादि	जुगल, सूरदास आदि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
21.5 × 12.5 11; 13	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
28 × 18 8; 20	1	,,	1892	जीर्ण; लि.क. स्वयं कवि।
18 × 12 6; 18	1	,,	19वीं	जीर्ण
48 × 16 35; 22	1	,,	1984	,,
14.5 × 12 8; 24	4–38	अपूर्ण	19वीं	कीट भक्षित; पत्र सं. 1-3, 35, 37 व अन्त अप्राप्त
17 × 14 16; 15	1–16	पूर्ण	,,	
18 × 11.5 16; 16	1	,,	1897	जीर्ण
20.5 × 12.5 15; 15	1	,,	20वीं	
17 × 17 8; 15	1	अपूर्ण	,,	
21 × 13 16; 15	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; अन्त में एक जन्मपत्री भी बनी हुई है।
26 × 16 17; 17	41–42	,,	19वीं	
22.5 × 15.5 9; 24	36	अपूर्ण	1954 व 1960	जीर्ण
14.5 × 14 6; 21	1	पूर्ण	20वीं	,,
22.5 × 15.5 22; 19	8	अपूर्ण	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
476	236 (3)	स्फुट-कवित्त सवैयादि	गंग, भूषण, राम, रसानन्द
477	2261	,,	भूषण, कविन्द
478	2309	,,	
479	2527	,,	नरहर
480	197	स्फुट-संग्रह	तुलसी आदि
481	1219 (3)	स्फुट रस-कवित	कविन्द, ठाकुर, कालिदास, राम, श्रीपति, सोमनाथ, देव, रघुनाथ, भूधर, पजनेस, मतिराम, बेनी, उदयनाथ, हनुमान, पद्माकर
482	40	स्फुट-छंद (हरिदेवजी महाराज के मन्दिर की शोभा के)	ठाकुर
483	4480	दोहा नीति के	
6: नीतिशास्त्र 484	284	नीति कथा वार्त्ता (ग्यारहवीं बात तक)	गिरधर
485	294	नीति के छप्पय	
436	1953	नीति के दोहे	तुलसीदास
437	349	राजनीति-कवित्त	देवीदास
488	21	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 17 17; 17	38–48	पूर्ण	19वीं	
31.5 × 19 18; 49	3	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
28 × 16.5 14; 25	1	,,	19वीं	जीर्ण
30 × 32 28; 32	1	पूर्ण	20वीं	,,
16 × 13 3 20	10–51	,,	,,	जीर्ण; छन्दों के नीचे गिनती व पहाड़े भी लिखे हैं।
22.5 × 15.5 20; 20	11	,,	,,	जीर्ण
27 × 16 17; 13	5–6	,,	19वीं	र. स्था. भरतपुर
28 × 11 25; 12	1	,,	20वीं	जीर्ण
24 × 15 21; 15	4–75	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-3 अप्राप्त, 56वां पत्र फटा हुआ है।
27 × 17 21; 24	4	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
16 × 13 12; 7	28–36	अपूर्ण	19वीं	पत्र सं. 1-27 व अन्त अप्राप्त
22 × 15 20; 22	18	पूर्ण	1835	जीर्ण
17 × 14 14; 21	21	,,	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
489	33.	राजनीति-कवित्त	देवीदास
490	2594 (2)	वहोत्तरी सीख	माधौदास शिष्य जगन्नाथ
491	81	सभा विलास	
492	128	,,	लल्लूलाल ब्राह्मण गुजराती
493	307	,,	जीवन (जीवाराम)
494	2253	सामान्य नीति	
495	76	हितोपदेश भाषा	मू. विष्णु शर्मा भा. यति निहालचन्द्र
496	226	,, (विग्रह एवं संधि कथा)	देविया खवास
497	314	,,	कोविद मिश्र
498	401	,,	भा. नारायण
499	348	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12 11;19	16	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण; र.का. सं 1700 आगरा। र.का. का छन्द अपूर्ण है।
16×10 12;15	19	,,	19वीं	अति जीर्ण
17×13 9;18	89	पूर्ण	1918	
19×15 14;28	32	,,	19वीं	र.का. सं 1870 आगरा।
17×15 10;11	43	,,	1896	रचना महाराजा बलवन्तसिंह भरतपुर के समय की गई है। लि.क. स्वयं कवि है।
21.5×14 19;19	4	,,	19वीं	
16×14 22;20	66	,,	1894	जीर्ण; लि.क. स्वयं भाषाकार, इसमें संस्कृत भाषा का प्रयोग भी है।
27×20 16;14	102	,,	1911	र.का. सं. 1911 भरतपुर नरेश जसवन्तसिंह के समय।
27×17 20;15	84	,,	1902	र.का. सं. 1650 बुन्देलखण्ड राजा पृथ्वीराज की आज्ञा से निर्मित। लि.क. जीवाराम, लि.स्था. भरतपुर
18×16 13;21	94-193	,,	1723	अन्तिम दो पत्रों में फुटकर विवरण और है।
22×15 20;22	13-116	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; आदि अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भक्ति-साहित्य 500	585 (5)	अरिल्ल	प्रेमा (प्रेमदास)
501	4077 (15)	अरिल्लाष्टक	नागरीदास
502	4077 (33)	अष्टछाप के पद	परमानन्द, चतुर्भुजदास, नन्ददास
503	91	अष्टयाम (राधा-कृष्ण का)	देव कवि
504	236 (2)	"	"
505	375	"	"
506	385	"	"
507	1218 (3)	"	"
508	4632 (2)	अष्टयाम विधि	कृष्णदास
509	436	अष्टांग जोग	चरणदास शिष्य शुकदेव
510	451	अहिरावण लीला	उदयराम
511	4077 (13)	इश्क चमन	नागरीदास
512	406 (1)	उत्थापन के मंगलाष्टक (सीता-राम की शृंगार-लीला)	चित्रनिधि
513	406 (5)	उत्थापन पच्चीसी	घनश्याम

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 × 11 10;26	139–148	अपूर्ण	1742	जीर्ण; लि क. गोकुल निरंजनी
17 × 13 12;15	54–55	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
17 × 13 12;16	185–188	पूर्ण	,,	,, ,,
17 × 16 17;16	30-46	,,	1867	जीर्ण; अन्त में एक छन्द 'चन्द्रावली चरित्र" का भी है।
24 × 17 17;17	19–38	,,	19वीं	
14 × 10 6;18	53	,,	,,	
20 × 14 15;14	1 21	,,	1790	जीर्ण; लि.क. सोमनाथ पुत्र नीलकण्ठ मिश्र।
27.5 × 17.5 24;16	40–44	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
34 × 20 18;18	39–123	,,	,,	,,
16 × 12 8,18	2-77	,,	गु. 1874	जीर्ण; पत्र सं. 1 अप्राप्त
17 × 14 7;15	47–68	पूर्ण	19वीं	लि क. सर्वसुख विप्र राजा बलवन्तसिंह के समय।
17 × 13 12;15	39–43	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि.स्था भरतपुर
24 × 16 16;18	1–5	पूर्ण	1897	लि.क. गिरधारीदास
24 × 16 14;13	35–44	,	,,	र.का सं. 1897; लि.स्था. भरतपुर लि.क. गिरधारीदास

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
514	160	उद्धवदास ज्ञान विचार कवित्त	मुरलीदास
515	31	उद्धव-पच्चासी	रसरासि
516	525	कड़खा	भगवानदास, पीपाजी, तुलसीदास
517	1179 (15)	कबीर की परिचई	अनन्तदास
518	170	कबीर-संग्रह	कबीरदास
519	23	करुणा-बत्तीसी	माधवदास
520	255 (2)	,,	,,
521	616	,,	,,
522	157	कविता (साक्षात दर्शन भगवान के)	सोमनाथ
523	72	कवितावली	तुलसीदास
524	404	,,	,,
525	15	कवित्त (घनाक्षरी)	
526	25	कवित्त	ठाकुर आदि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 15 11; 20	12–16	पूर्ण	19वीं	
20 × 14 14; 15	9	,,	1925	जीर्ण; कूर्मवंशी राजा प्रतापसिंह के यहां निर्मित। लि क गिरवर मिश्र लि. स्था. भरतपुर
15 × 17 6; 20	106–110	,,	1795	जीर्ण
19 × 11 13; 23	18	,,	18वीं	,,
16 × 13 9; 16	16–57	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं 1-15 व अन्त अप्राप्त
17 × 14 17; 13	115–126	पूर्ण	,,	
24 × 14 10; 25	49–57	,,	,,	
28 × 26 14; 18	183-189	,,	1880	जीर्ण; लि.क. धनीराम
19 × 15 13; 30	2	,,	19वीं	
29 × 15 9; 27	90	,,	1888	जीर्ण; लि.क. नरोत्तमदास मिश्र लि स्था. भरतपुर
18 × 14 15; 15	60	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
26 × 16 15; 13	1–10	पूर्ण	,,	
17 × 14 11; 13	4–7	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
527	59	कवित्त (हनुमानजी के)	सोमनाथ
528	140	,,	
529	138	,,	सूरति
530	137	,,	उदय
531	150	,,	मुकुन्द, कृष्ण
532	176	,,	
533	352	,,	रसखान
534	1358	,,	सरस माधुरी
535	2285	,,	
536	2286	,,	
537	2472	,,	उदयराम
538	2495	,,	नागरीदास
539	2570	,, (जन्मोत्सव)	
540	2572	,, वर्षगांठोत्सव हलधर की)	बलवन्त आदि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27 × 16 17; 13	1 (48वां)	पूर्ण	19वीं	
19 × 15 11; 20	1	,,	,,	जीर्ण
19 × 17 12 25	1 (51वां)	,,	,,	
19 × 15 10, 12	50–51	,,	,,	
19 × 15 11, 20	15–19	,	,,	
16 × 11 7; 13	2	अपूर्ण	,,	जीर्ण
24 × 15 20; 22	29	पूर्ण	1877	,,
28.5 × 17 14; 12	10	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त ।
28.5 × 12 23; 11	1	पूर्ण	19वीं	
48 × 13.5 34; 16	1	अपूर्ण	,,	अति जीर्ण
14 × 6.5 26; 18	1	,,	,,	जीर्ण
56.5 × 17.5 40; 19	1	पूर्ण	,,	,,
17 × 12.5 9; 27	1	,	20वीं	,,
18.5 × 17 13; 20	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
541	2588	कवित्त	
542	2610	,,	
543	2615	,,	
544	2620	,,	
545	2626	,, (होरी)	
546	2630	,,	
547	2634	,, (हनुमानजी की प्रशंसा में)	
548	2637	,,	
549	2638	,,	चतुर सखि
550	2647	,,	
551	2659	कवित्त (कृष्ण जन्मोत्सव के)	
552	2666	,, (विरह वर्णन के)	चन्द्र प्रभु
553	2669	,, (गंगाजी की महिमा का)	
554	2670	,,	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5 × 16 8; 15	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
21.5 × 13.5 11, 14	1	अपूर्ण	,,	,,
28.5 × 17.5 19; 17	1	,,	,,	,,
17.5 × 13.5 10; 18	1	,,	,,	,,
17.5 × 14 7; 18	1	पूर्ण	,,	,,
25.5 × 11.5 15; 7	1	,,	,,	,,
16 × 10.5 9; 15	1	,,	,,	,,
17.5 × 14 10; 16	1	,,	,,	,,
52 × 17 26; 10	1	,,	,,	,,
28.5 × 17 17; 14	1	,,	,,	,,
24 × 11 18; 10	1	,,	1901	जीर्ण; लि.क. जुगल कवि
17.5 × 13.5 9; 12	1	,,	20वीं	जीर्ण
19 × 12.5 14; 16	1	,,	,,	,,
28.5 × 15 26; 23	1	अपूर्ण	19वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम		कर्त्ता एवं टीकाकार
555	2682	कवित्त		रसखान
556	2684	,,		
557	2692	,,	(व्यंकटेश प्रभु की महिमा)	
558	2693	,,		श्रीपति
559	2708	,,		केशोदास,
560	2715	,,	(राधाजी का वर्णन)	लाल
561	2720	,,	(राज समाज वर्णन)	सूर, सेढू
562	4077 (18)	,,	(ठाकुरजी के जन्मोत्सव के)	
563	4077 (19)	,,	(ठकुरानीजी के जन्मोत्सव के)	
564	4393	,,	(गंगा-जमुना वर्णन)	आलम, सेख
565	4416	,,		
566	4417	,,		सूरदास, वृन्दावन, लछीराम
567	4442	,,		
568	4444	,,		सिरोमनि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
102 × 10 74; 7	1	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
28 × 15 10; 15	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
28 5 × 12 18; 15	1	अपूर्ण	1885 86	जीर्ण; र.का. सं. 1885-86
56 × 17.5 35; 18	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
28.5 × 17.5 18; 24	1	अपूर्ण	,,	,,
50 × 14 23; 12	1	,,	19वीं	कीट भक्षित
28.5 × 16.5 19; 18	1	,,	20वीं	जीर्ण
17 × 13 12; 15	58-59	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
17 × 13 12; 15	59-60	,,	,,	,,
21 × 15 16; 18	57-66	,,	,,	जीर्ण
36 × 22 36; 14	1	,,	20वीं	,,
55 × 17 55; 16	1	,,	,,	,,
22 × 17 14; 20	1	पूर्ण	,,	,,
35 × 14 27; 14	1	,,	19वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
569	4445	कवित्त	
570	4446	,,	
571	4449	,,	
572	4451	,,	
573	4453	,,	चतुर सखि
574	4454	,,	
575	4455	,,	
576	4460	,,	घासीराम
577	4461	,,	ठाकुर
578	4462	,,	चतुर सखि
579	4463	,	
580	4464	,,	सूरदास
581	4468	,,	
582	4470	,,	नारायण

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
13 × 10 7;21	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
56 × 17 29;13	1	,,	,,	,,
16 × 12 10;14	1	,,	,,	,,
27 × 17 16;16	1	,,	,,	,,
28 × 17 8;12	1	,,	,,	,,
28 × 17 7;11	1	,,	19वीं	,,
19 × 14 8;16	1	,,	20वीं	,,
17 × 9 40;17	1	,,	,,	,,
20 × 17 36;26	1	अपूर्ण	19वीं	,,
36 × 17 23;12	1	पूर्ण	20वीं	,,
17 × 17 8;13	1	,,	,,	,,
27 × 11 27;21	1	अपूर्ण	,,	,,
31 × 16 19;19	1	पूर्ण	,,	पत्र के पीछे वंशावली भी है।
23 × 10 10;11	1	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
583	4471	कवित्त	नारायग
584	4473	"	
585	4490	" (मानसी गंगा-वर्णन)	
586	4496	"	सूरदास
587	4500	"	दत्त कवि
588	4502	"	
589	4504	"	
590	4505	"	श्रीनारायण
591	4507	"	
592	4513	"	
593	4514	"	रसरासि
594	4515	"	
595	4519	"	बख्तावर
596	4520	"	तुलसी

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×10 8;19	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
17×14 8;18	1	,,	20वीं	,,
50×14 37;20	1	अपूर्ण	1892	,,
55×17 33;22	1	,,	19वीं	जीर्ण; अन्तिम छन्द में कवि का नाम 'सोनादास' लिखा हुआ है।
20×14 10;12	1	पूर्ण	20वीं	
28×17 16;16	1	,,	,,	
19×17 15;20	1	,,	20वीं	जीर्ण; भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय में।
25×13 21;23	1	,,	,,	जीर्ण
26×17 18;20	1	अपूर्ण	,,	,,
26×17 21;22	4	पूर्ण	,,	,,
34×13 20;17	1	,,	,,	,,
50×16 38;19	2	,,	,,	,,
28×10 24;10	1	अपूर्ण	,,	,,
56×17 19;17	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
597	4522	कवित्त	
598	4523	,,	
599	4524	,,	कृष्णाराम
600	4528	,,	घनानन्द
601	4535	,,	नारायण
602	4538	,,	
603	4544	,,	
604	4548	,,	बलवन्त (महाराजा)
605	4551	,,	नारायण
906	2953	,,	,,
607	4554	,,	
608	4556	,,	चतुर
609	4561	,,	नन्ददास
610	4562	,,	जगन्नाथ

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 17 19; 18	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
28 × 17 14; 18	1	,,	19वीं	जीर्ण
28 × 18 14; 14	1	,,	20वीं	,,
47 × 14 43; 25	1	अपूर्ण	,,	,,
37 × 17 24; 17	1	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र बीच में फटा हुआ है।
25 × 15 17; 16	1	,,	,,	जीर्ण
33 × 13 35; 16	1	पूर्ण	20वीं	,,
25 × 20 16; 23	1	,,	19वीं	,,
24 × 11 14; 23	1	अपूर्ण	20वीं	,,
64 × 16 44; 12	1	,,	,,	,,
24 × 13 23; 15	1	,,	,,	,,
25 × 17 10; 15	1	पूर्ण	,,	,,
28 × 10 24; 15	1	,,	,,	,,
31 × 16 15; 16	1	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ऐ11	4563	कवित्त	घनानन्द, मतिराम, रहीम आदि
612	4566	,,	सूरदास, नन्ददास
613	4569	,,	नारायण
614	4591	,,	तुलसी
615	4645	,,	कृष्णदास
616	24	कवित्तादि	चतुर, मोतीराम
617	156	,,	कालीदास, लाल, गंग
618	2501	,,	विष्णुदास आदि
619	4518	,,	
620	4542	,,	नागरीदास, सूरदास कृष्णदास
621	4565	,,	सूरदास, कबीर, नन्ददास, जगन्नाथ
622	155	कवित्तादि-संग्रह	सूरदास, प्रवीन, भगवान, जसराम, भागमल, पद्माकर, सुन्दर आदि

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
65 × 12 36; 14	2	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
33 × 20 30; 16	1	पूर्ण	,,	,,
16 × 12 13; 15	1	,,	1882	जीर्ण; पत्र के पीछे एक वैद्यक का नुस्खा भी है।
33 × 12 19; 16	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
43 × 15 33; 18	1	,,	,,	,,
17 × 14 11; 14	1–3	पूर्ण	19वीं	,,
19 × 15 11; 20	5	,,	,,	
20 × 13 17; 16	1	,,	20वीं	जीर्ण
49 × 16 33; 21	1	,,	,,	जीर्ण; लि.क. राम तार, गुरूदयाल
28 × 11 24; 14	1	,,	,,	जीर्ण; पंचपाठ
33 × 13 35; 19	3	अपूर्ण	,,	जीर्ण
19 × 15 10; 20	18	,,	19वीं	जीर्ण; प्रारम्भ अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
623	345	कवित्त-फुटकर	काशीराम, राजाराम, भूपति नेह, किशोरीदास, तुलसी घनानन्द, दयाराम, बालकृष्ण, देवीदास, मोहनदास रसखान, सोभनाथ, गंग, सेनापति, आलम, केसोदास, कालिदास, भूषण
624	2625	कवित्त-दोहा	लाला कुन्दनलाल
625	2668	,,	
626	333	कवित्त-दोहा आदि	सूरदास, कबीर, चन्द्रसखी, कुंभनदास
627	489	कवित्त दोहा-संग्रह	उदै (उदयराम)
628	4568	कवित्त-पद	नारायण
629	2432	कवित्त-सवैया	
630	119	कवित्त-संग्रह	रामलाल, केशवदास, पद्माकर
631	120	,,	ब्रजेश
632	131	,,	कालिदास, देव, लाल, सोमनाथ, सोभ बीरबल
633	214	,,	पद्माकर, भूधर, रघुनाथ, भोलाराम आदि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
21 × 16 18; 15	3–46	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र 1-2 अप्राप्त।
44.5 × 29.5 29; 31	1	,,	,,	जीर्ण
17 × 15.5 11; 17	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; राजा बलवन्तसिंह की प्रशंसा में एक कवित्त पत्र के पीछे लिखा है।
24 × 16 17; 14	18–24	,,	19वीं	
13 × 13 8; 11	2–24	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
29 × 14 18; 17	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
32.5 × 14 18; 11	1	,,	,,	
29 × 16 17; 16	17–24	अपूर्ण	,,	जीर्ण, भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय रचित। आद्यन्त अप्राप्त
29 × 16 17; 16	16	पूर्ण	,,	
19 × 15 13; 23	3–6	,,	9वीं	
16 × 12 9; 19	8	,,	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
634	232	कवित्त-संग्रह	सुजान, घनानन्द, मतिराम, खुमान प्रह्लाद, कालिदास, गुविन्द, नारायण, देव, शशिनाथ, केशोराम, रसखान सिरोमनि, लाल, ग्वाल, नायक, चतुर, बदन, सुजान, उदयराम, सेनापति
635	255 (1)	,,	नागरीदास मंडन, तुलसी
636	330	,,	नाभ दास, कबीर, माधौदास, तुलसीदास रामराय, कृष्णराम, किसोरीदास, प्रेमसखी, रामदास
637	4564	,,	कुम्भनदास, सूरदास
638	2505	कवित्त-स्फुट	राव रघुनाथ
639	322	कालीनाग छन्द	चूड़ामनि
640	4250	काली लीला (काली नाग मर्दन लीला)	
641	4632 (1)	काव्य (भक्ति)	कृष्णदास
642	217	कृपा-कन्द-निबन्ध भाषा	घनानन्द
643	202	कृष्ण-अट्ठाईस नाम	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 12 7 ; 15	70–237	अपूर्ण	19वीं	पत्र सं 1-69 व अन्त अप्राप्त
21 × 14 12 ; 22	38–48	पूर्ण	,,	
24 × 16 17 ; 14	82–96	,,	,,	
33 × 13 33 ; 17	4	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
18.5 × 8.5 6 ; 18	1	,,	,,	,,
24 × 16 17 ; 14	52-55	पूर्ण	19वीं	
18 × 11 6 ; 16	6	,,	,,	जीर्ण
34 × 20 19 ; 19	3-37	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-2 अप्राप्त
26 × 11 11 ; 41	8	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
16 × 13 11 ; 22	83-84	,,	1910	जीर्ण; लि.क. परसराम, लि.स्था. ब्रह्मवाद, घसौला

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
644	415	कृष्ण-परीक्षा	उदै (उदयराम)
645	4688 (2)	कृष्ण-महिमा	नन्ददास
646	4742	कृष्ण-लीला	
647	111	कृष्ण-सगाई	तारपांन
648	267	गर्भ-चिन्तामणि	रामचरण
649	4619	गिरवर-सम	
650	1216	गीत-प्रभाती	तुलसी
651	4688 (1)	गुरू-चरित्र	जगन्नाथ-शिष्य तुलसीदास
652	219	गुरुदेव स्तुति-साखी (सुमरण कौ अंग, विनती कौ अंग, विसवास कौ अंग)	ब्रह्मदास शिष्य रामचरण स्वामी
653	491	गुरू-महिमा	रामचरण
654	4077 (5)	गोदोहन नन्द-अष्टक	नागरीदास
655	4077 (4)	गोधन-आगमन	"

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 14 11; 17	19–33	पूर्ण	1913	लि.क. मिश्र हरनारायण लि. स्था. ककड़ानगर
15 × 10 6, 13	69–73	,,	19वीं	जीर्ण
19 × 15 12; 24	2	,,	,,	,,
17 × 12 11; 18	14–19	,,	गु. 1850	,,
14 × 11 6; 10	2–42	अपूर्ण	1888	पत्र सं. 1, 7-10 22-25, 37-40 अप्राप्त। लि.क. लक्ष्मण ब्राह्मण, लि.स्था. भरतपुर, महाराजा बलवन्तसिंह राज्ये।
25 × 15 14; 43	1	,,	19वीं	जीर्ण अन्त अप्राप्त
30 × 18 12; 30	7	,,	,,	कीटभक्षित; अन्त अप्राप्त
15 × 10 6; 13	60–69	पूर्ण	,,	जीर्ण; र.का. सं. 1760 माघ शुक्ला 8 मंगलवार
14 × 19 8; 25	3–30	अपूर्ण	,,	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त।
16 × 11 5; 12	11	पूर्ण	,,	
17 × 13 12; 15	18–19	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
17 × 13 12; 15	17–18	,,	,,	,, ,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
656	4477 (23)	गोवर्द्धन धारण के कवित्त	
657	199	गोपी-कृष्ण नेह	संतदास
658	19 (4)	गोपी-बारखड़ी	,,
659	253	गोपी-बैन विलास	
660	4077 (10)	,,	नागरीदास
661	186	गौरा-पार्वती-सिंगार	कुसलेश
662	19 (2)	गंगाजी की बारखड़ी	दास पुत्र मायाराम
663	127	गंगा-बारखड़ी	श्रियालाल पुत्र मयाराम
664	478	,,	दास पुत्र मयाराम
665	342	गंगा-भक्ति तरंगिनी	रामप्रसाद
666	117	गंगा-लहरी-भाषा	मू. जगन्नाथ भा. बलदेव वैश्य खण्डेलबाल
667	554	,,	भा. लक्ष्मीनारायण पुत्र गणेश कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 13 12; 15	64–65	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
16 × 13 11; 22	57-62	पूर्ण	,,	जीर्ण
16 × 10.5 5; 13	32–44	,,	,,	लि. क. जीवाराम चौबे लि. स्था. तालबन
21 × 14 12; 22	25–28	,,	,,	
17 × 13 12; 15	29–34	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
19 × 11 11; 22	16–18	पूर्ण	,,	जीर्ण
16 × 10.5 5; 13	14–24	,,	,,	लि क. जीवाराम चौबे लि. स्था. तालवन
19 × 15 11; 20	4	,,	,,	
23 × 16 19; 15	9–10	,,	,,	
23 × 15 11; 16	22	,,	1935	र.का सं. 1935 लि. स्था. अलवर
28 × 17 19; 12	26	,,	20वीं	र का. स. 1893 लि. स्था. भरतपुर
17.5 × 13.5 7; 15	30	,,	19वीं	भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के लिए भाषा की गई। लि.क. नरसिंहदास शिष्य लक्ष्मीनारायण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
668	19 (1)	ज्ञान-बाराखरी	सुदामा
669	493	,,	
670	511	ध्यानलीला	ध्रुवदास
671	4077 (8)	ग्रीष्म-विलास (राधा-कृष्ण का)	नागरीदास
672	185	ग्वालिनी का झगड़ा	
673	2007	चतुरासी-निकुंज-विलास	गो. हित हरिवंश हितवनदास टी. प्रेमदास
674	555 (2)	चिन्तामन-माला	नन्ददास
675	194	चोर-हरण-लीला	उदयराम (उदै)
676	2318	,,	,,
677	1231	चैतन्य-भागवत-भाषा (पद्य)	वृन्दावनदास
678	1233	,, (शेष खण्ड)	,, टी. नारायण मुनि
679	1234	चैतन्य-भागवत भाषा (पद्य) (आदि खण्ड)	,, ,,
680	2496	चैतन्य-भागवत काव्य	,,
681	2699	चैतन्य भागवत (शेष-खण्ड की कथा)	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16 × 10.5 5; 13	1–13	पूर्ण	19वीं	लि.क. जीवाराम चौबे लि.स्था. तालबन
16 × 11 5, 12	14	,,	,,	
13 × 8 6, 14	51–61	,,	1878	जीर्ण; लि.स्था. वृन्दावन
17 × 13 11; 15	23 26	अपूर्ण	19वीं	लि.क. कनहीराम लि. स्था. भ[illegible]तपुर
14 × 19 11, 22	14–16	पूर्ण	,,	जीर्ण
16 × 13 10; 18	406	अपूर्ण	,,	जीर्ण; आद्यन्त अप्रा त
17 × 11 13; 13	32–34	पूर्ण	1824	
19 × 11 11; 22	41–53	,	19वीं	
13 × 10 8; 16	5–22	अपूर्ण	1878	पत्र सं. 1-4, 17-20 अप्राप्त
24 × 17 27.5 × 20 14; 26	1–371	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 70-71, 74-77 127-31 व अन्त अप्राप्त
21.5 × 28 20; 32	26–75	,,	20वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-25 अप्राप्त
28 × 14 11; 35	13–58	,,	19वीं	पत्र सं. 1-12 तक अप्राप्त
20.5 × 15.5 11; 23	28	,	,,	अति जीर्ण आद्यन्त अप्राप्त ।
28.5 × 21 20; 38	1	,,	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
682	1179 (1)	चैनजी के पद-संग्रह	चैनजी
683	1179 (9)	चौपाई चितावनी के अंग की	
684	190	चौपड़ शेख फरीद की	आलम
685	2658	छप्पय	जुगल कवि
686	585 (4)	छप्पय-संग्रह	प्रेमदास स्वामी
687	591	छियासट अपराध	आचार्यजी महाप्रभु
688	4077 (29)	छुटक	नागरीदास
689	4077 (32)	छुटक	कालिदास आदि
690	4077 (14)	छुटक-दोहा मजलस-मंडन	
691	171 (2)	जन्म-मंगल	
692	153	जानकी-मंगल	तुलसीदास
693	171 (1)	,,	बालकृष्ण
694	192	,,	तुलसीदास
695	208	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 11 11;21	1–15	पूर्ण	17वीं	जीर्ण
19 × 11 11;18	4[illegible]–48	,,	1701	,,
19 × 11 11;22	33–34	,,	19वीं	
17.5 × 18 8;20	1	,,	,,	,,
20 × 11 10;26	132–139	,,	1742	जीर्ण; लि.क. गोकुल निरंजिनी
19 × 15 12;18	15	,,	19वीं	जीर्ण
17 × 13 12;15	163 168	,,	,,	जीर्ण; र.का. सं 1799 लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
17 × 13 12;15	173–85	,,	,,	लि.क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
17 × 13 12;15	44–50	अपूर्ण	,,	जीर्ण ,,
11 × 19 6,13	13–15	पूर्ण	,,	
19 × 15 9;20	1 (46वां)	अपूर्ण	,,	जीर्ण; आदि अप्राप्त
11 × 9 6;12	4–12	,,	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1-3 अप्राप्त
19 × 11 11 22	35–39	पूर्ण	,,	
22 × 10 8 [illegible]	(	,,	,,	जीर्ण; लि.क. भागीरथदास लि. स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
696	2765	जानकी-मगल	बालकृष्ण
697	510	जीवदशा	ध्रुवदास
698	14	जुगल-विलास (कवित्त-शतक)	महाराजा रामसिंह पुत्र छत्रसिंह
699	1219 (2)	जुगल-दिलाल के कवित्त	जुगल कवि
700	4077 (2)	जुगल-रस-माधुरी	नागरीदास
701	4552	जुगल ध्यान के दोहे	
702	132	जोगलीला (राधा-कृष्ण की)	उदय
703	437	जोग-संदेह-सागर	चरणदास शिष्य शुकदेव
704	524	जोग-सुधा	लच्छीराम पुत्र कल्याण (कृष्णजीवन)
705	165	जोजन	
706	396	,, (पांच सुखनमर)	श्रीदेव
707	457	त्रिलोचन-लीला	चतुर्भुज
708	476	,,	दास अनन्तन शिष्य हरजाई

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26 × 12 7;23	6	अपूर्ण	19वीं	अंत अपूर्ण
13 × 81 6; 14	43–51	पूर्ण	गु. 1878	जीर्ण
26 × 16 16; 15	32	,,	19वीं	र.का. सं. 1836
23.5 × 15.5 20;23	8	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
17 × 13 12; 15	14–15	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम
90 × 17 53; 15	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
19 × 15 8;20	15	,,	19वीं	जीर्ण; फटे पत्र है।
16 × 12 8;18	77–85	,,	गु. 1874	
15 × 17 6;21	55-106	अपूर्ण	1795	कीटभक्षित; लि.क. दयालदास पत्र सं. 57-60 कीटभक्षित
19 × 15 11;22	34–36	पूर्ण	19वीं	अन्त में एक पद कुम्भनदास का है।
18 × 14 6;11	79–89	,,	1884	जीर्ण; लि.क. मन्नूलाल ब्राह्मण लि. स्था. भरतपुर रानी अमृतकौर के लिए।
18 × 18 11; 13	3	,,	20वीं	जीर्ण
23 × 16 19; 15	6–8	,,	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
709	1179 (5)	त्रिलोचनजी की परचई	अनन्तदास
710	4173	दण्डक (राग धनाश्री)	तुलसीदास
711	101	दत्तलाल की बाराखड़ी	दत्तलाल सूफी
712	94	दानलीला	
713	115	,,	
714	141	,,	कृष्णदास
715	145	,,	भूधरदास
716	149	,,	
717	188	,,	तारषान (तारखां)
718	316	,,	
719	324	,,	माधौदास
720	325	,,	रामदास
721	362	,,	राजा बख्तावरसिंह

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
19 × 11 12; 30	34–37	पूर्ण	17वीं	जीर्ण
29 × 11 8; 28	10	,,	1904	जीर्ण; लि.क. लाला गोविन्दराम।
17 × 12 10; 18	14–26	,,	गु. 1850	जीर्ण
21 × 17 7; 13	10	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
17 × 12 10; 18	2	,,	गु. 1850	जीर्ण
19 × 15 13; 23	3	पूर्ण	19वीं	
19 × 15 13; 22	3	,,	,,	
19 × 15 10; 23	13–15	,,	,,	
19 × 11 11; 22	28–30	,,	,,	
24 × 16 17; 14	21–26	,,	,,	
24 × 16 17; 14	58–59	,,	,,	
24 × 16 17; 14	59–61	,,	,,	
22 × 14 20; 18	24	अपूर्ण	,,	जीर्ण; र.का सं. 1854 लि. स्था. अलवरगढ़ आद्यन्त पत्र फटा हुआ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
722	496	दानलीला	माधवदास
723	4746	,,	
724	317	दान-माधुरी-लीला	माधुरीदास
725	429 (2)	,,	,,
726	151	दामोदर-लीला	देवीदास
727	498	,,	,,
728	4532 ( )	,,	
729	310	,, (बाल-चरित्र)	देवीदास
730	1951	,, ,,	,,
731	4077 (22)	दिवारी के कवित्त	
732	4595 (6)	देवी-महिमा	विप्र कृष्णदास
733	2706	दोहा	
734	4491	दोहा-कवित्त-सवैया	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×11 5; 12	14–20	पूर्ण	20वीं	जीर्ण, पत्र सं. 15 त्रुटित, पत्र 14 के बाद कुछ पत्र रिक्त हैं।
19×15 11; 20	4	,,	1870	जीर्ण; पत्र के एक ओर 'कर्मविपाक' लिखा है।
24×16 17; 14	26–33	,,	19वीं	
13×13 12; 13	88–97	अपूर्ण	,,	आदि अप्राप्त
19×15 13; 23	14	पूर्ण	,,	
14×10 16; 11	1–21	,,	,,	जीर्ण; पत्र स. 1,12,14-17 व 20 अप्राप्त, लि.क. मिश्र टोडरमल
23×17 21; 14	4	अपूर्ण	,,	अन्त अप्राप्त
16×16 11; 15	32–33	पूर्ण	,,	
17×13 17×16 10; 16	2–4 व (22वां)	अपूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1, 5-21 तक अप्राप्त व पत्र सं. 3-6 तक स्फुट-वर्णन भी है।
17×13 12; 15	63-64	,,	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
16×10 15; 12	13	,,	,,	अतिजीर्ण
24×11 24; 11	1	,,	20वीं	जीर्ण
33×14 26; 14	1	पूर्ण	19वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
735	4594 (5)	ध्रुव-चरन	
736	786 (1)	धुनि	तुलसीदास
737	99	ध्रुव-चरित्र	जनगोपाल
738	494	,,	,,
739	1179 (13)	,,	,,
740	2368	,,	,,
741	2805	ध्रुवदासजी की पद्यावली	ध्रुवदास
742	135	ध्रुव लीला	मुरलीदास
743	146	,,	मधुकरदास
744	292	,,	मुरलीदास पुत्र तासकन्द
745	64	ध्रुव-विनोद	सोमनाथ माथुर
746	4312	,,	,,
747	58	ध्यान-बत्तीसी	भूधर कवि
748	393	नरसी मेहता महिमा	सन्त कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16 × 10 8; 11	1	अपूर्ण	19वीं	अति जीर्ण
19 × 15 10; 18	1–2	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
17 × 12 11; 22	16–21	अपूर्ण	1850	अति जीर्ण; आदि अप्राप्त
16 × 11 5; 12	1 79	पूर्ण	19वीं	
19 × 11 11; 19	21	,,	18वीं	जीर्ण
26 × 9 7; 26	2–7	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं 1 अप्राप्त
15 × 11 5; 15	118	पूर्ण	1974	लि.क. अयोध्याप्रसाद लि. स्था. छातई (मथुरा)
19 × 15 8; 21	26–37	,	19वीं	
19 × 15 13; 23	3–16	,,	,,	र.का. स. 1782
25 × 17 19; 16	7–16	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-7 अप्राप्त
19 × 17 9; 12	87	पूर्ण	1895	र.का. सं. 1812; लि. स्था. वैर। राजा प्रतापसिंह के राज्य में।
28 × 17 22; 15	26	,,	19वीं	जीर्ण; ,, ,,
27 × 16 17; 13	40–48	,,	,,	
18 × 14 6; 11	26–5	,,	1884	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
749	189	नागलीला	
750	1186	,, (सूरसागर)	सूरदास
751	221	नामदेव की परचो	अनन्तदास
752	1179 (3)	नामदेव की परचई मांडी	,,
753	492	नाम-प्रताप	रामचरण शिष्य रमतीराम
754	144	नाम-महिमा	साधराम शिष्य जगन्नाथ
755	19 (3)	नाम-माधुरी	
756	139	नारायण-लीला	माधवदास गो.
757	223	,,	,,
758	2817	,,	,,
759	308	नौचोरी रस-लीला	गंग
760	4069	नन्द-महोत्सव भाषा	
761	133	पक्ष-पच्चीसी	उदय
762	143	पद	मलूकदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 11 10;22	30–33	पूर्ण	19वीं	
18 × 13 10,20	1–13	,,	20वीं	पत्र सं. 6 दो बार लिखी है।
14 × 9 10;20	7–12	,,	19वीं	
19 × 11 8;21	25–30	,,	17वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1645
16 × 11 5;12	11–40	,,	19वीं	
19 × 15 13;20	3-4	,,	1870	लि.क. हेतराम, पत्र सं 4 पर नृसिहजी का चित्र भी है।
16 × 10.5 5;12	25–32	,,	19वीं	लि क. जीवाराम लि. स्था. तालवन
19 × 15 12;20	20	,,	,,	जीर्ण; बाद के 11 पत्रों पर गिनती पहाड़े हैं।
14 × 14 9;11	49	,,	1847	जीर्ण; लि.क. देवा लि. स्था बाड़ी (धौलपुर)
19 × 11 9;27	27	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 2,3,6 अप्राप्त लि.क. नैनादास
16 × 16 11;15	13–20	पूर्ण	,,	जीर्ण; आदि में एक पत्र 'हरिराम बेलो" का भी है जिसका कर्त्ता वृन्दावन है।
30 × 15 10;34	24	अपूर्ण	,,	
19 × 15 8;20	15–17	,,	,,	जीर्ण; अंत अप्राप्त र. स्था. भरतपुर
19 × 15 13;22	1–3	पूर्ण	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
763	162	पद	मुकुन्द
764	163	,, (होरी आदि)	माधौदास
765	278	,,	सूरदास
766	473	,,	,, गंगादास
767	488	,, (करुणा के)	तुलसी
768	505	,,	सूरदास आदि
769	567	,,	सूरदास
770	579	,,	,, तुलसीदास आदि
771	1179 (17)	,,	जगजीवन
772	2454	,,	नारायण
773	4540	,,	नागरीदास, लक्ष्मीराम
774	4547	,,	सूरदास, नन्ददास
775	4648	,,	कृष्णदास
776	4649	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
19 × 15 11; 22	18–20	पूर्ण	19वीं	
19 × 15 12; 24	20–24	,,	,,	
28 × 17 18; 18	59–135	,	20वीं	
105 × 29 35; 12	1	,,	,	जीर्ण
16 × 14 7; 12	30–32	,,	गु. 887	
23 × 14 18; 17	4-36	अपूर्ण	17वीं	अतिजीर्ण; आदि-अन्त अप्राप्त प्राचीन प्रति है।
16 × 14 10, 20	8	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
19 × 11 12; 19	2	,,	1883	,,
19 × 11 9; 20	2	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
56.5 × 18 36; 19	1	पूर्ण	19वीं	,,
68 × 13 74; 17	1	,,	,,	,,
37 × 16 27; 22	1	,,	20वीं	जीर्ण; पत्र के पीछे संस्कृत का एक छन्द है।
45 × 28 28; 32	2	,,	,,	
53 × 16 37; 18	3	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम			कर्त्ता एवं टीकाकार
777	4650	पद			कृष्णदास
778	4655	,,			,,
779	4699	,, (होरी)			सूरदास
780	4703	,,			कबीर
781	4710	,,			सूरदास
782	4733	,,			कबी
783	516	पद आदि			सूरदास, प्रिया ास, नाथ, हित वृन्दावन
784	1179 (10)	,,			सुन्दर आदि
785	1179 (11)	,,			हरिदास
786	2633	,,			चतुर्भुज, कुम्भनदास
787	4757	,,			सू दास, विद्यापति, कबीर आदि
788	2519	पद कवित्तादि			गुरुदास, युधिष्ठिर, भूधर
789	256	पद प्रसंग माला (गद्य-पद्य)			जयदेव, परमानन्ददास, छीत-स्वामी, नरसी मेहता, हरिवंश, सूरदास, तुलसी, दास भगवान, न गरीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
45 × 27 23; 27	8	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
54 × 22 37; 27	2	,,	,,	,,
20 × 8 9; 36	1	,,	,,	,,
70 × 17 46; 17	1	अपूर्ण	,,	,,
18 × 17 11; 24	1	,,	19वीं	अन्त अप्राप्त
18 × 15 12; 26	1	पूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र के पीछे संस्कृत में मंत्र हैं।
15 × 9 10; 20	14	,,	20वीं	
19 × 11 9; 25	49–55	,,	गु. 1701	जीर्ण
19 × 11 10; 21	55 57	,,	1921	,,
25.5 × 18 18; 23	1	,,	20वीं	,,
18 × 15 13; 22	11	,,	19वीं	पत्रों के पीछे संस्कृत में कर्मविपाक भी है।
27.5 × 20.5 17; 23	1	,,	20वीं	जीर्ण
21 × 14 11; 28	1–52	,,	19वीं	छीत-स्वामी का राजा बीरबल से मिलने का प्रसंग है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
प 790	4077 (24)	पद-प्रसंग-माला (गद्य-पद्य)	सूरदास, कृष्णदास, चतुर्भुजदास, कुम्भनदास, रामराय, रूपसिंह, किशोरीदास, परमानन्ददास, नागरीदास
791	123	पद-प्रसंग	चतुरसखि, चतुरछैल
792	182	पद आदि संग्रह	सूर, कृष्णदास, कबीर, भगवान, भूषण आदि
793	183	पद-प्रसंग (श्री कृष्णवल्लभ से सम्बन्धित)	मट्ठूलाल (रसिकदास)
प 794	230	पद-संग्रह (रामचन्द्रजी तथा राधा-कृष्ण से सम्बन्धित)	जानकीदास, ठाकुर, माधवदास, मनीराम, जमुनादास, कबीर, मीरां, चतुर्भुज, बिसनदास, तुलसीदास, श्रीभट, सूरदास, परमानन्ददास मलूकदास, गिरधरदास, दयासखि
प 795	238	,,	हितहरिवंश, जनगोविन्द, परमानन्ददास, विष्णुदास, सूरदास, आनन्दघन, छीत स्वामी, मुरारीदास, नन्ददास, लछीराम, हरिदास, नागरीदास, मीरां, कृष्णदास, चतुर्भुजदास, कबीर, विद्यादास, नामदेव, तुलसीदास, चन्द्रसखि, काशीराम, ग्यानदेव, जगन्नाथ, नरसी, भगवान मुरलीदास, संतसखि, दयाराम, माधोदास, अग्रदास, परसा, गरीबदास, बृन्दावन, भूधानंद, कुम्भनदास, केशोदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×13 12;15	65–136	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
19×16 8;8	4–30	,,	,,	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
15×11 11 21	21	,,	,,	जीर्ण
20×17 8;13	34	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; पदों में कर्त्ता नाम रसिकदास मिलता है। मट्टूलाल केवल आदि की पुष्पिका में लिखा है।
18×14 17:16	1–70	अपूर्ण	1900	प. स. 2-27 तक अलिखित
25×20 28;30	122	,,	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त 87वां पत्र फटा हुआ है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक		ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
796	334 (2)	पद-संग्रह		हरिदास,श्रीभट्ट. जनगोविन्द, चिन्तामणि, तुलसीदास कृष्णराम, सूरदास. मीरां, कुंभनदास, दयासखि, नागरीदास. परमानन्ददास
प 797	412	,,	(राम-ख्याल)	चतुरछैल, चतुरपीव, चतुरसखि
798	426	,,	(होरी)	अम्बरदास, सूरदास, तुलसीदास, चन्द्रसखि, चतुर्भुजदास, नागरीदास, जनगोविन्द, कृष्णजीवन-लच्छीराम, रामदास
799	458	,,		चतुरपीव, रसिकराय, चतुरसखि, चतुरछैल,
800	1179 (6)	,,		बनवारी, गोपालदास
801	4079	,,		नामदेव. सूरदास,परमानन्द-दास, रैदास, कबीर, हरिदास, मीरां
802	336	,,		सूरदास, माधवदास, चरणदास,चन्द्रसखि,कबीर, विप्र विट्ठलदास, मीरां, कृष्णदास, परमानन्द, चतुरभुजदास, नन्ददास,
803	334 (3)	पद-स्फुट		सूरदास
804	2528	,,		ब्रह्मदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×15 15; 18	1–16	पूर्ण	19वीं	लि.स्था. वृन्दावन
19×17 11; 16	132	अपूर्ण	20वीं	र. स्था. भरतपुर
17×14 8; 15	170–187	पूर्ण	गु. 1889	जीर्ण; अन्त में एक पद रामदास का आत्मनिवेदन का है।
18×18 11; 13	69	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; कुछ पत्र चिपके हुए हैं।
19×11 12; 27	37 39	पूर्ण	18वीं	जीर्ण
14×13 16; 17	6	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त पत्र स्फुट हैं।
24×16 17; 14	32-64	पूर्ण	,,	
24×16 15; 12	27–28	,,	,,	
22×14 10; 29	1	,,	20वीं	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
805	97	पद-हिंडोला	
806	177	परतीत परीक्षा	बालकृष्ण
807	187	"	"
808	312	"	"
809	321	"	"
810	326	"	"
811	416	"	"
812	433	"	"
813	469	"	"
814	608	"	"
815	519	परम-ज्योति	बनारसी
816	4077 (9)	पारस-पच्चीसी	नागरीदास
817	266	पिसन-सिंगार (संहार)	सेवादास
818	108	प्रह्लाद-लीला	रैदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18 × 14 7;7	9	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
16 × 11 8; 13	19	पूर्ण	1880	जीर्ण
19 × 11 11;22	18-28	,	19वीं	,,
16 × 16 11; 15	49-59	,,	,,	जीर्ण; अन्त में एक अपूर्ण छन्द श्याम सगाई का है।
24 × 16 17; 14	49-52	,,	,	
24 × 16 17; 14	61-72	,,	,,	
19 × 14 11;17	33-43	,,	गु. 1913	लि क. मिश्र हरनारायण लि.स्था, ककड़ानगर
13 × 13 11;12	12	,,	गु. 1819	
14 × 10 8;17	17-31	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 18, 25, 27 व अन्त अप्राप्त
21 × 18 14; 17	165-175	पूर्ण	1848	जीर्ण; लि.क केशवराम
17 × 13 10; 17	3-9	,,	19वीं	जीर्ण
17 × 13 12;15	26-29	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि.स्था भरतपुर
13 × 12 7;12	89-91	,,	1890	जीर्ण; आदि अप्राप्त
17 × 12 10;18	4	पूर्ण	गु. 1850	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम		कर्त्ता एवं टीककार
819	161	प्रह्लाद-लीला		रैदास
820	443	प्रेम-पच्चीसी		सोमनाथ माथुर
821	4077 (25)	फाग-गोकुलाष्टक		
822	4077 (7)	फाग विलास		नागरीदास
823	487	फागुन-लीला		वीरभद्र
824	79 (2)	फुटकर भक्ति के छन्द	"	चन्द रसिक
825	4077 (3)	फूल-बिलास	"	नागरीदास
826	4082	बधाई	"	सूरदास, चतुरदास
827	2822	बधाई रामजू की		अग्रदास
828	1	बयालीस लीला		ध्रुवदास
829	273	बरस उत्सव के पद		चतुर्भुज, सूरदास, गोविन्द, विट्ठल, नन्ददास, गरीबदास, कृष्णदास, परमानन्द, किशोरीदास, भगवानहित, विष्णुदास, रसिक, माधोदास, हरिदास, कुम्भनदास, रिषीकेस, छीत स्वामी, जगन्नाथ, तुलसीदास, वल्लभ,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×15 11;22	16–18	पूर्ण	19वीं	
2 ×18 23;15	61–63	,,	,,	र.स्था भरतपुर
17×13 12;15	136–138	,,	,,	जीर्ण; लि क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
17×13 12;15	20–23	अपूर्ण	,,	, ,,
16×14 8;11	13-30	पूर्ण	1887	लि.क. केशोराम लि.स्था. गोवर्द्धन, माता अमृतकौर के लिए।
21×16 11;12	4	अपूर्ण	1915	जीर्ण; अन्त अपूर्ण
17×13 12;15	16–17	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
18×13 12;19	4	पूर्ण	,,	जीर्ण
18×14 9;18	8	,,	20वीं	,,
25×16 17,15	2-239	अपूर्ण	,,	पत्र सं. 1 अप्राप्त र.का. सं. 1650
32×20 21;13	93	पूर्ण	1950	जीर्ण; अन्तिम दो पत्रों में पदों की सूची है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रंथांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
			गोपालदास, मुगनदास, धोंधी, हित हरिवंश
830	105	बाल-चरित्र (दामोदर-लीला	देवीदास
831	315	"	
832	218	बाल-लीला आदि	आलम
833	1351	बाल-विनोद	सुन्दरदास
834	497	बारहमासी	मुरलीदास
835	578	" (रामचन्द्रजी की)	गिरीदास
836	786 (2)	" (मदन जू की)	लालदास
837	338	बाँसुरी	परमानन्ददास, तुलसीदास, मीरां, कबीर, चन्द्रसखि
838	4077 (1)	बिहार-चन्द्रिका	नागरीदास
839	4579	ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा	
840	606 (2)	ब्रजलीला (उद्धव-गोपी-सम्वाद)	चन्द्र गोस्वामी
841	1202	ब्रजविलास	ब्रजवासीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 12 11; 18	23	अपूर्ण	गु. 1850	जीर्ण
24 × 16 17; 14	21	पूर्ण	19वीं	
28 × 11 10; 44	25	अपूर्ण	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
15 × 11.5 8; 15	9–38	,,	20वीं	,, ,,
16 × 11 5; 12	20–32	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
19 × 15 13; 20	2	,,	,,	,,
19 × 15 9; 17	2–6	,,	20वीं	अन्त में एक स्फुट कवित्त है।
24 × 16 21; 14	5	अपूर्ण	19वीं	अन्तिम एक पत्र में 'श्याम सगाई' भी है।
17 × 13 12, 15	14	,	,,	कीटभक्षित; र.का. सं. 1788
19 × 16 16, 17	38	पूर्ण	1905	जीर्ण; र.का. सं. 1600 लि.क. हरिकृष्ण ब्राह्मण
21 × 18 14 17	138–154	,,	1848	
32 × 20 11; 39	1–392	अपूर्ण	1933	जीर्ण; पत्र सं. 82-145, 246,333 अप्राप्त। लि.क. गंगाबख्श बुन्देल नरेश जसवन्तसिंह के राज्य में

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
842	356	ब्रजसागर (वैराग्य सार व भक्ति सार आदि)	नागरीदास
843	254	ब्रजसार ग्रन्थ	"
844	439	ब्रह्मज्ञान-सागर	चरणदास
845	93	भक्तमाल	नारायण (नाभादास)
846	116	"	नाभादास
847	1183	भक्तमाल-सटीक (टीका-भक्त सुमरनी)	" ; टी. प्रियादास
848	207	" (टीका-रस-बोधिनी)	" ; "
849	359	" "	" ; "
850	512	" "	" ; "
851	2743	" "	" ; "

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि-संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 14 21; 14	171	अपूर्ण	1865	र.का सं. 1799 लि.क. हरिकृष्ण मिश्र लि. स्था. भरतपुर पत्र सं. 137 अप्राप्त। पत्र सं. 114, 115, 117 के बाद लगा है।
21 × 14 11. 18	28–38	पूर्ण	19वीं	
16 × 12 8, 18	118–147	,,	1874	
25 × 16 22; 16	15[illegible]	,,	19वीं	
17 × 12 10 21	67	,,	,,	
28 × 11.5 11; 42	7	,,	1862	जीर्ण
30 × 14 8; 28	210	,,	1886	टी.र.का. सं 1769 लि क. चौबे जीवाराम लि. स्था. भरतपुर
17 × 14 14; 28	23–187	,,	1979	लि.क. मोतीराम लि स्था. भरतपुर पत्र संख्या 181 के बजाय 191 से 197 लिखे है।
28 × 17 17. 13	221	,,	1894	लि.क. चौबे जीवाराम लि. स्था. भरतपुर पत्र सं. 9वां अप्राप्त
33 × 17 5/10; 60/38	13[illegible]	अपूर्ण	1830	अतिजीर्ण; टी.र.का. सं. 1769 लि.क. अलबेलीदास प्रथम पत्र आधा नष्ट है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
852	17	भक्त-विनोद	सूरति मिश्र
853	77	भक्ति-काव्य	भोलानाथ दीवान कायस्थ
854	206	भक्ति के पद	चतुर सखि (अमृतकौर)
855	2227	„ स्फुट	श्रीभट्ट
856	2283	„	चतुरसखि सुन्दर
857	9	भक्ति के छन्द	चतुरसखि
858	36	„	चतुरपीव, चतुरछल
859	327	„	
860	585 (6)	„	प्रेमदास
861	2352	„	„
862	2322	भक्ति-प्रकरण	
863	159	भक्ति-बारखड़ी	सूरदास
864	4077 (26)	भक्ति-सार	नागरीदास
865	2460	भजन, भैरव पूजा आदि	नारायण

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×16 21;17	31	पूर्ण	19वीं	
22×17 18,26	86	,,	1885	र.का.सं 1877; लि.स्था. मालापुर बस्तीसिंह के पुत्र दलजीतसिंह के समय रचित
26×16 15;15	58	,,	19वीं	
26×17 20;16	2	अपूर्ण	,,	कीटभक्षित
27×17 12;10	6	,,	,,	जीर्ण; र.का. सं. 1688 दो पत्र 'सुन्दर शृंगार' के हैं।
26×16 13;14	9	पूर्ण	,,	
19×18 9;11	84	अपूर्ण	,,	
24×16 17;19	72–73	पूर्ण	,,	
20×11 9;26	148–50	अपूर्ण	1742	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
21.5×12.5 21;24	54	,,	19वीं	जीर्ण
28.5×21 19;35	20	,,	,,	,,
19×15 11;20	9–12	पूर्ण	,,	
17×13 12;15	138–146	,,	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
18.5×16.5 12;25	1	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
866	4741	भजन-संग्रह	कबीर
867	2300	,,	
868	2358	,,	नारायण
869	4594 (1)	,,	जनगोपाल
870	1179 (4)	भयां-चिंतावरिण	खेम
871	4477	भर्तृहरि-कुण्डलिया	
872	360	भर्तृहरि-संवाद	हरिदास
873	1248	भवानी सौन्दर्य-वर्ण. भाषा	मू शंकराचार्य
874	1179 (14)	भर्तृहरि-गोरखनाथ से सम्बन्धित छंद	
875	4077 (28)	भागवत-पारायण विधि	बृजनाथ. बृजलाल, हीरालाल, विजैराम, कनहीराम, नागरीदास
876	389	भागीरथी-महिमा	
877	430	भागीरथी-लीला	तारचंद
878	406 (2)	भावना-रास	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 15 12;20	6	पूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्रों के पीछे संस्कृत में कर्मविपाक भी है।
35.5 × 15 18;62	2	अपूर्ण	,,	जीर्ण
17 5 × 15 9;18	1	पूर्ण	,,	,,
16 × 10 15;12	21	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण, आदि भाग अपूर्ण है।
19 × 11 10;25	31–34	पूर्ण	,,	जीर्ण
108 × 18 56;15	1	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; यह रचना भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के समय की है। इसमें संस्कृत भाषा भी है।
17 × 14 14;39	39	पूर्ण	1979	जीर्ण; लि.क. मोतीराम लि.स्था. भरतपुर
23 × 14.5 12;26	45	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त पत्र सं. 41 फटा हुआ है।
19 × 11 10;19	3	पूर्ण	18वीं	जीर्ण
17 × 13 12;15	152–163	,,	गु॰ 1874	र.का. सं. 1799 लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
18 × 14 5;11	11–17	,,	गु. 1844	
13 × 13 12;17	97–105	,,	19वीं	जीर्ण
24 × 16 14;13	5–7	,,	1897	लि.क. गिरधारीदास

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
879	152	भँवर-गीत (भ्रमर गीत)	नन्ददास
880	184	"	"
881	280	"	जनमुकुन्द
882	311	"	"
883	425	"	
884	484	"	जनमुकुन्द
885	501	"	"
886	4391	"	
887	4643	"	सूरदास
888	4654	"	"
889	495	मगनजी की बारहमासी	मगन
890	29	मंगलाचरण के पद तथा अन्य भक्ति पदादि	चतुरसखि
891	509	मन-शिक्षा	ध्रुवदास
892	158	महादेवजी को ब्य हुलो	तारचंन

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 15 10;21	14–24	अपूर्ण	19वीं	अन्त अप्राप्त
19 × 14 11;22	8–13	,,	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1-7 तक अप्राप्त
28 × 17 18,18	159–168	पूर्ण	20वीं	
16 × 16 11;15	3[illegible]–49	,,	19वीं	
17 × 14 7;15	139–169	,,	गु. 1889	
16 × 12 10;16	3–18	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
16 × 13 7;18	34–55	पूर्ण	गु. 1891	पत्र सं. 35वां दो बार है।
27 × 17 17;17	8–18	अपूर्ण	20वीं	अतिजीर्ण
20 × 17 12;18	15	पूर्ण	,,	जीर्ण
19 × 12 19;12	9	अपूर्ण	,,	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
16 × 11 5;12	1–13	पूर्ण	19वीं	
13 × 11 5;11	229	अपूर्ण	,,	अन्त अप्राप्त
13 × 8 5;14	27–42	पूर्ण	गु. 1878	जीर्ण
19 × 15 11;20	2-8	,,	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
893	621	महादेवजी को ब्याहुलो	सोमनाथ माथुर
894	1942	महाराज दामोदरजी को वरणन	सूरति
895	390	मान के छंद	
896	239	मान-माधुरी	
897	318	,,	माधुरीदास
898	587	माया सम्वाद व प्रतिबोधन	रैदास नामदेव
899	485	मुक्ताहल-लीला	
900	85	मोहन नाम-पच्चीसी	छत्रसिंह
901	237 (1)	रङ्गमाला (राधा-कृष्ण की लीलाएँ)	सुखसखि
902	332	रतनवेद-उच्चरी कथा (रामायण)	मुरलीदास
903	335	,, (कृष्ण आदि भक्ति-प्रसंग)	दत्तदेव
904	465	रसरासि-पच्चीसी (भ्रमरगीत के अनुसार)	रसरासि
905	625	रसिकमाल	भगवत मुदित
906	4077 (22)	रसिक-रत्नावली	नागरीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 18 9; 10	118	पूर्ण	19वीं	र.का. सं. 1813
88 × 21 100; 29	1	,,	,,	जीर्ण
18 × 14 5; 11	17–27	,,	गु. 1884	
25 × 17 13; 12	9	,,	20वीं	
24 × 16 17; 14	33–42	,,	19वीं	
19 × 14 8; 27	7	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. निरंजन सिधी
16 × 12 9; 17	8–26	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अपूर्ण
17 × 16 13; 17	3	पूर्ण	,,	जीर्ण; लेखक कूर्मवंशी राजा है।
18 × 13 14; 12	1–106	,,	,,	कीटभक्षित; 139वां पत्र रिक्त है
24 × 16 17; 14	1 18	,,	,	र.का. सं. 1687
24 × 16 17; 14	28 32	,,	,,	
19 × 14 13; 12	12	,,	1904	जीर्ण; रचना कूर्मवंशी राजा प्रतापसिंह के आश्रय में की गई।
20 × 6 14; 14	2–146	अपूर्ण	1974	जीर्ण; पत्र सं. 112 के बाद 103 से शुरू होने के कारण पत्रांकन में गलती है।
17 × 13 12; 15	46–152	पूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
907	320	रसोई-लीला (कृष्ण की)	
908	486	रसोई-लीला	
909	328	राग पंचम व नाम माधुरी	
910	2312	राधा-कृष्ण प्रेम वर्णन	
911	442	राधा-कृष्ण की लीलाएँ आदि	सूरदास, धीरज, ब्रजनिधि, परमानन्द, हरिदास, रसिक, गोविन्द, गरीबदास, कबीर, मीरां, लक्ष्मीराम, परसराम, दयासखि, ब्रजवासी, रामराय
912	172	राधा-कृष्ण-मङ्गल	गंगादास
913	2825	राधा-कृष्ण की भक्ति के छंद	
914	142	राधा नाम माधुरी	
915	2812	राधा-परीक्षा	उदै (उदयराम)
916	102	राधिका जू की बारखड़ी	संतदास
917	106	रानी मूंगो (मंगो)	
918	22	राम कवितावली	तुलसीदास
919	174	राम की बारहमासी	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 16 17; 14	43–49	पूर्ण	19वीं	
16 × 14 8; 11	1–13	,,	गु. 1887	पत्र सं. 5-6 तक अप्राप्त
24 × 16 17; 14	73–76	,,	19वीं	
13.5 × 12.5 10; 14	1व26 35	अपूर्ण	20वीं	
28 × 18 23; 15	4–61	पूर्ण	19वीं	
11 × 9 6; 12	17 20	,,	,,	लि क. महन्त रामरतन मिश्र
16 × 16 10; 16	2-9	अपूर्ण	1938	जीर्ण: आद्यन्त अप्राप्त
19 × 15 11; 22	2	पूर्ण	19वीं	
18 × 14 8; 15	5	अपूर्ण	20वीं	अन्त अप्राप्त
17 × 12 10; 18	26–31	पूर्ण	गु. 1850	जीर्ण
17 × 12 11; 18	23-29	,,	,,	,,
17 × 14 14; 15	115	,,	19वीं	
11 × 9 8; 12	23–25	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
920	4342	रामचन्द्रजी गुणगायन	
921	136	रामचरित्र	श्रीदास
922	245	रामचरित अवतरिणिका	गणेश
923	61	रामचरित्र वर्णन	सेनापति
924	395	रामचिंतामणि	दामोदर
925	209	राम ध्यान मंजरी	अग्रदास
926	62	राम रसायन	सेनापति
927	222	रामाज्ञा	तुलसीदास
928	461	,,	,,
929	442	रामाष्टक	,,
930	447	,,	रामानन्द
931	4077 (21)	रास के कवित्त	नागरीदास
932	319	रास के छन्द	स्वामी माधौदास
933	4077 (11)	रास रस लता	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14 × 11 9; 18	9	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
19 × 15 8; 17	38–50	पूर्ण	,,	
15 × 10 5; 14	37	,,	,,	चौथा पत्र कटा हुआ है।
27 × 16 17; 13	93–115	,,	,,	
18 × 14 6; 11	73-79	,,	गु. 1884	
27 × 12 8; 32	7	,,	19वीं	
27 × 16 17; 13	115–119	,,	,,	
18 × 16 11; 14	43	,,	,,	
15 × 11 9; 19	43	,,	1845	जीर्ण; लि.क. सेवादास
19 × 14 11; 17	66 67	,,	1913	लि.क मिश्र हरनारायण लि. स्था. ककडानगर
23 × 16 19; 15	8–9	,,	19वीं	
17 × 13 12; 14	61–63	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
24 × 16 17; 14	42–43	,,	19वीं	,, ,,
17 × 13 12; 15	34–37	,,	,,	लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
934	4080	रासलीला	सुन्दर कवि
935	4533	,,	
936	391	रास-विलास	मुरलीदास
937	394	,,	,,
938	376	ऋतुराज-मंजरी (राधा-कृष्ण की शृंगार लीलाओं का वर्णन)	ऋषिकेश
939	154	रुक्मिणी-मंगल	मिहिरचन्द्र द्विजर त
940	392	,,	सुमतिदास
941	397	,,	कृष्णदास
942	1352	रुक्मिणी-विवाह	सुन्दर
943	164	रुक्मिणी-हरण	हरिदास
944	240	,,	हरिनन्द शिष्य राम त
945	363	रूपचन्दजी का पद	रूपचन्द
946	210	रूप-मंजरी	नन्ददास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 × 11 9; 32	6	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
33 × 13 9; 53	5	,,	19वीं	जीर्ण;
18 × 14 5; 15	27–45	पूर्ण	गु. 1884	
18 × 14 6; 10	55–73	,,	1884	
13 × 9 10; 9	83	,,	गु. 1856	राजा बलदेव के राज्य में। कवि का निवास स्थान वृन्दावन लि.क. पण्डित जगन्नाथ
19 × 15 12; 9	46-89	,,	19वीं	र.स्था. शाहगंज (आगरा) कवि आगरा निवासी है।
18 × 14 6; 10	1–26	,,	गु. 1884	
18 × 14 5; 12	1–26	,,	गु. 1854	
15 × 11.5 7; 13	39–43	अपूर्ण	20वीं	अन्त अप्राप्त
19 × 15 11; 12	24 34	पूर्ण	19वीं	
24 × 16 22; 17	11	अपूर्ण	19वीं	अन्त अप्राप्त
16 × 13 14; 20	10	पूर्ण	गु. 1735	आदि और अन्त में दो स्फुट पद और हैं।
14 × 9 14; 12	38	,,	1820	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
947	555 (1)	रूपमंजरी	नन्ददास
948	191	रेखता	चरणदास
949	628	,,	
950	4529	,,	
951	1179 (16)	रैदासजी की परचई	
952	4077 (6)	लगनाष्टक	नागरीदास
953	411	लाल-ख्याल	लाल
954	570 (1-15)	वाणी-संग्रह	निर्वाणदास
955	570 (2)	,,	दयालदास
956	570 (3)	,,	रविदास
957	570 (4)	,,	खानदास
958	570 (5)	,,	बिहारीदास
959	570 (6)	,,	अमरदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11 16;16	1–32	पूर्ण	1820	जीर्ण; आदि के एक पत्र नन्ददास कृत स्फुट पद और है।
19×11 11;22	34–35	,,	19वीं	
18×11 11 10	37	अपूर्ण	,,	अन्त अप्राप्त
55×17 34;21	1	,,	,,	जीर्ण
18×19 1_.23	14	,,	19वीं	अति जीर्ण; अन्त अप्राप्त
17×13 12;15	1–20	,,	19वीं	लि.क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
26×16 11;9	188	पूर्ण	,,	बड़े अक्षरों में कई रंगों की लिपि है। पत्र सं. 82वां दो बार है। कहीं-कहीं पत्र फटे हैं।
17×13 6;16	1-6	,,	1953	लि.क. मुरलीधर मिश्र लि. स्था. भरतपुर
17×13 6;17	6–14	,,	,,	,, ,,
17×13 6;16	14–18	,,	,,	,, ,,
17×13 6;16	18–19	,,	,,	,, ,,
17×13 6;16	19–24	,,	,,	जीर्ण ,,
17×13 6;16	24–28	,,	,,	,, ,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
960	570 (7)	वाणी-संग्रह	ब्रजभानदास
961	570 (8)	,,	परसादास
962	570 (9)	,,	सुजानदास
963	570 (10)	,,	तुरसीदास
964	570 (11)	,,	प्रागदास
965	570 (12)	,,	जगदेव
966	570 (14)	,,	रामजीदास
967	570 (15)	,,	चतुरसूद शिष्य रामजीदास
968	114	बारामासी	मुरलीदास
969	553 (2)	विचारमाल	अनाथदास
970	2824	,,	,,
971	211	विनय-पत्रिका	तुलसीदास
972	472	,,	,,
973	2748	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×13 6; 16	28–29	पूर्ण	1953	लि.क. मुरलीधर मिश्र लि.स्था भरतपुर
17×13 6; 16	29–33	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	33–58	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	58–59	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	59 64	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	64–69	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	70–137	,,	,,	,, ,,
17×13 6; 16	137–207	,,	,,	,, ,,
17×12 10; 8	4	,,	1850	जीर्ण
17×14 17; 19	63 76	,,	1821	र.का. सं. 1726
26×13 9; 22	6–19	अपूर्ण	20वीं	पत्र सं. 1-5, 10-15, 17-18 व आगे अप्राप्त
33×17 13; 48	57	पूर्ण	1890	लि.क. मिश्र पूरणमल लि. स्था. खेरानगर (भरतपुर)
27×17 13; 37	15	,,	20वीं	लि.क. शिवराम शर्मा
29×16 12; 32	89	अपूर्ण	19वीं	अतिजीर्ण; पत्र सं. 7-8, 10-31, 55-59 व 69वां अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
974	4078	विनय-पत्रिका	तुलसीदास
975	2321	विभिन्न टीकाएँ भक्ति की (गद्य में)	
976	606 (1)	वियोग-बेलि	आनन्दघन
977	1219 (6)	"	"
978	90	विरह-मंजरी	नन्ददास
979	121 (2)	"	"
980	431	"	"
981	605	"	"
982	181	विरह-विलास	रसनायक पुत्र गणेश भट्ट
983	357	वैराग-बोध गोपीचन्द को	दास (पूरणदास जोगी)
984	279	वृन्दावन शतमहिमामृत-	भगवत्मुदित
985	110	वृन्दावन-शत	ध्रुवदास
986	281	"	"
987	309	"	"

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 × 15 20; 15	68–72	अपूर्ण	19वीं	अतिजीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त
21 × 12.5 19; 14	62–98	"	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 65, 80, 82-83, 86-87 तक अप्राप्त
21 × 18 14; 17	133–138	पूर्ण	1848	
22.5 × 16 11; 15	7	"	20वीं	
17 × 16 17; 16	21–29	"	गु. 1866	जीर्ण
23 × 15 20; 20	36–42	"	19वीं	"
13 × 13 12; 18	105–116	"	1819	
21 × 18 14; 17	123–133	"	1848	
18 × 14 9; 19	49	"	1916	
17 × 14 14, 24	1–11	"	20वीं	जीर्ण
28 × 17 18; 19	136–159	"	"	र.का. सं. 1707
17 × 12 11; 18	14	"	गु. 1850	र.का. सं. 1686
28 × 17 18; 18	168–175	"	1920	र.का. सं. 1686 र. स्था. वृन्दावन
16 × 16 11; 15	20-32	"	19वीं	" "

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
988	340	वृन्दावन-शत	ध्रुवदास
989	413	"	"
990	449	"	"
991	508	"	"
992	1952	"	"
993	4694	"	"
994	570 (13)	वंशावली संतों की	जसराम
995	291	शत-पंचाशिका	रूपराम/रामरूप
996	440	शबद	चरणदास शिष्य शुकदेव
997	810	"	गुरुनानक
998	2652	शिव-महिमा	
999	4677	श्रीधाम क्षौर स्तबमाला	गो. गोविन्ददेव
1000	10	श्रीपति के ध्यान के कवित्त-सवैया	श्रीपति, नारायण शिरोमणि

माप से॰ मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×9 7;20	2–20	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1686 र. स्था. वृन्दावन पत्र सं. 1, 5, 7, अप्राप्त
19×14 11;17	12	पूर्ण	1913	लि.क मिश्र हरनारायण लि. स्था. ककडानगर
16×13 7 18	17	,,	1891	
13×8 6 14	27	,,	1878	जीर्ण
17×16 10;20	3	अपूर्ण	19वीं	
10×13 14;14	6–11	,,	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1-5, 7, 9 व आदि-अन्त अप्राप्त
17×13 6;16	68–70	पूर्ण	1953	र.का. स 1852
29×19 15;15	15;80	,,	20वीं	जीर्ण; र.का. सं. 1891 लेखक शेषजी का भक्त है। 73वां पत्र दो बार है।
16×12 8:18	148–183	अपूर्ण	गु. 1874	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
17×13 7;21	55	पूर्ण	1920	जीर्ण
20×17 7;17	1	,,	20वीं	,,
15×10 6 14	5	,,	19वीं	,,
26×16 16 13	33–41	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1001	2428	श्रीपति हरिकुल सम्प्रदाय परम्परा की सूची	
1002	4067	श्रुति-अनंत-सवाद	रसिकदास शिष्य नरहरिदास
1003	2704	सत्यनारायण-पच्चीसी	सत्यनारायण
1004	100	सनेह-लीला	जनमोहन
1005	147	,,	,,
1006	180	,,	,,
1007	201	,,	,,
1008	276	,,	,,
1009	418	,,	,,
1010	432	,,	,,
1011	468	,,	,,
1012	470	,,	,,
1013	490	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
31.5 × 20.5 24; 25	1	पूर्ण	1897	जीर्ण; अन्त में सूरदास का पद है।
18 × 10 10; 25	7	,,	1816	जीर्ण
19.5 × 14 12; 18	1	अपूर्ण	20वीं	,,
17 × 12 10; 18	1–14	पूर्ण	गु. 1850	,,
19 × 15 11; 22	10	,,	19वीं	,,
15 × 11 8, 14	24–42	,,	1880	जीर्ण; अन्त के दो पत्र "बनिक विलास' के भी हैं। लि.क. मनीराम मिश्र लि. स्था. पथैना (भरतपुर)
16 × 13 11; 23	68–82	,,	19वीं	जीर्ण
28 × 17 19, 18	7	अपूर्ण	20वीं	,,
19 × 14 11; 17	55–65	पूर्ण	गु. 1913	लि.क. मिश्र हरनारायण लि. स्था. ककड़ानगर
13 × 13 11; 16	1–13	,,	गु. 1819	जीर्ण
14 × 10 8; 17	10–17	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-9 तक अप्राप्त
13 × 8 5; 11	39	पूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. लाला देवीराम
15 × 10 8; 16	19	,,	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1014	500	सनेह-लीला	जनमोहन
1015	607	,,	,,
1016	1353	,,	जनमुकुन्द (जनमोहन)
1017	2565	,,	जनमोहन
1018	4077 (16)	सादां की मांझें	नागरीदास
1019	2435	सवैया	
1020	4472	,,	
1021	4546	,,	भोपत
1022	4457	,, -कवित्त	
1023	585 (8)	सवैया-संग्रह	प्रेम (प्रेमदास)
1024	627	साखी	गुरुनानक
1025	1179 (7)	,,	रज्जब
1026	1179 (2)	साखी आदि	सुन्दरदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×13 7;21	17-33	पूर्ण	गु. 1891	
21×18 14;17	155-165	पूर्ण	1848	
14 5×11 7;14	10-23	अपूर्ण	20वीं	इस प्रति में लेखक का नाम जनमुकुन्द लिखा है। परंतु इसके कर्ता जनमोहन ही होने चाहिये क्योंकि यह प्रति जनमोहन कृत 'सनेहलीला' से मिलती है।
58.5×9 50;14	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त।
17×13 12;15	55-56	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
18.5×18 7;16	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
28×17 7;14	1	,,	20वीं	जीर्ण
20×15 19;23	1	,,	20वीं	,,
33×12 39;13	1	,,	,,	,,
20×11 9;26	49-131	,,	1742	प्रति जीर्ण; लि.क. गोकुलदास निरंजिनी
32×24 15;28	400	,,	18वीं	
11×19 11;25	1	,,	18वीं	जीर्ण
19×11 10;20	15-24	,,	18वीं	जीर्ण

क्रमांक एवं - विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1027	585 (1)	साधु-संगत	प्रेमदास
1028	4077 (20)	साँझी के कवित्त	
1029	288	सीख	गुणध.मजी
1030	4077 (12)	सीत-सार ?	नागरीदास
1031	2459	सीता-हनुमान महिमा ग्रादि	बलवंत ब्रजेन्द्र
1032	113	सुखदेव-लीला	
1033	293	,,	मुरलीदास
1034	98	सुदामा-चरित्र	नरोत्तम कवि
1035	346	,,	ग्रालम कवि
1036	103	सुदामाजी की बारहखड़ी	विप्र सुदामा
1037	198	,,	
1038	502 (2)	,,	
1039	483	सुदामा-लीला	मुरलीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×11 9;26	11-23	अपूर्ण	1742	जीर्ण; पत्र सं. 1-10 तक अप्राप्त । लि.क. गोकुलदास निरंजिनी
17×13 12;15	60-61	,,	19वीं	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
13×11 6;14	12-18	,,	,,	आद्यन्त अप्राप्त। पत्रों का क्रम सही नहीं है।
17×13 12;15	37-39	,,	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि.स्था. भरतपुर
57.5×11.5 60;13	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
17×12 11;18	26-35	,,	1850	जीर्ण; लि.क. लक्षीराम कायस्थ
25×17 19;17	17-21	,,	20वीं	र.का. सं. 1687 पत्रांक 17वां दो बार है।
18×13 11;13	14	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त।
21×16 18;15	46-55	पूर्ण	,,	
17×21 1;18	31 36	,,	गु. 1850	जीर्ण
16×13 11;22	51-57	,,	19वीं	जीर्ण; दो पत्रों में चित्र भी है।
16×13 64;19	60-64	,,	गु. 1891	
25×15 19;13	25-30	,,	गु. 1902	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1040	1242	सुन्दर-विलास	सुन्दरदास शिष्य दादूदयाल
1041	445	सूर (प्रेम) पच्चीसी	सोमनाथ माथुर
1042	329	सूरसागर के पद	सूरदास
1043	220	सेऊ-समन की परची	अनंतदास
1044	479	सोलह-तीर्थ	मुरलीदास
1045	2470	स्फुट-काव्य (कृष्ण भक्ति)	
1046	2808	स्फुट-कवित्त-संग्रह	कैलाशी - गिरिराजप्रसाद मिश्र, छुट्टनलाल शर्मा, सेवक, कुलशेखर, शिवचरण, राधाकृष्ण, रामबाबू वर्मा, रसिक छैल
1047	302 (2)	स्फुट-छंद (राधा-कृष्ण के)	रामनारायण
1048	4487	"	
1049	92	स्फुट-पद	सूरदास
1050	339 (2)	"	माधौदास, तुलसीदास
1051	2502	"	नित्यानन्द
1052	4994 (4)	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
33×19.5 17;11	1–104	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 42-47, 49-55 व अंत अप्राप्त ।
28×18 23;15	84–86	पूर्ण	"	र. स्था. भरतपुर
24×16 17;14	76–82	"	"	
14×9 10;20	7	"	19वीं	जीर्ण
23×16 19;15	10–13	"	"	
21.5×14.5 11;23	3–18	अपूर्ण	"	जीर्ण; पत्र सं 1-2, 13-17 व अंत अप्राप्त ।
33,5×21 16;16	13	"	21वीं	जीर्ण; 12 पत्र छोटी मापके हैं। सभी कवि भरतपुर वासी हैं।
28×20 12;25	20	पूर्ण	20वीं	जीर्ण;
45×16 38;18	1	पूर्ण	"	जीर्ण
17×16 16;17	4	पूर्ण	19वीं	
24×16 23;16	4	अपूर्ण	"	जीर्ण
21×14 21;18	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
16×10 14;12	1	अपूर्ण	19वीं	अति जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1053	1250	स्फुट-भजन संग्रह	देव, चतुरपीव, चतुर सखि
1054	2700	स्फुट-वर्णन	
1055	193	स्याम-सगाई	सूरदास
1056	471	,,	
1057	200	,,	माधौदास
1058	1179 (12)	स्वामी-दादूदयालजी सत	
1059	358	स्वामी-श्रीराम-जन महाराज के मनहर छंद	रामजन
1060	2453	हनुमान-चालीसा	तुलसीदास
1061	809	हनुमान-जयति	रामरतन शिष्य मायाराम
1062	2809	हनुमान-बाहुक	गो० तुलसीदास
1063	166 (2)	हरिजस	नरसी मेहता
1064	125	हरिनाम-बेली	बृन्दावनदास
1065	19 (5)	हरिनाम-लीला	दामोदर
1066	474	,,	,,

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18 × 64 27; 9	6	पूर्ण;	20वीं	जीर्ण
22 × 11 17; 17	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
19 × 11 11; 22	39– 1	पूर्ण	19वीं	
16 × 10 13; 24	5	,,	1872	जीर्ण
16 × 13 11; 20	62–68	,,	19वीं	जीर्ण
19 × 11 6; 21	58–59	अपूर्ण	,,	जीर्ण
17 × 14 14; 28	11–23	पूर्ण	20वीं	
34.5 × 22 23; 34	8	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. मोहनलाल शर्मा विद्यार्थी
17 × 13 7; 12	12	पूर्ण	1920	लि.क. गणेश
13 × 13 8; 11	2–27	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त।
19 × 15 12; 24	6	पूर्ण	19वीं	
19 × 15 6; 23	10	,,	,,	र.का. सं. 1803
16 × 10.5 5; 14	44–68	,,	,,	लि.क. जोवाराम चौबे लि. स्था. तालवन
23 × 16 18; 16	5	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1067	70	हरिभक्तन को जसगान	नरसी मेहता
1068	1179 (8)	हरिसिंघ की चितावणी	हरिसिंह
1069	6	हिंडोरा के कवित्त	कुंभनदास कृष्णदास, चतुर्भुज, विट्ठल हरिदास, हित वृन्दावन।
1070	4077 (31)	,,	
1071	462	हिंडोरा के पद आदि	चतुर्भुज, विट्ठल, कुंभनदास, कृष्णदास, सूरदास
1072	96	हीन-पुरुष की बारहखड़ी	
1073	624	,,	
1074	406 (3)	होरी के छंद (सीताराम की)	प्रेमसखी
1075	406 (4)	,,	रूपसखी
1076	441	होरी के छन्द	ब्रजदूलह
1077	4077 (30)	होरी के छन्द	
1078	4077 (13)	होरी की मांझी	नागरीदास
8. कथावार्ता 1079	306	अकलनामा	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×15 20;17	6	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
19×11 9;21	41–45	,,	1701	जीर्ण; अंत में कबीर और प्रयागदास के दो छंद और हैं।
26×16 23;23	8	,,	19वीं	लि.क. जीवाराम ले, स्था. भरतपुर।
17×13 12;17	171–173	,,	,,	जीर्ण; लि.क. कनईराम लि स्था. भरतपुर
15×10 7;16	8	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
14×11 10;13	6	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
16×12 12;11	91–95	अपूर्ण	19वीं	
24×16 14;13	7–24	पूर्ण	गु० 1897	लि क. गिरधारीदास,
24×16 14;13	24–35	,,	,,	
28×18 22;15	4	,,	19वीं	
17×13 12;17	168–171	,,	,,	जीर्ण; लि.क. कनहीराम लि. स्था. भरतपुर
17×13 12;15	56-68	अपूर्ण	19वीं	,, ,,
27×17 17;20	127	पूर्ण	1896	र.का. सं. 1807 जयपुर नरेश माधोसिंह के समय लि.क. चौबे जीवाराम लि. स्था. तालापरा (भरतपुर)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1080	263	अचलदास खीची री वार्ता	
1081	417	उषा-चरित्र (उषा-अनिरुद्ध कथा)	दासकुंज
1082	264	एकल गिड दाढाला वाराहरी वार्ता	
1083	4573	कथा आदि	
1084	405	किस्सह-चार दरवेश	ठाकुर रसानन्द
1085	262	जलाल-गहाणी री वार्ता	
1086	407	तुहुक-ऐ-तुल इश्गा(ह)क	तालिब हसन
1087	289	प्रेम-प्रसंग (बारहवीं बात से अठारहवीं बात तक)	गिरधर
1088	79 (1)	मधुमालती-कथा	चतुर्भुजदास पुत्र रामनाथ निगम-'कायस्थ'
1089	225	,,	,,
1090	343	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×14 19; 19	33–52	पूर्ण	1844	लि. स्था. लोटोती ग्राम
19×14 11; 17	43–55	,,	गु 1913	र.का. 1831 लि.क. मिश्र हरनारायण लि स्था. ककडानगर,
19×14 19, 19	52–66	,,	1844	लि. स्था. लोटोती ग्राम
24×14 10 32	14	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; कहीं कहीं इसमें संस्कृत भापा का प्रयोग हुआ है।
34×20 22; 16	193	पूर्ण	1902	उर्दू लिपि में लि. स्था. गोवर्धन
19×14 19, 19	32	,,	1844	जीर्ण; लि. स्था. लोटोती गांव
33×20 21; 19	180	,,	1904	जीर्ण लि. स्था. गोवर्धन राजा बलवंतसिंह के लिये।
24×15 20; 15	24	,,	19वीं	
21×16 11; 12	148	,,	1915	लि क. बालगोविन्द
16×13 13; 20	79	,,	19वीं	अन्त में 2 पत्रों में "बिहारी सतसई" के 18 दोहे हैं
27×19 18; 22	41–64	अपूर्ण	1923	जीर्ण; लि.क. हरदेव लि स्था भरतपुर, तुरसमपाल नरेश की आज्ञा से। 1-40 तक पत्र अप्राप्त 50 वें पत्र के बाद 55 वाँ लगा हुआ है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1091	424	मधुमालती-कथा	चतुर्भुजदास पुत्र रामनाथ निगम-'कायस्थ'
1092	604	,,	,,
1093	623	रमन साहिजादे की किस्सागोई	
1094	337	राजा चित्रमुकुट-रानी चन्द्रकिरण की कथा	
1095	603	,,	
1096	30	विक्रम चरित्र पंचदंड कथा	वैद्यनाथ कवि
1097	611	विक्रम विलास (सिंहासन बत्तीसी)	अखैराम पुत्र दीनदयाल
1098	95	वैताल पच्चीसी कथा	
1099	506	वैताल पच्चीसी	मिश्रगंगेश (गंगाधर)
1100	622	,,	
1001	2816	शनिश्चर कथा	रामानन्द

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 14 9; 15	138	पूर्ण	1889	लि.क. मिश्र गोवर्धन लि. स्था. ग्रखैगढ़
21 × 18 14; 17	31–122	,,	1848	लि.क केशवराम राजा पुहपसिंह के लिए।
16 × 12 12; 11	89	अपूर्ण	19वीं	अंत अप्राप्त; 67वां पत्र फटा हुआ।
24 × 16 1 ; 14	65–99	पूर्ण	,,	
21 × 18 14. 17	31	,,	1848	जीर्ण; लि क केशवराम
16 × 13 7; 12	123	,,	19वीं	र.का. 1884 र. स्था. भरतपुर; कवि सोमनाथ माथुर का वंशज है।
26 × 17 15; 13	113	,,	1858	जीर्ण; र.का. 1812 र. स्था. डीग। लेखक का निवास (मथुरा) लि.क. चौबे जोवाराम लि. स्था. भरतपुर
27 × 17 11; 17	318–351	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त।
28 × 17 17; 13	1–133	,,	1894	र.का 1739 लि.क. नृसिंहानन्द चौबे पत्र सं. 49 वां 128 वां अप्राप्त, 6) वां फटा हुआ।
17 × 12 9; 19	182	पूर्ण	19वीं	गुरुमुखी लिपि में
22 × 16 10; 27	2–24	अपूर्ण	1936	जीर्ण; र का. 1820 लेखक निवास नींदड़ (जयपुर) अंतिम 24 व 25 वें पत्र पर संस्कृत में पूजाविधि लिखी है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1102	582	सदैवच्छसावलिंगा री वारता	
1103	303	सिंहासन-बत्तीसी	अखैराम
1104	408	"	
1105	464	"	अखैराम
1106	504	"	"
1107	287	सुजान-विलास (विक्रम कथा बत्तीस प्रकाश)	सोमनाथ
1108	4537	स्फुट-कथा (गद्य में)	
नाटक-9 1109	563	देवमाया प्रपंच बुद्धि विजय	देव
1110	450	राम-करुणा नाटक	उदै (उदयराम)
1111	339 (1)	शकुन्तला-नाटक	निवाज कवि
1112	168	हनुमान-नाटक	उदयराम

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 10 10; 22	92	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
25 × 16 12; 8	250	पूर्ण	19वीं	कीट भक्षित; र का 1812 लि.क. चिरंजीवलाल
32 × 20 13; 12	323		20वीं	जीर्ण; र.का 1921 लि क. बालगोविन्द गो.
30 × 20 13; 13	171	अपूर्ण	20वीं	र का. 1812 पत्र 136, 141 वाँ फटा हुआ। पत्र 136 के बाद 145, 152 तक हैं उसके बाद 137 वाँ है
26 × 17 12 8	269	पूर्ण	1911	र का 1812 लि.क गो. बालगोविन्द, महाराजा सूरजमल के लिए
24 × 15 19, 18	20–132	,,	19वीं	जीर्ण; र.का. 1807 113 वाँ पत्र दो बार 12) वाँ फटा हुआ।
15 × 10 12; 12	4	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
27 × 18 25; 15	44	पूर्ण	1898	
17 × 14 7; 15	28–47	,,	19वीं	लि क. सर्व सुखदास, महाराजा बलवन्तसिंह के समय।
24 × 16 21; 15	1–32	,,	19वीं	आजम खाँ के आश्रय में
18 × 14 8; 16	19	,,	1922	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1113	449	हनुमान-नाटक	उदयराम
10. काव्यशा			
1114	13	अलंकार-आभा	चतुर्भुज मिश्र (चतुर)
1115	4070	अलंकार-करुणा भरण	
1116	354	अलंकार-कला निधि	कृष्ण कवि (कवि-कलानिधि)
1117	75	,,	
1118	4311	कविकल्पद्रुम-कविकुल	रामदास
1119	1222	कण्ठाभरण	दूलहकवि
1120	344	कविप्रिया	केशवदास
1121	384	,,	,,
1122	514	कविप्रिया	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 14 7; 15	26	पूर्ण	19वीं	लि.क. सर्वसुखदास, महाराजा बलवन्तसिंह के समय में पत्रांक 11वां अलिखित
28 × 17 17; 15	9 121	अपूर्ण	,,	आद्यन्त अप्राप्त। पत्र 1-8 व 122-130 तक अप्राप्त छंदों में कवि का नाम "चतुर" मिलता है।
29 × 18 18; 16	24	,,	,,	जीर्ण; अंतिम पत्र फटा हुआ है।
21 × 16 14; 16	260+2 =262	,,	,,	महाराजा भोगीलाल की आज्ञा से मम्मट के काव्यप्रकाश पर आधारित।
18 × 15 13; 20	130	,,	,,	जीर्ण; र.का. 1800 राजा भोगीलाल के आश्रय में; अंत अप्राप्त।
29 × 18 28; 22	14	पूर्ण	1916	जीर्ण; र.का 1909
27 × 17 20; 16	51–63	अपूर्ण	1905	
22 × 15 22; 20	79	,,	19वीं	जीर्ण; र.का. 1658
20 × 14 19; 23	52–55 व 1–74	,,	1790	जीर्ण; लि. क. रघुनाथदास, प्रतापसिंह के लिए।
30 × 22 18; 18	6–106	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; र.का. 1658 ओरछा नरेश इन्द्रजीतसिंह के राज्य में।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1123	1239	कविप्रिया	केशवदास
1124	1344	,,	,,
1125	515	,, सटीक	,,
1126	2517	कविवल्लभ	हरिचरणदास
1127	1247	काव्य रसायन	देवदत्त (देव)
1128	237 (2)	कुण्डलिया (हाव, भाव, संचारी आदि वर्णन)	सखिसूरज
1129	522	गोविन्द विलास	कृष्णकवि
1130	234	जगत विनोद	पद्माकर पुत्र मोहन ाल भट्ट
1131	274	,,	,,
1132	402	जोरावर-प्रकाश (रसिक प्रिया की टीका)	केशवदास टी. सूरति मि
1133	205	नखशिख-वर्णन	रामकवि उर्फ रा लाल
1134	272	नखशिख	ग्वाल

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
30 × 22 18; 18	6–106	अपूर्ण	1891	जीर्ण; लि स्था. वैर पत्र स. 1-5 अप्राप्त
17 5 × 12 5 13; 12	4–174	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-3 व 17 वां अप्राप्त ।
25 × 16 20; 17	195	पूर्ण	,	जीर्ण; र.का. 1658
31 × 17 5 30; 19	2	,,	2)वीं	जोर्ण
21.5 × 15 20; 16	3–46	अपूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र स 1–2 व अन्त अप्रा त
18 × 13 14; 12	106–140	,,	,,	जीर्ण
20 × 15 13, 10	169	पूर्ण	1893	जीर्ण: अ.मेर के कूर्मवंशी हरनाथ के पुत्र महाराजा गोविन्दसिंह की आज्ञा से। 72 वां पत्र दो वार है।
22 × 15 20; 20	79	,,	1875	जीर्ण; जयपुर नरेश जगतसिंह की आज्ञा से।
32 × 19 25; 15	63	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण अन्त अप्राप्त
20 × 14 18; 18	63	,,	19वीं	जीर्ण; बीकानेर नरेश सुजान के पुत्र जोरावरसिंह के लिये रचित। अन्त अपूर्ण।
18 × 13 12; 12	22	पूर्ण	19वीं	महाराजा बलवन्तसिंह भरतपुर के लिये
26 × 17 16; 16	1–31	अपूर्ण	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1135	228	नखशिख वर्णन	कान्ह कवि
1136	269	,,	केशवदास
1137	286	नखशिख-वर्णन	बलिभद्र
1138	297	नखशिख-वर्णन व कवित्त	,,
1139	447 (1)	नखशिख	,,
1140	2324	नखशिख-ध्यान	
1141	271	नखशिख-वर्णन	ग्वाल कवि
1142	2500	,,	,,
1143	447 (2)	,, (संग्रह)	तारा, मतिराम, कालीदास, हरिचन्द, रसिक, आलम, रसाल
1144	18	नवलरस-चन्द्रोदय	शोभकवि (शोभनाथ)
1145	1226	नायिका भेद व अलंकार निरूपण	
1146	233	नेहतरंग	रावराजा बुधसिंह

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15 × 11 13; 12	28	पूर्ण	,,	
23 × 15 30; 30	6	,,	,,	
24 × 15 21; 18	1	अपूर्ण	,,	
27 × 17 22; 30	9	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; 9वां पत्र फटा हुआ
17 × 15 10; 15	1–34	,,	1895	लि.क. चौ[illegible] जीवाराम
23 × 12.5 9; 28	1	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
23 × 15 30; 30	11–17	,,	,,	अन्त अप्राप्त
27 × 16.5 16; 17	1	,,	,,	जीर्ण; ,,
17 × 15 10; 15	34 130	पूर्ण	1895	लि.क. चौबे जीवाराम
26 × 16 23; 17	36	,,	19वीं	र.का. 1828 महाराजा सूरजमल के पुत्र राजा [illegible]लसिंह के विनोदार्थ पत्र 5 व 6 फटा हुआ
22 × 17 11; 12	2–37	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; प्रथम [illegible]त्र व अन्त अप्राप्त
16 × 14 8; 12	140	पूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1147	459	नेहतरंग (नायिका भेद)	
1148	242	पिङ्गल	चिन्तामनि
1149	4074	पिङ्गलसार	मोहनदास
1150	620 (1-2)	प्रबोधरस सुधासागर	संक. नबीन कवि
1151	213	बारहमासा (रस, नायक-नायिका भेद)	चिरंजीव वीर कवि पुत्र हरिदत्त
1152	249	"	"
1153	167	ब्रजेन्द्र-विलास	रसानन्द
1154	212	भाव-विलास	देव
1155	241	भाषा-तिलक	हरिप्रसाद पुत्र श्री गंगेश मिश्र

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 × 14 14; 21	10–46	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1-9 तक अप्राप्त
24 × 16 21; 18	3-9	पूर्ण	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1-2 अप्राप्त; छंदश स्त्र
21 × 14 0; 22	12	,,	1907	जीर्ण; र.का. 1846 लि.क. सूर्यमल्ल कायस्थ; ,,
35.5 × 26.5 16; 17	450	,,	1910	जीर्ण र.का. 1865 लि क तेजसिंह सिपाही, महाराजा जसवन्तसिंह के समय। ग्रन्थ नाम कहीं सुधासर एवं कहीं सुधारस' मिलता है।
27 × 13 20; 16	45	,,	1835	जीर्ण: लि. क. वृन्दावनचन्द्र-सारस्वत; लि स्था. मथुरा
25 × 16 17; 14	82	,,	1898	लि.क. चौबे जीवाराम; पत्रांक 62वां दो बार। भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह के राज्य में।
25 × 16 18; 15	1–2 33–119	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; र.का. 1895 भरतपुर नरेश बलवन्तसिंह की आज्ञा से रचित। पत्र सं. 25-32 व 120वां अप्राप्त।
25 × 16 17; 12	72	पूर्ण	1894	र. स्था- इटावा लि.क. चौबे जीवाराम लि. स्था. भरतपुर
24 × 16 23; 19	75	,,	19वीं	र का. 1768 पत्र संख्या 29वाँ रिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1156	467	भाषा-तिलक	हरिप्रसाद पुत्र श्री गंगेश मिश्र
1157	265	भाषा-भूषण	महाराजा जसवन्तसिंह
1158	347	,,	,,
1159	118	रस-आनन्दघन	आनन्दघन
1160	4	रस-चन्द्रोदय	कविन्द (कविन्दु, कवीन्द्र)
1161	71	रस-पीयूषनिधि	सोमनाथ माथुर
1162	300	,,	,,
1163	377	,,	,,
1164	4310	,,	,,
1165	121 (1)	रसमंजरी	नन्ददास
1166	381	रस-रत्नटीका (नायिका भेद)	सूरतिमिश्र
1167	372	रस-रत्नावली	मण्डन कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19 × 15 14;14	180	पूर्ण	1860	र.का. 1700
13 × 12 7;12	9	अपूर्ण	गु. 1890	अंत अप्राप्त
21 × 13 14;9	29	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 2, 4-8 अप्राप्त
25 × 16 17;16	21	,,	20वीं	अंत अप्राप्त
25 × 16 15;17	59	पूर्ण	1869	लि.क चौबे जीवाराम लि. स्था. भरतपुर
26 × 17 18;18	138	,,	1890	र.का 1794 राजा प्रतापसिंह वैर के लिये र. स्था. वैर
27 × 17 22;20	1-96	,,	20वीं	र. स्था. वैर (भरतपुर)
28 × 16 8;24	73-101	अपूर्ण	1890	जीर्ण; राजा प्रतापसिंह के लिये। आदि के 72 पत्र व अंत अप्राप्त
24 × 17 19;12	152	,,	19वीं	जीर्ण; राजा प्रतापसिंह के समय में, अंत अप्राप्त
23 × 15 20;20	23-36	,,	,,	जीर्ण; प्रारम्भ अप्राप्त
21 × 15 24;20	18	,,	,,	र.का. 1761 र. स्था. मेड़तानगर, सुलतानमल के लिए; प्रारम्भ अप्राप्त
19 × 17 9;10	77	पूर्ण	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1168	382	रस-रत्नावली	मण्डन कवि
1169	353	रसराज	मतिराम
1170	373	"	"
1171	378	"	"
1172	383	"	"
1173	1246	"	"
1174	84	रस-विनोद	कृष्णदास
1175	1241	रस-रहस्य	कुलपति मिश्र
1176	2323	"	"
1177	1184	"	"
1178	1185	"	"
1179	16	रस-सिरोमनि	महाराजा रामसिंह पुत्र छत्रसिंह नृपति कूर्मवंशी
1180	386	रसिक-प्रिया	केशवदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 × 14 19;23	20	पूर्ण	1790	जीर्ण
21 × 16 14;16	64	,,	19वीं	
19 × 17 9;10	77–227	,,	20वीं	
25 × 15 21;15	41	,,	19वीं	जीर्ण
20 × 14 19;23	20–51	,,	गु. 1790	जीर्ण
21.5 × 16 21;17	33	अपूर्ण	1803	जीर्ण; लि.क. घासीराम पारासर; 31-32 पत्र अप्राप्त
19 × 16 14;18	30	पूर्ण	1941	र.का. 1920 लि.क. इन्दुमिश्र लि. स्था. नगर
30 × 22 16;17	12–22	,,	1891	लि.क. मनसाराम; कीट भक्षित लि. स्था. वैर (भरतपुर)
28 × 14 11;28	64–83	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1727 अंत अप्राप्त
22.5 × 14.5 12;31	64	,,	,,	र.का. 1727
21 × 15.5 18;18	87	,,	19वीं	जीर्ण; र.का. 1727 पत्र स. 4 अप्राप्त
26 × 16 19;16	55	पूर्ण	19वीं	र.का. 1830
20 × 14 19;23	66	पूर्ण	गु० 1790	जीर्ण; र.का. 1648 ओरछा नरेश इन्द्रजीतसिंह के लिए। लि.क. विरधीचन्द

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1181	399	रसिकप्रिया	केशवदास
1182	1954	,,	,,
1183	4072	,,	,,
1184	78	रसिक प्रिया टीका (रसग्राहक-चन्द्रिका)	टी सूरति मिश्र
1185	243	रसिकरंजन	
1186	379	रामचन्द्राभरण	गोपकवि
1187	1223	,,	,,
1188	121 (3)	रूपमंजरी	द
1189	367	ललित-ललाम	तिराम
1190	2	वधु-विनोद (नायिका भेद)	ली स

T

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22 × 16 13; 23	82	पूर्ण	1723	जीर्ण; र.का. 1648
21 × 17 9; 10	35, 36, 38वां	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
27 × 14 11; 35	63	पूर्ण	1526	जीर्ण; लि. स्था. कामा
15 × 14 18 24	124	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1, 3-5 तक अप्राप्त, टीका र. स्था. आगरा
24 × 16 14; 12	39-44	"	"	जीर्ण
21 × 13 16; 13	21-40	"	1808	जीर्ण; लि.क. लालजी माथुर लि. स्था रतनकुण्ड
27 × 17 20; 16	63-80	"	1905	
23 × 15 20 20	42-61	"	19वीं	जीर्ण; अत अप्राप्त, अन्तिम 3 पत्र फटे हुए लेखक नाम का छन्द-'परम प्रेम पद्धति इकु आही नन्द जथामति वरनत ताही
17 × 13 9; 18	63	पूर्ण	1880	हाड़ा राजा सत्रुसाल के पुत्र भावसिंह के आश्रय में रचना की लि. स्था. भरतपुर (राजा बलदेव के राज्य में)
32 × 16 14; 46	23	अपूर्ण	1804	जीर्ण; राजा जोगाजीत के राज्य में रचित । लि.क. सोमनाथ लि. स्था. वैर (भरतपुर)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1191	448	वधु-विनोद (नायिका भेद)	कालीदास
1192	2828	वृषभानपुर सुख विलास वेली (नखशिख वर्णन)	बलिभद्र
1193	1220	व्यंग्यार्थ कौमदी (टीका प्रताप प्रकाश)	प्रताप साहि
1194	1347	,,	,,
1195	3	सरसरस	सूरतराम
1196	460	सिंगाररस माधुरी	कृष्णभट्ट 'कवि कलानिधि'
1197	169	सुन्दर-सिंगार	महाकवि सुन्दर
1198	434	,,	,,
1199	784	,,	,,
1200	1180	,,	,,
1201	1348	,,	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 15 9; 12	99	पूर्ण	1895	आदि में राजवंश वर्णन है कवि राजा जोगाजीत का समकालीन है। इनके विनोद के लिये रचना की है।
29 × 17 17; 15	1–7	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त
27 × 17 20 16	28–48	,,	1905	पत्र सं. 1-27 तक अप्राप्त
2 .5 × 17.5 21, 19	9	,,	19वीं	अंत अप्राप्त
26 × 16 20; 14	109	पूर्ण	1895	र.का. 1794 र. स्था. आगरा लि.क. जीवाराम, लि. स्था. भरतपुर
19 × 15 14; 13	154	,,	19वीं	जीर्ण; र.का. 1769 बूंदी नरेश बुधसिंह के आश्रय में
14 × 10 6; 15	46–58	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1688; र स्था. आगरा पत्र सं. 14-15 अप्राप्त
13 × 10 8; 18	1–101	पूर्ण	1818	र.का 1688 र. स्था. आगरा लि.क. अनूपराम वासी आभानेर लि. स्था. हलैना (भरतपुर)
20 × 11 19; 18	1–57	अपूर्ण	1761	जीर्ण; र.का. 1688 पत्र 5-6, 8 अप्राप्त
19 × 15.5 10; 19	1-60	,,	1887	जीर्ण; पत्र सं. 14-18, 34, 43, 44, 47 अप्राप्त
30 × 15.5 12; 43	10	,,	20वीं	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1202	4497	स्फुट छंद	
12 कोश 1203	74	नाममंजरी	नन्ददास
1204	270	अनेकार्थमंजरी	,,
1205	1240	,,	,,
1206	229	नाम प्रकाश भाषा (अमरकोश भाषा)	मू. अमरसिंह टी· नूर मियां
13 आयुर्वेद 1207	583	अंजनविधि आदि वैद्यक नुस्खे	
1208	556	घोड़ों की औषधि	
1209	593	तिब्बत का सार संग्रह	जाफर
1210	2719	नुस्खा (बवासीर का)	
1211	704	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1212	705	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28 × 17 21; 22	2	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
18 × 15 13; 22	32	,,	19वीं	अंत अप्राप्त
23 × 15 30; 30	7–11	पूर्ण	,,	
30 × 22 18; 18	6–9	अपूर्ण	1891	जीर्ण; लि.क. मनसाराम ब्राह्मण लि. स्था. बैर; पत्र 6-7 में सुन्दर काण्ड का प्रसंग है
17 × 12 8; 12	59 + 1 = 60	पूर्ण	1900	लि.क. चौबे जीवाराम लि. स्था. भरतपुर अंत में एक पत्र अतिरिक्त है
14 × 10 10; 20	3	अपूर्ण	19वीं	
17 × 11 23; 18	35–47	पूर्ण	,,	जीर्ण; ग्रन्थ की प्रतिलिपि दो लिपिकारों ने की है
27 × 12 10; 23	21	,,	,,	जीर्ण
31 × 12 17; 15	1	,,	,,	
21 × 17 10; 16	85	,,	1920 ई०	जीर्ण; लि.क. जमुनाप्रसाद भरतपुर की रानी गिरिराज कौर के लिए प्रतिलिपित।
21 × 17 10; 17	46	,,	,,	जीर्ण; लि. क नत्थीलाल वैद्य लि. स्था. भरतपुर; पत्रों में केवल एक तरफ ही लिखा गया है

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1213	706	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1214	707	,,	
1215	708	,,	
1216	709	,,	
1217	710	,,	
1218	711	,,	
1219	712	,,	
1220	713	,,	
1221	714	,,	
1222	715	,,	
1223	716	,,	
1224	717	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 10; 18	16	पूर्ण	1920 ई.	जीर्ण; लि.क. नत्थीलाल वैद्य लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 20	93	,,	,,	,, ,,
21 × 17 11; 18	99	,,	1919 ई.	जीर्ण; लि.क. बसंतलाल शर्मा लि स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 20	80	,,	1920 ई.	जीर्ण; लि.क. किशोरीलाल शर्मा लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10, 17	92	अपूर्ण	,,	जीर्ण; लि.क. रोशनलाल लि.स्था. भरतपुर अंत अप्राप्त
21 × 17 11; 18	100	पूर्ण	1919 ई.	लि क. रोशनलाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 20	99	,,	,,	लि क. किशोरीलाल अग्रवाल लि स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 21	58	,,	1920 ई.	
21 × 17 10; 19	39	,,	1919 ई.	लि.क. किशोरीलाल अग्रवाल लि. स्था. भरतपुर; जीर्ण
21 × 17 10; 18	46	,,	1920 ई.	लि.क. बस्वन्दालाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 16	33	,,	,,	लि.क. किशोरीलाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 20	77	,,	1919 ई.	लि.क. लेखराज लि.स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1225	718	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1226	719	,,	
1227	720	,,	
1228	721	,,	
1229	722	,,	
1230	723	,,	
1231	724	,,	
1232	725	,,	
1233	726	,,	
1234	727	,,	
1235	728	,,	
1236	729	,,	
1237	730	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 10; 14	59	पूर्ण	1920 ई.	जीर्ण; लि.स्था. भरतपुर लि.क. जगदीशप्रसाद
21 × 17 10; 11	41	,,	1919 ई	लि स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 18	30	.	1920 ई.	,,
21 × 17 10; 18	22	,,	,,	,,
21 × 17 10, 28	24	,,	,,	,,
21 × 17 11; 19	91	,,	,,	लि.क. रामसिंह वैद्य
21 × 17 11; 18	17	,,	,,	लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 14; 20	73	,,	1919 ई	लि.क. गोपालनारायण शर्मा लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 17	98	,,	,,	लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 13; 17	97	,,	,,	लि.क. दुर्गाप्रसाद
21 × 17 12; 20	63	,,	1976	लि.क. गंगाशंकर शर्मा प्रथम पत्र उर्दू भाषा का है
21 × 17 12; 19	64	,,	1920 ई.	लि.क शिवसिंह सपेरा लि.स्था. मानपुर (अलीगढ़)
21 × 17 14; 21	64	,,	,,	,, ,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1238	731	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1239	732	,,	
1240	733	,,	
1241	734	,,	
1242	735	,,	
1243	736	,,	
1244	737	,,	
1245	738	,,	
1246	739	,,	
1247	740	,,	
1248	741	,,	
1249	742	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 11; 18	16	पूर्ण	1920 ई.	
21 × 17 13; 20	16	,,	,,	लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 15	42	,,	,,	लि.क. बसन्तीलाल शर्मा लि. स्था. वास पाखरिया (भरतपुर)
21 × 17 9; 18	49	,,	,,	लि.क. टीकाराम लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 15	99	,,	1919 ई	लि.क. लेखराज लि.स्था. भरतपुर, माजी साहिबा ने लिखवाई
21 × 17 9; 14	94	,,	,,	
21 × 17 10; 14	96	,,	1920 ई.	लि.क. तख्तीलाल
21 × 17 14; 13	100	,,	1919 ई.	लि क. ईश्वरीप्रसाद
21 × 17 11; 15	98	,,	,,	
21 × 17 10; 12	91	,,	,,	लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 20; 18	39	,,	1920 ई.	लि.क. गोपीलाल वैद्य लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 14	74	,,	1919 ई.	लि.क. जमुनाप्रसाद ब्राह्मण लि. स्था. पाखरिया (भरतपुर)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1250	743	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1251	744	,,	
1252	745	,,	
1253	746	,,	
1254	747	,,	
1255	748	,,	
1256	749	,,	
1257	750	,,	
1258	751	,,	
1259	752	,,	
1260	753	,,	
1261	754	,,	
1262	755	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 10; 12	11	पूर्ण	1919 ई.	लि.क. कन्हैयालाल लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 16	73	,,	19_0 ई.	लि.क. ईश्वरीप्रसाद लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 19	85	,,	1919 ई.	लि.क. नत्थीलाल लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 11, 15	95	,,	,,	लि.क. दुर्गाप्रसाद देवीवाला लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 14	95	,,	,,	लि.क. जमुनाप्रसाद लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 13; 16	63	,,	1920 ई.	लि.क. शिवसिंह लि.स्था. अलीगढ़
21 × 17 10; 24	88	,,	,,	लि.क. किशोरीलाल लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 18	10	अपूर्ण	,,	
21 × 17 10; 12	94	पूर्ण	,,	लि.क. नत्थीलाल वैश्य लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 15	95	,,	1920 ई.	लि.क बसन्तलाल शर्मा लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 15	93	,,	1919 ई.	लि.क ईश्वरीप्रसाद लि.स्था भरतपुर
21 × 17 11; 18	95	,,	,,	लि स्था भरतपुर
21 × 17 10; 16	95	,,	,,	लि क. गणेशीलाल लि.स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1263	756	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1264	757	"	
1265	758	"	
1266	759	"	
1267	760	"	
1268	761	"	
1269	762	"	
1270	763	"	
1271	764	"	
1272	765	"	
1273	766	"	
1274	767	"	
1275	768	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 11;16	92	पूर्ण	1920 ई.	लि.स्था. भरतपुर
2 × 17 10;18	99	,,	1919 ई.	लि.क. रोशनलाल लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 8;18	16	,,	1920 ई.	लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 9;15	10	,,	,,	लि.क. सदानन्दराम लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 9.17	99	,,	1919 ई.	लि.क. जगदीशप्रसाद शर्मा लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 10;14	91	,,	,,	लि.क. जमुनाप्रसाद लि स्था. बास पाखरिया (भरतपुर)
21 × 17 10;22	96	,,	,,	लि.क. किशोरीलाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10;16	87	,,	,,	लि.क. जमुनाप्रसाद ब्राह्मण लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10;17	96	,,	,,	लि.क. गणेशीलाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 12;18	95	,,	,,	लि.क. रोशनलाल लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11;16	99	,,	,,	लि.क. बसंतलाल शर्मा लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10;15	89	,,	1920 ई.	लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 13;18	92	,	,,	लि.क. बसंतलाल शर्मा लि. स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1276	769	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1277	770	,,	
1278	771	,,	
1279	772	,,	
1280	773	,,	
1281	774	,,	
1282	775	,,	
1283	776	,,	
1284	777	,,	
1285	778	,,	
1286	779	,,	
1287	780	,,	
1288	781	,,	
1289	782	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 10; 13	94	अपूर्ण	1920 ई.	अन्त अप्राप्त
21 × 17 10; 15	102	पूर्ण	1919 ई.	लि.क. बसंतलाल शर्मा लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 15	97	,,	,,	लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 18	100	,,	,,	लि.क ईश्वरीप्रसाद लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 12	100	,,	,,	लि.क. दुर्गाप्रसाद देवी वाले लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 15; 16	44	,,	1920 ई.	जीर्ण; लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 10; 22	100	,,	1919 ई.	लि.क. किशोरीलाल लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 14	99	,,	,,	लि क. जगदीशप्रसाद शर्मा लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 14	95	,,	,,	लि क बसंतलाल शर्मा लि.स्था. भरतपुर
21 × 17 6, 18	30	,,	1920 ई.	लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 8; 10	101	पूर्ण	1919 ई.	लि क. जमुनाप्रसाद ब्राह्मण लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 11; 15	35	,,	1920 ई.	जीर्ण; लि.क. दुर्गाप्रसाद लि. स्था. भरतपुर
21 × 17 9; 20	53	अपूर्ण	1919 ई.	लि स्था. भरतपुर; अंत अप्राप्त
21 × 14 16; 14	16	,,	1920 ई.	लि. स्था. भरतपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1290	783	प्रयोगसिद्ध आयुर्वेदिक नुस्खे	
1291	4736	मिर्च आदि का तेल बनाने की विधि	
1292	596	रामविनोद	रामचन्द्र शिष्य पद्मरंग
1293	527	वैद्यक	
1294	594	,,	
1295	4160 (1)	,,	
1296	592	,,	
1297	4392	,,	
1298	597	वैद्य मनोत्सव	नयनसुख पुत्र केशव
1299	595	शालिहोत्र सार-संग्रह-टीका	मू. शालिहोत्र
1300	4608	सर्प काटने का इलाज व वीर्य बढ़ाने का नुस्खा	
ज्योतिष-14 1301	4068	इन्द्रजाल की मंत्रावली	
1302	285	ज्ञान स्वरोदय	चरणदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22 × 12 14; 12	19	पूर्ण	1920 ई.	जीर्ण; लि. स्था. भरतपुर
19 × 15 9; 7	2	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र के पीछे संस्कृत में कर्मविपाक लिखा है।
26 × 16 10 34	151	,,	1897	लि.क. सीताराम लि. स्था. वैर (भरतपुर)
15 × 7 7 25	127–175	,,	1795	जीर्ण; पत्र सं 158, 159 व 167 फटा हुआ।
20 × 14 8 2	24	,,	,,	जीर्ण
15 × 12 9, 13	1–2	,,	,,	,,
14 × 11 11; 16	36	,,	,,	
21 × 13 15; 14	5–8	अपूर्ण	,,	जीर्ण
26 × 16 8; 24	34	पूर्ण	1913	र.का. 1649 लि. स्था. बैर (भरतपुर)
28 × 17 11; 15	68	अपूर्ण	19वीं	
17 × 13 9; 18	2	,,	20वीं	जीर्ण; अंत अप्राप्त
29 × 10 8; 33	5	,,	19वीं	जीर्ण; पत्र संख्या 4 अप्राप्त
24 × 15 20; 16	76–90	,,	,,	आद्यन्त अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1303	438	ज्ञान-स्वरोदय	चरणदास शिष्य शुकदेव
1304	528	,,	,,
1305	529	,,	,,
1306	539	,,	,,
1307	540	,,	,,
1308	4575 (3)	,,	,,
1309	4707	,,	,,
1310	2678	ज्योतिष (फल आदि)	
1311	542	जातक-भूषण जोग भाषा	जयदेव
1312	4160 (5)	ज्योतिष आदि	
1313	4696	ज्योतिष-गणना	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16 × 12 8; 18	86–117	पूर्ण	1874	चरणदास का बचपन का नाम रंजीत व पिता का नाम मुरलो था।
17 × 13 9; 22	24	,,	19वीं	लि.क- बखतराम लि. स्था. डीग (भरतपुर)
22 × 9 5; 26	29	,,	1895	जीर्ण; पत्र 24वां दो बार है
15 × 13 13; 16	6-42	अपूर्ण	1864	अति जीर्ण; लि.क. मिश्र जोधराज पत्र सं. 1-5 तक अप्राप्त। 42वें पत्र में दो कवित्त और हैं।
16 × 13 12; 15	27	पूर्ण	1907	लि.क. मिश्र खूबीराम लि. स्था. गादौली; आरंभ के एक पत्र में स्फुट वर्णन है।
15 × 10 13; 18	1–22	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
20 × 10 10; 25	12	,,	,,	जीर्ण
38 × 22 15; 44	1	पूर्ण	20वीं	,,
23 × 16 26; 23	10	,,	1884	र. का. 1871 महाराजा बलदेव की आज्ञा से लि.क. गोबिन्दराम ब्राह्मण
15 × 12 7; 13	51–78	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
18 × 14 15; 32	13	,,	20वीं	जीर्ण; आद्यन्त अप्राप्त, अन्त में एक स्तोत्र है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1314	4715	ज्योतिष-ग्रन्थ	
1315	2602	पल्ली-विचार	
1316	4578	पाराशरी-जातक भाषा	विष्णुदास
1317	2224	प्रश्न-विचार	नन्दराय
1318	4706	प्रश्न-षटपंचाशिका	
1319	2823	बसंतराज-शाकुन	
1320	537	बसंतराज-शाकुन भाषा (गद्य)	
1321	4073	रामाज्ञा (प्रश्नावली)	तुलसीदास
1322	427	राशि-तिथि, नक्षत्रादि फल छींक विचार	
1323	546	लघुजातक-भाषा	अखैराम द्विज
1324	543 (1)	शीघ्रबोध भाषा टीका	काशीनाथ भट्टाचार्य
1325	4722	शीघ्रबोध-भाषा टीका	,,
1326	584	सगुनावली	तुलसीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22 × 17 10; 25	8	पूर्ण	1965	जीर्ण; लि.क. लालहंस शर्मा
17 × 11 7; 20	2	अपूर्ण	19वीं	
20 × 16 10; 22	11	पूर्ण	1884	
16.5 × 11 8; 11	12	अपूर्ण	20वीं	
24 × 14 10; 30	16	,,	19वीं	अतिजीर्ण; इसमें संस्कृत भाषा भी है।
26 × 16 16; 17	3–36	अपूर्ण	,,	अतिजीर्ण; पत्र सं. 1-2, 8, 24-26, 32-34व अन्त अप्राप्त।
21 × 15 10, 19	133	पूर्ण	19वीं	
22 × 16 14; 28	20	,,	1903	जीर्ण; लि क सालिग्राम ब्राह्मण
13 × 13 12; 13	5	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; लि.क. मिश्रलाल
28 × 14 12, 39	3	,,	,,	कीटभक्षित; तीनों पत्र कटे हुए हैं
20 × 15 13; 23	86	,,	,,	जीर्ण
26 × 17 14; 13	54	,,	,,	जीर्ण; पत्र सं. 1, 3 व अन्त अप्राप्त
16 × 11 14; 13	26	,,	,,	जीर्ण; अन्त अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1327	1244	समय-विचार	
1328	523	सामुद्रिक	ताहरकबि
1329	4574	सामुद्रिक-विचार भाषा	
1330	4575 (1)	सामुद्रिक-विचार भाषा	अजैराज
कामशास्त्र 17 1331	1245	कोकशास्त्र	कोक
1332	1243	रसकोक-कोक सामुद्रिक	"
तंत्रमंत्र शास्त्र-20 1333	4304 (1)	अनेक तंत्र-संग्रह	
1334	4302	इन्द्रजाल	
1335	4336	"	
1336	4786	उलूक-कल्प	
1337	534	ऋद्धि-मन्त्र विधि	
1338	4766	काल-भैरव मन्त्र प्रकार	
1339	4790	कालविधि व मन्त्र विधि	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 16 20; 20	21	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
15 × 7 5; 19	54	पूर्ण	1795	जीर्ण; लि.क. दयालदास पत्र सं. 6ठा कीटभक्षित'
19 × 16 14; 17	2–51	अपूर्ण	1924	जीर्ण; लि.क. विप्र भोलाराम
15 × 10 8; 19	10–34	,,	19वीं	जीर्ण; आदि के 9 पत्र अप्राप्त
28 × 17.5 20; 22	1–10	,,	19वीं	जीर्ण; आदि अपूर्ण, प्रथम व अन्तिम पत्र फटे हुए।
24 × 6 23; 22	18	,,	,,	कीटभक्षित; पत्र 1-8 में "कोक सामुद्रिक" विवरण है।
22 × 14 11; 32	38	पूर्ण	1941	अतिजीर्ण
29 × 14 11; 15	18	,,	19वीं	जीर्ण; इसमें संस्कृत भाषा भी है। लि.क. सिद्धिनाथ
21 × 14 15; 12	2	अपूर्ण	19वीं	लि.क. बखतरम लि. स्था. आभानेरी
22 × 11 9; 23	30–32	पूर्ण	,,	जीर्ण
17 × 13 9; 22	1–2	,,	,,	,,
22 × 11 9; 25	2	,,	20वीं	,,
22 × 11 9; 21	5	,,	19वीं	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1340	4731	चोर काटने का मन्त्र	
1341	204	जन्त्र-चौतीस का	
1342	4394	तुलसी-बीज मन्त्र	
1343	4828	तन्त्र-प्रयोग	
1344	531	नृसिंह-रक्षा मन्त्र	
1345	4414	मन्त्र की पुस्तक	
1346	4598	मन्त्र-तन्त्र (हनुमानजी का सिद्धि मन्त्र)	
1347	4594 (3)	मन्त्र-तन्त्र	
1348	4209	मन्त्र-पाशाकेवली	
1349	4767	मन्त्र-यन्त्र आदि संग्रह	
1350	538	मन्त्र-संग्रह (वायु, कंठवेली, आधा सीसी दर्द, पशुक्रीड़ा)	
1351	173	मन्त्र हनुमानजी का	
1352	2291	यन्त्र	
1353	547	यन्त्रविधि-मारण, कीलक	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्	विशेष ज्ञातव्य
15 × 11 4; 24	1	पूर्ण	20वीं	
16 × 13 8; 12	1 (87वां)	,,	19वीं	जीर्ण
21 × 14 10, 18	2–5	अपूर्ण	19वीं	अतिजीर्ण; प्रथम पत्र अप्राप्त
22 × 11 8 25	11	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
22 × 11 8; 20	1	,,	,,	जीर्ण
27 × 18 17; 31	12	अपूर्ण	20वीं	अतिजीर्ण; पत्र फटे हुए हैं
16 × 10 17; 13	2	,,	19वीं	जीर्ण
16 × 10 8; 16	1	,,	19वीं	अतिजीर्ण
22 × 15 13 24	7	पूर्ण	1841	जीर्ण
15 × 12 9, 18	2–18	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; पत्र सं. 1,3 अप्राप्त, इसमें संस्कृत भाषा भी है।
15 × 11 8; 19	8	पूर्ण	19वीं	
11 × 9 6; 12	21–22	,,	,,	
18 × 14 4; 20	1	,,	,,	जीर्ण
21 × 11 7; 23	8	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1354	4263	वशीकरण मन्त्र-यन्त्र	
1355	4785	विजय यंत्र और ब्रह्मास्त्र योग मंत्र	
1356	535	वीर-मन्त्र	
1357	533	शरीर-रक्षा मन्त्र	
1358	532	हुनुमान-जयति	
स्तुति-स्तोत्र21 1359	1349	अन्नपूर्णा-स्तोत्र भाषा	
1360	2518	आरती राम-कृष्ण की	
1361	334 (1)	गगाजी की स्तुति	
1362	580	जमुनाष्टक भाषा	मू. शंकराचार्य
1363	4688 4)	नाम-माधुरी	
1364	1219 (4)	दुर्गा-अष्टक	नवलकिशोर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10 × 11 12; 18	2	पूर्ण	20वीं	जीर्ण
22 × 11 9; 25	3	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त, इसमें संस्कृत भाषा भी है।
17 × 13 8; 36	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
17 × 13 9; 22	4	,,	19वीं	जीर्ण
17 × 11 8; 22	1	,,	,,	जीर्ण
15 × 11.5 8; 17	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण; अन्त अप्राप्त
17 × 17 16; 24	1	पूर्ण	,,	जीर्ण
24 × 16 17; 14	25–28	अपूर्ण	19वीं	साथ में छोटी माप के 16 फुटकर पत्र हैं जिनका अलग से परिचय पत्र बना हुआ है।
19 × 15 13; 20	2	पूर्ण	1883	जीर्ण; अन्त में लिपिकार ने शंकराचार्य कृत यमुनाष्टक लिखा है।
15 × 10 6; 13	74–81	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
22.5 × 15.5 16; 28	3	,,	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1365	251	दुर्गाभक्ति-चन्द्रिका	कुलपति मिश्र माथुर
1366	571	प्रभु-स्तुति	तुलसीदास
1367	466	युगलकिशोर सहस्रनाम	रामनारायण (विष्णुसखि)
1368	566	रामरक्षा-स्तोत्र	रामानन्द
1369	175	"	"
1370	2811	राम-स्तुति	
1371	502 (1)	शिव-स्तुति	व्रजभूषण
1372	203	सरस्वती द्वादश नाम	
1373	562	संक्षेप वेद-स्तुति (भागवत महापुराण दशम स्कन्ध)	
1374	561	स्तुति (फारसी की चाल)	मिर्जा माधोदास
1375	2688	स्तुति (गणेशजी की वन्दना)	रामसिंह रघुनाथ
1376	4755	स्तुति (राधाकृष्ण की)	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 14 11; 24	79	पूर्ण	1879	जीर्ण; र का. 1749 लि.क. सेदूराम
17 × 13 6; 17	208-211	,,	1953	लि.क. मिश्र मुरलीधर लि.स्था. गोपालगढ़ (भरतपुर) महारानी गिरिराज कौर पठनार्थ
16 × 13 15; 23	19	.	19वीं	
16 × 14 9; 12	6	,,	,,	जीर्ण
11 × 9 8; 12	9	,,	,,	,,
19 × 11 8; 24	1-4, 25-28	अपूर्ण	,,	,, पत्र 5-24 व अंत अप्राप्त
16 × 13 7; 18	55-59	पूर्ण	1891	जीर्ण; लि.क मिश्र बुलाकी लि.स्था. कामरि
16 × 13 11; 12	1 (86वां)	,,	19वीं	जीर्ण
23 × 15 15; 35	19	,,	,,	जीर्ण; पत्र 1-4 तक छोटी माप के हैं।
15 × 9 17; 10	6	,,	,,	जीर्ण
20.5 × 12.5 11; 17	1	,,	20वीं	जीर्ण; र.का. 1951 पत्र के पीछे महाराज रामसिंह के जन्म दिन की बधाई है
18 × 15 10; 20	2	,,	19वीं	जीर्ण; कर्म विपाक और स्त्री दोष वर्णन भी है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1377 जैनागम एवं दर्शन-22-i	4688 (3)	हनुमान-अष्टक	तुलसीदास
1378	520 (2)	जीवतत्व एवं अजीव तत्व का अर्थ	
1379	364	समयसार-नाटक	बनारसीदास
जैनाचार-22-iii 1380	365	अणंदा, सदगुरु पूजन (पार्श्वनाथ)	महानन्द
1381	590 (2)	अनत चतुर्दशी व्रत की कथा (पद्य में)	नथमल बिलाला
1382	590 (1)	अनंतव्रत-पूजा	शांतिदास ब्रह्म
1383	589	चौबीस तीर्थंकर पूजा	नथमल बिलाला
1384	366	निर्वाणकाण्ड-भाषा	
1385	2263	सिद्धपूजा व पार्श्वनाथजी की पूजा आदि	
रास-चउपई-22-iv 1386	4378	रामपुराण भाषा (पद्मपुराण भाषा)	मू. रविषेणाचार्य
स्तुति-स्तोत्र 22-vi 1387	73	अर्हन्त पूजन कवित्त (सिद्ध चक्र तप महिमा वर्णन)	
विविध-23 1388	2436	अरजी	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15 × 10 6; 13	71–74	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
17 × 13 9; 15	16–18	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण; आदि के पत्र अप्राप्त
16 × 13 6; 20	2–90	,,	1735	जीर्ण; र का. 1693 शाहजहाँ के शासन में रचित प्रथम पत्र अधिकांशतः नष्ट
16 × 13 16; 20	91–94	पूर्ण	1700	जीर्ण
22 × 16 17; 17	82–89	,,	19वीं	र.का. 1824 र. स्था. भरतपुर कवि आगरा वासी है
22 × 16 17; 17	81–82	,,	,,	
22 × 16 17; 17	81	,,	,,	
16 × 13 12; 12	7	,,	1765	जीर्ण; र.का 1741 र. स्था बूंदी अंत में 2 पत्रों में स्फुट वर्णन है
16 × 14 13; 15	31-46 10–25	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण; पत्र स. 1-30, 16-21 व अंत अप्राप्त, प्रारम्भ के 10 पत्र कोने पर कटे हैं।
28 × 14 10; 42	2–23	,,	19वीं	जीर्ण, पत्र सं. 1,12 व अंत अप्राप्त
11 × 11 8; 13	7	,,	,,	जीर्ण; आदि अप्राप्त
24.5 × 16.5 19; 20	1	पूर्ण	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1389	2546	कवित्त एवं चिट्ठी	
1390	536	चक्र-चूड़ामणि	
1391	1955	चिट्ठी (पं. गोपीनाथ की सार्वजनिक दान के लिए अपील)	
1392	2307	चिट्ठी	किशनवल्लभ
1393	2426	,,	जुगलकिशोर
1394	2452	,,	
1395	2564	,,	लक्ष्मीनारायण ठाकुर
1396	2591	,,	
1397	2619	,,	जैदेव पण्डा
1398	2621	,,	गिरवर ब्रह्मचारी
1399	2680	,,	
1400	4333	,,	जगन्नाथ
1401	2714	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17 19; 25	1	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; राजा जसवंतसिंह के समय में लिखी।
18 × 15 15; 14	38	,,	19वीं	
27 × 16 9; 10	11	अपूर्ण	1887	जीर्ण; लि.क. आवापाठक लि.स्था. सांभर; उर्दू में
24.5 × 17.5 11; 19	1	पूर्ण	1888	जीर्ण
19.5 × 12.5 13; 11	1	अपूर्ण	1889	जीर्ण; लि.स्था. भरतपुर
20 × 14 8, 22	1	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
29 × 18 26; 21	1	पूर्ण	1887	जीर्ण
27 × 17.5 20; 18	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
25.5 × 8.5 22; 13	1	पूर्ण	1916	जीर्ण; पत्र पर स्याही फैली हुई है।
21 × 14 14; 14	1	,,	1913	जीर्ण; पत्र के पीछे अन्य विवरण भी है, लेखक खेरागढ़ वासी है।
31.5 × 22 20; 17	1	अपूर्ण	1898	जीर्ण
33 × 20 25; 23	100	पूर्ण	20वीं	जीर्ण; संग्रह है।
50 × 17 36; 18	1	अपूर्ण	,,	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1402	4549	चिट्ठी	
1403	586	जबाब सवाल खमसा (तर्जुमा अबूनस हकीम आदि, शरीयत की बातें व हाल बवारीख)	
1404	1354	ताली इब्तदाऐ-इसक	
1405	1219 (7)	बस्तुनाम-सूची आदि	
1406	346 (2)	स्फुट-विवरण	
1407	2437	,,	
1408	543 (2)	,,	

—0—

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
33 × 18 23; 18	1	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
21 × 14 11; 17	32	पूर्ण	1260 हि.	„ ; उर्दू-फारसी में
56 × 17.5 37; 16	16	„	20वीं	„
22.5 × 15.5 12; 19	3	अपूर्ण	„	„
21 × 16 18; 23	4	पूर्ण	1867	„
17.5 × 10 6; 18	1	अपूर्ण	19वीं	
20 × 15 10; 19	13	„	„	„

—0—

परिशिष्ट—१

लघु रचनाओं का विवरण

358/216

क्र.सं.	रचना का नाम	रचनाकार	पत्राङ्क
1	नेत्र वर्णन	रसआनन्द	129, 166
2	प्रेम वर्णन	परमेस	129-130
3	,,	ठाकुर	131-133, 135,141, 146, 176, 185
4	,,	रामजु	133
5	,,	पद्माकर	134, 146, 165, 166, 174
6	,,	देव	134-136, 147, 183
7	पद्मिनी कवित्त	केसोराइ	136
8	वीर कवित्त	उदैनाथ, रसानंद	137, 168
9	,,	हरिकेस	137
10	जमकालंकार	देव	137-138
11	पावस वर्णन	वीर, मोतीराम	138, 143
12	होरी वर्णन	देव	139
13	प्रेम वर्णन	,,	140-143
14	,,	भूषन	143
15	विरह वर्णन	सेनापति, सोमनाथ	144-146
16	नीति वर्णन	गंग, ठाकुर	149-165
		रहीम, तुलसी	148-149
		अमरेस	169-171, 184,
17	सौंदर्य वर्णन	रामकवि	149
18	रणजोतसिंह महाराज को कवित्त	पद्माकर, कविन्द्र	167
19	प्रेम वर्णन	मल्लकवि	172
20	,,	रस आनन्द	172, 174

21	प्रेम वर्णन	श्रीपति	173
22	,,	चतुर	173
		नारायण	175-76
		कासीराम	183
23	महा अमृतध्वनि छंद (महाराजा नवलसिंह के बारे में)	बेनीप्रवीन, शोभ रस आनन्द	178-80 186
24	राजप्रशंसा	पद्माकर सोमनाथ, शंकर	180-183

359/252

1	विरह वर्णन	सेनापति	1, 7, 9
2	,, (पावस का)	,,	2, 3
3	ऋतु वर्णन	मोतीराम	1
4	,,	—	2
5	विरह वर्णन	घनआनन्द	3
6	,,	पुखी	3, 8
7	ऋतु वर्णन	सोमनाथ	4, 5, 10, 11
8	,, (विरह वर्णन)	देव	5, 6
9	विरह वर्णन (वसन्त का)	भूषण	6
10	दीनता का वर्णन	तुलसी	6, 10
11	नेत्र वर्णन	आलम	8
12	ऋतु वर्णन (विरह वर्णन)	पद्माकर	13
13	विरह वर्णन	—	13-23
14	सौंदर्य वर्णन	—	24

360/444

1	विरह वर्णन	पद्‌माकर	64-67, 80
2	,,	पृथ्वीराज	67
3	प्रभु महिमा	—	67-69
4	विरह वर्णन	देव, घासीराम	69-70
5	,,	सूर	71
6	गिरधर की कुण्डलिया	गिरधर	71-75
7	विरह वर्णन	गंग	76
8	,,	ठाकुर	76
9	,,	आलम	77
10	,,	कविन्द	67, 77
11	संयोग वर्णन	बालकृष्ण	77-78, 80
12	,,	सूरदास	79
13	आशीष वर्णन	अमृतकौर (माजी अमृतकौर के पुत्र बलवन्तसिंह को)	79
14	विरह वर्णन	सूरदास	81-82
15	सीताराम सौंदर्य वर्णन	सेनापति	83
16	विरह वर्णन	घनआनन्द	83-84

———

361/1359

1	वियोग वर्णन	सुजान	3, 8, 19-23
2	,,	तोषनिधि	4
3	,,	पद्‌माकर	4, 8
4	,,	रस आनन्द	4, 15
5	,,	घनआनन्द	4, 8, 20-22
6	,,	कविन्द	5, 6
7	,,	सोमनाथ	7
8	,,	ठाकुर	8, 13-15, 17

9	विरह वर्णन	धनेस	9
10	,,	आलम	10
11	,,	ऊधौराम	10
12	,,	देव	11, 12

634/232

1	विरह वर्णन (भ्रमरगीत के अन्तर्गत)	सुजान	74-74
2	,,	मतिराम	74-75
3	,,	हरिकर्ण	75-76
4	संयोग वर्णन	खमान	76-77
5	,,	पद्माकर	77-89, 107-109, 124, 157
6	,,	जानराय	90-91
7	,,	घनानन्द	91-92, 95-97
8	,,	नारायण	92-94, 102-104
9	,,	सोभ	94-95
10	,,	सोमनाथ	97-98
11	वियोग वर्णन	प्रहलाद	98-99
12	,,	सम्भू	99
13	,,	पुखी	100
14	संयोग वर्णन	कालीदास	100-101
15	वियोग वर्णन	सुखान	101-102
16	,,	घनानन्द	104-105, 215-216, 220-221
17	,,	किशोर	105-106
18	विरह वर्णन	पद्माकर	109-112, 116-118 139-143, 145-147, 148, 150-151
19	,,	सेनापति	113-114, 115
20	,,	नारायन	114, 126-130, 136-139, 144-145, 147, 163-166, 171, 172

21	विरह वर्णन	ठाकुर	118-119
22	संयोग वर्णन	देव	120-121
23	विरह वर्णन	—	130-136
24	,,	शशिनाथ	143-144
25	राज ऐश्वर्य वर्णन	पद्माकर	149
26	संयोग वर्णन	रस आनन्द	154-155
27	वियोग वर्णन	कविन्द	155, 168-169
28	,,	गणेश	157-158
29	,,	पद्माकर	159-161, 162, 169-170, 210-214
30	,,	निहाल	161-162
31	,,	भगवंत	174-178
32	सौंदर्य वर्णन	गुविन्द	178-179
33	विरह वर्णन	चिन्तामणि	180-190
34	,,	नारायण	191-209, 214-215
35	,,	सिरोमनि	215-216
36	,,	प्रवीन	217-218
37	संयोग वर्णन	लाल	218
38	विरह वर्णन	शिवनाथ	218-219
39	,,	ग्वाल	221-222
40	,,	उदयराज	222-225, 234-235
41	,,	उधौराम	226-228, 229-230
42	,,	नायक	228-229
43	,,	चतुर	230
44	,,	—	231
45	,,	बदन	232-233
46	,,	देव	233-234
47	,,	नन्दन	237-237

790/4077(24)

19	श्री कृष्ण महिमा	श्रीभट्ट	37–38, 47–48, 50
20	,,	परमानन्ददास	38
21	विरक्ति	मलूकदास	43
22	प्रभुमहिमा व मन को चेतावनी	हरिदास	44
23	विनती	सूरदास	45
24	गंगा महिमा	—	45
25	नागरनट की छवि का वर्णन	केवलराम	45–46
26	विरह वर्णन	मीरां	47, 55 57, 59, 66
27	राममहिमा	अग्रदास	48
28	विनती	गिरधरदास	52–53
29	,,	—	53–54
30	विरह वर्णन	चन्द्रसखी	57
31	बसन्त वर्णन	सूरदास	57, 61, 63-64, 65
32	,,	श्रीभट्ट	57–58
33	,,	भगवानहित	58
34	,,	दयासखी	61–62
35	,,	चन्द्रसखी	64
36	राममहिमा	सहजोबाई	67–68
37	विरह वर्णन	सूरदास	68–69
38	संयोग श्रृंगार	श्रीभट्ट	69
39	श्रीराम महिमा	बालअलि	69–70

———

795/238

1	विनती के पद	सूरदास	1, 7, 24, 25, 26, 33, 36, 59
2	वियोग श्रृंगार (राधा व गोपियों का)	,,	10, 12, 17, 18. 20. 50, 61. 87-90, 93, 98-99, 107-111
3	संयोग श्रृंगार (राधाकृष्ण का)	,,	35, 37, 39, 60, 65, 67, 94, 103-106

4	नखशिख वर्णन (राधा का)	सूरदास	96-97
5	विनती का पद	गदाधर	1
6	विनती के पद	परमानन्ददास	11, 27, 51, 53, 54, 56, 66, 69, 70
7	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	,,	3, 8, 60
8	नाममहिमा (श्रीकृष्ण की) व दीनता के पद	नन्ददास	3, 5, 9, 55, 74
9	वियोग शृंगार	,,	13, 20, 30
10	नखशिख वर्णन (श्रीकृष्ण का)	गदाधर	3
11	,,	सूरदास	2, 4
12	वियोग शृंगार	वल्लभ	30, 75
13	भक्ति के पद (विनती के)	विट्ठल	4, 67, 74, 75, 79
14	,,	छीतस्वामी	4, 5 65, 74, 75
15	,,	विष्णुदास	4, 75
16	,,	मुरारीदास	5
17	विरह वर्णन (राधाकृष्ण का)	जनगोविन्द	6, 28, 29
18	विनती के पद	लछीराम	6, 7, 13
19	वियोग शृंगार	चन्द्रसखी	6, 15, 28
20	,,	दामोदर	8, 16, 25
21	,,	नागरीदास	9, 19, 27
22	,,	हरिदास	9
23	विरह वर्णन	मीरां	10, 17, 21, 30, 38
24	विनती के पद	कृष्णदास	11, 49, 50, 64-66, 68, 74, 76, 78, 81, 83,84
25	वियोग शृंगार	चतुर्भुजदास	12, 60, 61
26	विरह वर्णन	रामराय	12, 13, 15
27	विनती के पद	विद्यादास	13
28	,,	गोविन्ददास	14
29	,,	तुलसीदास	15,17,18,20,24,32 33, 38, 77
30	प्रभु महिमा	कबीर	16, 18, 26, 34
31	,,	माधौदास	25, 79
32	,,	गरीबपास	31, 59
33	,,	ठाकुरदास	54

34	प्रभु महिमा एवं सौंदर्य वर्णन	हरिदास	38 65 66
35	,,	कुंभनदास	65
36	,,	हरिनारायण श्यामदास	73
37	,,	मुरलीदास	38
38	,, विरह वर्णन	परसराम	45, 46, 47
39	संयोग व वियोग शृंगार	कुंभनदास	60, 61 64 65. 66. 70, 80, 83, 85
40	भक्ति के पद	मनोहरदास	50
41	,,	केशोदास	69
42	,,	लालदास	73
43	वियोग शृंगार	आनन्दघन	73, 84
44	संयोग शृंगार	बिहारीदास	82
45	भक्ति भाव	धर्मदास	82
46	,,	सुन्दरदास	105
47	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	हितहरिवंश	116, 118
48	वियोग शृंगार	,,	120-122
49	संयोग शृंगार	विद्यापति	30
50	भक्ति भाव	किशोरीदास	58

———

797/412

1	भक्ति (चेतावनी)	चतुरसखी	1
2	वियोग शृंगार	चतुर छैल	2, 19, 24, 101-102, 109
3	,,	चतुर	2, 17, 24-28, 31, 37-38, 42, 45-46, 52, 104, 119, 123-124, 126-129, 130-131
4	चेतावनी के छंद	,,	3-4
5	लक्ष्मण की महिमा	,,	5-6, 57-58, 62-64, 78-80
6	अयोध्या व राम की महिमा	,,	6-8, 30, 32
7	गणेश महिमा	,,	8-9
8	सरस्वती महिमा	,,	9-10
9	गुरू महिमा	,,	10, 53-54, 106-107
10	शिव महिमा	,,	10-11

11	सूर्य महिमा	चतुर	11-12
12	चेतावनी	,,	13, 107, 121-122
13	राधा महिमा	चतुरसखी	14, 29, 122, 130
14	राधाकृष्ण महिमा	चतुर	15-16, 32
15	वियोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	चतुरसखी	16, 21-23, 37, 44, 48-49, 117-118
16	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण तथा विवाह वर्णन)	चतुरसखी	1-8,86,116-117,124-125
17	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	,,	19-20, 34-35, 55, 67-68, 69, 79 80, 113, 114-115
18	,,	चतुरपीव	20, 58-59, 65, 70,97-98, 103, 110, 113, 125-126
19	वियोग वर्णन (कृष्ण का)	,,	31, 33, 77-78, 79, 100, 104 105, 108-109, 127, 131-132
20	सीयावर महिमा	चतुर	33-34, 36, 40-41, 49-50 56-57
21	हनुमान महिमा	—	53
22	वधाई (कृष्ण जन्म की)	चतुर	60-61, 71-75, 87-92
23	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	चतुर छैल	64-97, 116, 125
24	वियोग शृंगार (राम का)	चतुरपीव	65-66, 76 81-85, 93-95, 105-106, 119-121, 132
25	संयोग शृंगार (सीताराम का)	चतुरपीव	67-68
26	,,	चतुरसखी	67, 113-116
27	बधाई रामजन्म की	चतुरपीव	96, 119
28	,,	चतुर	111-112
29	गुरु महिमा	चतुरपीव	121
30	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	चतुर	125
31	श्रीकृष्ण महिमा	सूरदास	130

799/458

1	संयोग श्रृंगार (राधाकृष्ण का)	चतुर	1, 5-7, 10, 27, 37-39, 44, 47-49, 50-51, 53-56, 66, 68-69
2	वियोग श्रृंगार (गोपियों का)	चतुरपीव	1-2, 4 15, 18, 19-20, 22, 23-24, 25-27, 34, 35-38, 40, 48, 54-55
3	संयोग श्रृंगार (राधाकृष्ण का)	रसिकराय	2
4	दीनता का पद (श्रीकृष्ण प्रति)	चतुरपीव	3, 28, 41, 61
5	दीनता का पद (श्रीराम प्रति)	चतुर	3, 29, 33, 51-52, 53,56
6	वियग श्रृंगार (राधा का)	,,	4, 7, 12-14, 16 17, 18-19, 20-22, 23, 24, 26 32, 35-36, 39-40, 43, 45, 50, 52
7	,,	चतुरसखि	8, 12, 22, 40. 46-47, 64-65
8	संयोग श्रृंगार (राधाकृष्ण का)	,,	9. 41-42, 66
9	श्रीकृष्ण महिमा	चतुर	10-11, 16, 31-32, 43
10	चेतावनी मन को	चतुरसखि	12
11	वियोग श्रृंगार (गोपियों का)	चतुर छैल	14-15 62-63
12	संयोग श्रृंगार (राधाकृष्ण का)	चतुरपीव	25-26. 37
13	गुरु महिमा	,,	29-30
14	वियोग श्रृंगार (कृष्ण का)	चतुर	31, 45-46, 57-58
15	,,	चतुरपीव	49-50, 59-60
16	श्रीराम महिमा	,,	57
17	नाम महिमा	चतुर	67
18	वियोग वात्सल्य (यशोदा का)	चतुरमोहन	68
19	संयोग वात्सल्य (यशोदा का)	चतुर	68

911/442

1	वियोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	—	4-7
2	,, ,,	धीरज	8
3	,, ,,	ब्रजनिधि	8-9 36- 41 42
4	,, (गोपियों का)	सूरदास	9-10 43
5	श्रीकृष्ण महिमा	परमानन्द	9
6	नाम महिमा	ब्रजनिधि	9, 12, 16-17
7	श्रीकृष्ण महिमा	बंशीधर	10
8	,,	तुलसी	10
9	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	हरिदास	10-11
10	श्रीकृष्ण महिमा	कन्हरदास	11
11	राधाकृष्ण महिमा	दयासखि	11-12
12	विरह वर्णन (भक्त का श्रीकृष्ण प्रति)	रसिक गोविन्द	12, 20
13	दीनता का पद (श्रीकृष्ण प्रति)	चतुरमोहन	12-13
14	वीरों की महिमा	मतिराम	13
15	हनुमान महिमा	—	13
16	कृष्ण महिमा	श्रीपति	14-15
17	आत्म निवेदन	सुन्दरदास	15-16
18	विरह वर्णन	कबीर	17, 41
19	,,	मीरां	17, 40-41
20	प्रियाजी की नामावली	—	18-19
21	दानलीला	—	19-20
22	बाललीला	सूरदास	21-22, 41
23	फाग वर्णन (राधाकृष्ण का)	आनन्दघन	22, 32
24	,,	चन्द्रसखि	22-23
25	वियोग शृंगार (कृष्ण का)	लच्छीदास	23
26	,, (दर्शनाभिलाषा)	चरणदास	23-24, 26, 44
27	संयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	सूरदास	24-27, 35, 45, 52-53
28	फाग वर्णन (श्रीकृष्ण का)	दयासखि	24-25, 32, 53-54
29	,,	किशोरीदास	27-28
30	,, (राधाकृष्ण का)	जनगोविन्द	28-29
31	,, (राधाकृष्ण का)	भगवानहित	29-30

32	,,	श्री विट्ठल	30
33	,,	रसिक गोविन्द	30-34, 35-39
34	,,	इच्छाराम	33
35	,,	वृन्दावनहित	33-34
36	संयोग-शृंगार (राधाकृष्ण का)	कुंजसखि	35
37	कृष्णजन्म बधाई	चतर	38
38	विरह वर्णन	मगनदास	41
39	विनय का पद	तुलसीदास	41
40	राधा सौंदर्य वर्णन	नन्ददास	42
41	सयोग शृंगार	लच्छीराम	45-46
42	विरह वर्णन	गरीबदास	46
43	फाग बर्णन	परमानन्ददास	46
44	सयोग शृंगार (राधाकृष्ण का)	—	46-47
45	विरह वर्णन (राधा का)	धनसिंह	47
46	,, ,,	लच्छीराम	47, 55
47	सीता व सखियों का प्रेमवर्णन	तुलसी	47-48
48	विरह वर्णन	मीरां	48, 55-56
49	,, (राधा का)	ब्रजवासी	48-49
50	,, ,,	रसिकसखि	49-50
51	प्रेमवर्णन (सीताराम का)	—	50-51
52	श्रीकृष्ण-चरण महिमा	सूरदास	51-52
53	नायिका भेद वर्णन	पद्माकर	57-59
54	विरह वर्णन (राधा का)	शिवराम	58
55	नायिका भेद वर्णन	उदैनाथ	58 59
56	,,	कविन्द	59
57	फाग वर्णन (राम व उनके भाइयों का)	जानकीशरण	60
57	फाग वर्णन (राधाकृष्ण का)	,,	60-61

———

परिशिष्ट–२

विशिष्ट ग्रन्थों के उद्धरण

1129/522 गोविन्द विलास

प्रारम्भः– श्री कृष्णाय नमः ।। अथ गोविंद विलास ग्रंथ वरननं ।।

मंगलाचरन—दोहा

श्रीगणनायक सुमरि कै सारद कौं सिरनाइ ।
कृष्णचंद्र को ध्यान मन, वंदौ गुरु के पाइ ।।१।।

गनेश-स्तुति—सवैया

सींदुर सोहतु है गणनाथ के, सुंदरच्यार भुजा अति भारी ।
चंद ललाट दिपै कविकृष्ण सदाइ कहत ह्वी है छवि न्यारी ।
मूषको वाहन सुंड प्रचंडहि ताहि रटै पहिलै तप धारी ।
मंगलदायक है सवको जिनपै किरपा कछु होय तिहारी ।।२।।

अंतः— द्विज सनाढ्य कविकृष्न है, नगरवारि परवास ।
श्रीगोपाल कुमार लघु, भाषा कियो प्रकास ।।४६।।

श्रीगोविंद नरेस को, हुकम पाय श्रीकृष्न ।
तवही वरनन ग्रंथ की, चाह बढी मन तृष्न ।।५०।।

रच्यो ग्रंथ नृप हुकम तै, हरि को चरित समाज ।
रस वरनन मति सम कह्यो, सुंदर सुख को साज ।।५२।।

करै कृष्न भहमे विनय, बुधिवर द्विज कवि साध ।
जानि चपलता चित की, छिमा करो अपराध ।।५२।।

भूलि चूकि विन समझि मैं, छंद रचे जो होय ।
लीजो सुकवि सुधारि कै, दोष न दीजो मोय ।।५३।।

अनुप्रास गनि ध्वनि सुरस, छंद प्रबंद कवित्त ।
अलंकार अरू लछना, समझि लेह कवि चित्त ।।५४।।

मेरी मति अनुसार मैं, वरन्यो ग्रन्थ विचारि ।
भूषन मानो कृष्न कहि, दूषन दीजो टारि ।।५५।।

श्री राधा माधव मधुर, मूरति मन हरि लेत ।
जानि परस्पर रसहि पै, ब्रज जीवन सुख देत ।।५६।।

कमठ वंस अवतंस गनि, गोविंदसींह प्रवीन ।
श्री हरनाथ नरेस सुत, वरन्यो ग्रन्थ नवीन ।।५७।।

श्री गोपी जन राधिका, कंजन करत विलास ।
श्री गोवींद नरेस उरि, नित प्रति करियो वास ।।५८।।

र.का. चैत्र कृष्न सुभ पंचमी, सूर्यवार कहि दीन ।
सं. 1893 वरस अठारह सै गनो, त्रानवे जानि प्रवीन ।।५६।।

पुष्पिका:–इतिश्रीमन्महाराजकूर्मवंसावतंस श्रीगोवींदसींहाज्ञप्त कृतश्री गोवींद विलास ग्रन्थ कवि कृष्न विरचित रसनिरूपण समाप्तम् ।

चैत्र कृष्न ५ सूर्य स१न् १८९३

——

1144.18 नवलरस चन्द्रोदव

प्रारम्भ:– ।। श्रीगणेशाय नमः ।। अथ नवलरस चन्द्रोदय लिख्यते ।।

उद्धरति वेद निज शुद्ध रति जो जगत,
वृद्धि रूचि इमा प्रहलाद पन लाज पर ।

धीर धर भरन वर वीर भृगु वंस मनि,
नीर निधि तरन अरि दरन स्वर काज पर ।।

हत्थ हल धरन समरत्थ वलिछरनागत्थ,
तरुनायतन किलिक छवि वाज पर ।

नन्दनृपनंद वृजचंद आनन्दमय,
रहत रछपाल नवलेस महाराज पर ।।१।।

महाराज वृजराज, नंदनंदन जग वंदन ।
सगुन सचिदानंद, छंद बरनत स्वर छंदन ।।
पूरव पुरुष पुरान, भांन हिमभान अच्छकर ।
भासमान दिनमान, दान सम नद प्रत्यछुकर ।।
जगदीस ईस सुभ सीस, मनि महि मंडन जस जगमगत ।
जयचंद्र वंस परिसंस, अति अंस रूप सोभित जगत ।।२।।

जग,जगमग्यौ जदुवंस में, सुभावसिंह सुनाम ।
जिन नंद जायो बदनसो, नृप धर्म को निज धाम ।।

वरजीति कें वसुधा करी, तुरकान दिल्लीय जेर ।
गाई सकल हिंदवान में, जाकी सरस समसेर ।।३।।

× × ×

र.का. वसु विवि वसु विधु वत्सरहि, श्रावन सुदि गुरवार ।
सं. 1828 सरवसु सिद्धि त्रयोदशी, भयौ ग्रथ अवतार ।।२८।।

अन्तः- ।। दोहा ।।

आंये पियै न आदरै, धरति चित्त अभिमांन ।
सो विव्योक वर्षानियें, हावभाव परिमान ।।२१।।

पुष्पिका:- ।। इति विव्योक जथा ।। इति श्रीमन्महाराजजदुकुलवंसावतंस व्रजेन्द्रनंदनृपनवलसिंघविनोदार्थे सोभकविविरचिते नवलरसचंद्रोदये हावादिभेदकथनं नाम-सप्तमोल्लास ।।७।। शुभ[म]स्तु ।।

1196/460 शृंगार रस माधुरी

प्रारम्भः- ।। श्रीगणेशाय नमः ।। अथ सिंगार रस माधुरी लिख्यते ।।

।। **सवैया** ।।

विघन हरन सुख करन नाम उचरन सुभ वितरन ।
कंज वरन जुग चरन सरन नर सकट उतरन ।
मद मतंग आमोद मधुर मोदक कर मंडित ।
गन मोदक कहु सुड तुंड दंडव विधि पंडित ।
हेरंब इक्क अवलंब जगदुख कदंब तांबिय करन ।
जय इक्क दंत मतिवंत वर भाल चंद भव उद्धरन ।।१।।

।। **छप्पय** ।।

राजत ललित सिंगार कलित उपहास इंद तन ।
आकुल गोकुल ग्वाल निरखि विस्तरित वीरपन ।।
लोचन हरप्रति अरुन सिथिल कर भय उपजावत ।
स्रवत सिषिरि रसरग अंग अंगनि सरसावत ।
देखत असेष अनिमेष जनबाल चरित्र बिचित्र विधि ।
गिरिराज उद्धरन समय प्रभु बिलसत नवरस दरस निधि ।।२।।

।। **दोहा** ।।

रतन बंस उपजत रतन, तिन रतननि की खांनि ।
जगजाहर आछौं बलौं, देस अनूपम जांनि ।।३।।

हुकम पाय नृपकौं सुकवि, सकल कलानिधि लाल ।
यह सिंगार रस माधुरी, कीनौं ग्रंथ रसाल ।।७।।

अन्त:— ॥ दोहा ॥

इहि विधि औरों रसनिमैं, दूषन लेहु बिचारि ।
तिनकौं अंस निवारि कैं, कीजौं कवित्त बिचारि ॥१४॥

बालबंदि पतिसाहि कौं, हुकम पाइ बहु भाइ ।
करचौं ग्रंथ रसमाधुरी, सुकवि कलानिधि राइ ॥१५॥

र.का. संबतु सत्रहसैं बरष, उनहत्तरि के साल ।
स. 1769 साँवन सुदि पून्यौं सुदिन, रच्यौ ग्रंथ कवि लाल ॥१६॥
वि

छत्रमहल बूंदी तखत, कोरि सूर ससि नूर ।
बुद्ध बली पतिसाहि कैं, कीनौं ग्रंथ हजूर ॥१७॥

॥ छप्पय ॥

नृपसदन गुनसदन आंन भूपनि हसि पेखत ।
विप्र धेन हित सजत लगत पारथ जिमि देखत ॥
तेग कटारि निदर्वाट सहज पर दलनि बिदारत ।
श्रोनित रूंड भशुंड रत्त दंतीहि सिगारत ।
चहुवान भानु गुन ज्ञान निधि, दान मान निधि इक्क भुव ।
नवरस बिहार आनंद कर, बुद्धराव अनुरुद्ध सुव ॥१८॥

पुष्पिका:—॥ इति श्रीरावराजाबुधसिंधजीआज्ञाप्रवर्त्तक श्रीकृष्णभट्ट बिरचितायाँ श्रृंगाररसमाधुर्यम् षोडष: स्वाद: ॥१६॥

1206/229 अनेकार्थ मंजरी (अमरकोष भाषा)

प्रारम्भ:— ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ अनेकार्थ मंजरी ॥

॥ दोहा ॥

अमरकोस के भाव सों, कीनो नाम प्रकास ।
अनेकार्थ के अर्थ लै, कहों अनेक उलास ॥१॥

सुद्ध वरन बहु अर्थ जुत, मुक्ता सब्द सुढार ।
कंठ करौ गुनवंत नर, नूर अयूर बहार ॥२॥

॥ अथ हरिसब्द ॥

इंद्र विष्नु सूरज मरुत, सिंह मेष हय जानि ।
कायर कपि जम चंद्रमा, सुक किरनि अहि मानि ॥३॥

सुवरन रंग हरि जानि मन, सुमति लेउ अवधारि ॥४॥

॥ अथ गो सब्द ॥

वचन भूमि दिग दिष्टि सर, किरनि स्वर्ग जल सोइ ।
गाइ वज्र सुक सप्तगो, मातर अंगनि सु होइ ॥५॥

॥ हकार० ॥

अन्तः– कहत हकार सु हाथ कौं, दारुन में कहि सोइ ।
(हे शब्द०) हे संबोधन अर्थ में, नूर कहे पुनि सोई ॥४६॥

॥ क्षकार० ॥

क्षेत्र क्षकार बखानियें, और राक्षस होइ ।
नूर सु अक्षर मालिका, कहि कोस मत सोइ ॥४७॥

इंद्रादिक जे देवता, तिनहू लह्यो न पार ।
सो किमि नर बरनन करै, सब्द समुद्र अपार ॥४८॥

देवगिरा सुनि समझि कछु, उपज्यौ मन हुलास ।
कह्यो जथा मति नूर नें, भाषा नाम प्रकास ॥३४६॥

पुष्पिका:– ॥ इति सकलविधानरत्नभूषनभूषिता एकाक्षरप्रकरणे, मियानूरकृत नामप्रकाशे, पचम प्रकास समाप्तं ॥ लिखितं चौवे जीवाराम पठनार्थं सुभं भवतु ॥ श्री राधा कृष्णाभ्यां नमः ॥ संवत १६०० समये वैसाख वदि ॥ श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री जयतिः ॥

परिशिष्ट - ३

रचनाकार–टीकाकारानुक्रमणिका

(ब)

(भ)

(म)

(य)

(र)

———

रामज
रामजी
रामद
रामन
राम